{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 17 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 85
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 84,679.86
निफ्टी - 25,860.10
सोना - 1,33,860
चांदी - 1,99,100
डॉलर - 90.93

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पुलिस के रडार पर हथियार डाल चुके माओवादी थानों में धड़ाधड़ अपराध दर्ज हो रहे

नक्सलियों के खिलाफ रूपझर के भूत डबरा और गढ़ी के सूपखार ओटेसर्रा जंगल डंप मामले में अपराध दर्ज

रामधेर

छोटा दीपक

समर उर्फ समारू

शिल्पा नुप्पो

नवीन उर्फ हिड़मा

सुरेन्द्र उर्फ कबीर

जरीना उर्फ जोगी

जयसिला उर्फ ललिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों आत्म समर्पण किए गए नक्सलियों की निशान देही पर उनके द्वारा पुलिस बल को नुकसान पहुंचाने की नीयत से जंगलों में डंप किए गए विस्फोटक पदार्थ पुलिस टीम द्वारा जप्त किए। इस मामले में जिले के रूपझर और गढ़ी पुलिस थानों में आत्म समर्पित किए गए नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किए गए है।

पिछले दिनों 10 दिसंबर को और उसके पूर्व भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के मलाजखंड एरिया कमेटी के सदस्य और कान्हा भोरमदेव डिवीजन के सदस्यों ने शासन की नीति के अनुसार आत्मसमर्पण किया गया है। आत्म समर्पित इन नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है और इन नक्सलियों के द्वारा जंगलों में उनके द्वारा डम्प किये गए विस्फोटक पदार्थ इन्ही आत्म समर्पित नक्सलियों की निशानदेही जप्त की जा रही है।

गढ़ी थाने के सुपखार ओटेसर्रा के जंगल में जप्त हुआ था विस्फोटक डंप

जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले सुपखार ओटेसर्रा के जंगल में इन आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशान देही पर भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ ,गन, पिस्टल, कुल्हाड़ी इलेक्ट्रॉनिक सामान लैपटॉप के अलावा दैनिक उपयोग का सामान बर्तन सहित अन्य सामान जप्त किया गया है। नक्सली आम जनता को तथा पुलिस बल के जवानों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से आर्मस एवं सामग्री डम्प करके रखे हुये थे। जंगलों से जप्त किए गए विस्फोटक पदार्थ सहित अन्य सामान 10 दिसंबर एवं 12 दिसंबर को गढ़ी पुलिस थाने में जमा की गए हैं। और इसी पुलिस थाना में कान्हा भोरमदेव डिवीजन के आत्म समर्पित नक्सली कबीर उर्फ सुरेंद्र, राकेश ओडी,लालसू जानकी, जयशीला, शिल्पा, सोनी मंडावी, समर उर्फ राजू आत्रम,जरीना,नवीन उर्फ हिड़मा के विरुद्ध धारा 13(1)क,13(1)ख विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 और धारा 25,27 आयुध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

रूपझर थाने के भूतडबरा के जंगल में जप्त हुआ था विस्फोटक पदार्थ

इसी प्रकार मलाजखंड एरिया कमेटी के आत्म समर्पित नक्सली के द्वारा पूछताछ करने पर उनके द्वारा रूपझर थाने के ग्राम पोला के भूतडबरा के जंगल में विस्फोटक एवं अन्य सामग्री छुपाए रखने की जानकारी दी गई थी 13 दिसंबर को इन आत्म समर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर ग्राम पोला के भूतडबरा जंगल में डम्प किए गये विस्फोटक पदार्थ के अलावा अन्य सामग्री भी जप्त की गई है।रूपझर थाने में इस मामले आत्म समर्पित नक्सली रामधेर, अनीता उर्फ ललिता, सुकेश, धनुष, रानी, लक्ष्मी, सागर, राम सिंह,दीपक, आकाश उर्फ सनकु, समर, शीला जानकी और योगिता के विरुद्ध धारा 3,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 और धारा 13(1)क,13(1)ख विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 के तहत अपराध दर्ज किया गया और पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

जज कैश कांड-सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा अध्यक्ष को नोटिस

पूछा- राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव नामंजूर फिर जांच पैनल क्यों बनाया, संसद में यह कैसे हुआ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को नोटिस जारी किया है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने याचिका में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए बनाई जांच समिति को चुनौती दी है। याचिका में जजों की जांच अधिनियम की प्रक्रिया के तहत अकेले लोकसभा से बनाई गई 3 सदस्यों वाली समिति की वैधता को चुनौती दी गई थी।जस्टिस दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

जस्टिस दत्ता ने पूछा कि संसद में इतने सारे सांसद और कानूनी विशेषज्ञ मौजूद थे, लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, संसद में मौजूद कानूनी विशेषज्ञों ने इसे होने कैसे दिया। 14 मार्च को दिल्ली में जज के आधिकारिक आवास के स्टोररूम में आग लगने के बाद जले हुए नोटों के बंडल मिले थे। इसके बाद के घटनाक्रम में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी 2026 को होगी।

जांच पैनल भारतीय संविधान का उल्लंघन

7 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनल कमेटी की रिपोर्ट और सीजेआई खन्ना की जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने अब न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत शुरू की गई कार्यवाही को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की है। याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि एक रिट, आदेश या निर्देश जारी किया जाए जिसमें 12 अगस्त 2025 के लोकसभा स्पीकर की कार्रवाई को असंवैधानिक घोषित किया जाए। साथ ही इसे रद्द किया जाए। लोकसभा अध्यक्ष ने जज जांच अधिनियम 1968 की धारा 3(2) के तहत जांच पैनल बनाया है। यह कार्रवाई भारत के संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 का उल्लंघन है। कानून की प्रक्रिया के उलट है। इससे पहले हाईकोर्ट के तीन जजों की इंटरनल जांच में जस्टिस वर्मा को दोषी पाया गया था। उन्हें पद से हटाने की सिफारिश की गई थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने संसद में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। संसद के 146 सदस्यों के प्रस्ताव को अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया गांधी और 5 अन्य के खिलाफ संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत खारिज कर दी। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला किसी एफआईआर नहीं, बल्कि एक निजी शिकायत पर आधारित है। इसलिए ईडी की ओर से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत दायर शिकायत विचार योग्य नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग का मामला प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 3 में परिभाषित और धारा 4 के तहत दंडनीय है। यह केस तब तक विचार योग्य नहीं है, जब तक वह अधिनियम की लिस्ट में दर्ज किसी अपराध से जुड़ा हो या उस मामले में एफआईआर दर्ज हो। नेशनल हेराल्ड केस में राहुल और सोनिया के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, यंग इंडियन, डोटेक्स मर्चेंडाइज और सुनील भंडारी को आरोपी हैं। इन पर नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड कंपनी की 2,000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति हड़पने का आरोप है।

एफआईआर दर्ज करने से परहेज

कोर्ट के अनुसार, सीबीआई ने अब तक इस मामले में एफआईआर दर्ज करने से परहेज किया है, जबकि ईडी ने बिना एफआईआर के ही ईसीआईआर दर्ज कर जांच आगे बढ़ा दी। अदालत ने इसे कानून के अनुरूप नहीं माना।कोर्ट ने अपने निष्कर्ष में कहा कि एफआईआर के अभाव में न केवल मनी लॉन्ड्रिंग की जांच बल्कि उससे जुड़ी अभियोजन शिकायत भी बनाए रखना योग्य नहीं है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी निजी व्यक्ति द्वारा दायर शिकायत के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है। अदालत ने साफ किया कि उसका यह आदेश आरोपों के गुण-दोष यानी मेरिट्स पर आधारित नहीं है। कोर्ट ने कहा कि वह इस चरण पर आरोपों की सच्चाई या झूठ पर कोई टिप्पणी नहीं कर रही है, बल्कि केवल कानूनी प्रक्रिया की वैधता पर फैसला दे रही है।

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर डॉक्टर के घर पर छापेमारी की, पुलिस ने दबोचा

धमतरी । धमतरी में एक डॉक्टर के घर में 100 से 200 करोड़ रुपए होने की सूचना मिलने पर कुछ शातिर बदमाशों ने फर्जी आयकर अधिकारी बनकर डॉक्टर के घर पर छापेमारी की। घंटों घर का कोना-कोना छाना, लेकिन उम्मीद के अनुसार डॉक्टर के घर से कुछ खास हाथ नहीं लगा। ऐसे में ये सभी निकल गए। लेकिन इनके निकलते समय डॉक्टर को कुछ शक हुआ, फिर उन्होंने पूछताछ की। उस समय तो शातिर बदमाशों ने डॉक्टर को बातों में उलछा दिया। लेकिन अब ये सभी शातिर हवालात की हवा खा रहे हैं। दरअसल छापेमारी के बाद शक के आधार पर डॉक्टर ने पुलिस से मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद जांच में जुटी पुलिस ने अलग-अलग राज्यों से छापेमारी कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन लोगों घर में घुसकर नकदी रकम, सोने-चांदी के जेवरात, जरूरी दस्तावेजों की जांच पड़ताल की थी। और कई घंटों घर के अंदर तलाशी करने के बाद आरोपी खाली हाथ लौट रहे थे। तभी डॉ। के घर पर मौजूद लोगों ने उनसे पूछताछ की। लेकिन संदिग्ध लोग अपनी बातों में घुमाकर तत्काल मौके से भाग खड़े हुए।

वहीं शक होने पर पीड़ित परिवारों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी थी। जिसके बाद घर के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज को खांगला गया था। फुटेज में दो गाड़ियां नजर आई थी। जो कि 8 पासिंग राजनंदगांव की गाड़ियां थी। पुलिस ने 12 आरोपियों को अलग-अलग जगहों दुर्ग, बालोद, धमतरी,दल्ली राजहरा, नागपुर महाराष्ट्र, रायपुर, से गिरफ्तार किया गया है।

अग्निवीर को सैनिक की तरह मरणोपरांत लाभ क्यों नहीं मिलते ?

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार से हुई फायरिंग में शहीद हुए सैनिक के परिजनों को पूरा फायदा न देने के खिलाफ दायर याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। दरअसल अग्निवीर की मां ने इस याचिका के जरिए मांग की है कि अग्निवीर भी देश का सैनिक है। उसका बलिदान भी उतना ही कीमती है, इसलिए आम सैनिकों की तरह अग्निवीर को भी मरणोपरांत फायदे दिए जाने चाहिए। इस याचिका पर मंगलवार दिनांक 16 दिसंबर को न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायाधीश अश्विन भोबे की बेंच के सामने सुनवाई हुई। फिर, केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई 15 जनवरी तक टाल दी।

क्या है याचिका?

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा पार सेना भेजकर ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। उस तनाव के दौरान पाकिस्तानी सेना सीमा इलाके में सीजफायर का उल्लंघन कर रही थी। 9 मई को हुए इस हमले में अग्निवीर मुरली नाइक ने पुंछ इलाके में देश की सेवा की थी। हालांकि, उनकी मौत के बाद भी मुरली की मां ज्योतिबाई नाइक ने रेगुलर सैनिकों की तरह फायदे न दिए जाने के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है। अग्निवीर रेगुलर सैनिकों की तरह अपनी ड्यूटी करते हैं, उन्हें भी अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है और रिस्क उठाना पड़ता है। लेकिन अग्निवीरों के परिवारों को अभी भी लॉन्ग-टर्म पेंशन और वेलफेयर बेनिफिट्स से दूर रखा गया है। इसलिए, याचिका में आरोप लगाया गया है कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और रेगुलर सैनिकों के बीच मनमाना भेदभाव कर रही है। बता दें कि मुंबई के घाटकोपर इलाके के कामराज नगर के रहने वाले मुरली श्रीराम नाइक ने जम्मू-कश्मीर बॉर्डर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश की सेवा की थी।

क्या है अग्निपथ योजना

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को पोस्ट-सर्विस पेंशन और रेगुलर सैनिकों को मिलने वाले दूसरे लॉन्ग-टर्म वेलफेयर अधिकारों के फायदों से बाहर रखा गया है। युद्ध में सेवा देने वाले अग्निवीरों के परिवार को 1 करोड़ रुपये की एक्स-ग्रेटिया ग्रांट मिलती है। लेकिन, उन्हें रेगुलर फैमिली पेंशन या कोई दूसरा बेनिफिट नहीं दिया जाता। इसलिए, याचिका में मांग की गई है कि अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन, इंस्टीट्यूशनल पहचान और वेलफेयर उपायों सहित मरणोपरांत समान फायदे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए।

खास खबर

बंगाल में एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

58.20 लाख वोटरों का नाम कटा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। राज्य में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इनमें 24 लाख 16 हजार 852 नाम मृत वोटरों के हैं। 19 लाख 88 हजार 76 वोटर ऐसे हैं जो स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं।

भारत का पहला स्वदेशी 64-बिट डुअल-कोर माइक्रोप्रॉसेसर ध्रुव-64 पेश

नई दिल्ली। भारत ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए अपना पहला स्वदेशी 64-बिट डुअल-कोर माइक्रोप्रॉसेसर ध्रुव64 पेश कर दिया है। सी-डेक द्वारा विकसित यह चिप न सिर्फ तकनीकी क्षमता का प्रमाण है, बल्कि विदेशी प्रॉसेसरों पर निर्भरता कम करने की दिशा में भारत की मजबूत मंशा भी दिखाती है। 1.0 त॥5 की गति और आधुनिक आर्किटेक्चर के साथ यह प्रॉसेसर देश के डिजिटल भविष्य को नयी दिशा देने वाला साबित हो सकता है। ध्रुव - 64 का विकास भारत के माइक्रोप्रॉसेसर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य घरेलू चिप डिजाइन को बढ़ावा देना है। यह प्रॉसेसर पूरी तरह भारतीय इंजीनियरों द्वारा तैयार किया गया है और इसे उन क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है जहां उच्च विश्वसनीयता और तेज प्रॉसेसिंग की जरूरत होती है। यह उपलब्धि भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करती है।

दिल्ली में 18 दिसंबर से वैध प्रदूषण सर्टिफिकेट दिखाए बिना गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी नहीं मिलेगा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली के लोगों से माफी मांगते हुए साफ कहा कि किसी भी सरकार के लिए सिर्फ नौ या दस महीनों में प्रदूषण को पूरी तरह खत्म करना नामुमकिन है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि वे दिल्ली की जनता से दिल से माफी मांगना चाहते हैं, लेकिन साथ ही यह भी सच्चाई है कि प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या को खत्म करने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से दिल्ली जिस प्रदूषण की बीमारी से जूझ रही है, वह अचानक ठीक नहीं हो सकती। इसके बावजूद उनकी सरकार लगातार हर दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) को सुधारने के लिए काम कर रही है।

कुछ ना कहना

विशेष टिप्पणी

महात्मा गांधी से भला किसे ऐतराज है!!

मनरेगा में बदलाव शिवराज सिंह चौहान के संसदीय राजनीति का समापन है। महात्मा गांधी के ऐसे अपमान का कभी किसी राजनेता या सरकार ने कभी दुस्साहस नहीं किया। राष्ट्रपिता किसी भी दलीय सीमाओं से ऊपर हैं ।

महात्मा गांधीजी कहते थे कि-'हम शहरवासियों का ख्याल है कि गांवों का निर्माण शहरों की जरूरतें पूरी करने के लिए हुआ है। हमने कभी यह सोचने की तकलीफ नहीं उठाई कि उन गरीबों को पेट भरने जितना अन्न और शरीर ढकने जितना कपड़ा मिलता है या नहीं और धूप और बारिश से बचने के लिए उनके सिर पर छप्पर है या नहीं।'

उनका मत था कि हमें अपनी रोजमर्रा की आवश्यकताएं गांवों की बनी चीजों से ही पूरी करनी चाहिए। अगर हम चीजों को बनाने वालों के काम में रूचि लें यह आग्रह रखें कि वे बेहतर चीजें तैयार करें तो यह हो ही नहीं सकता कि गांव की बनी चीजों में दिन ब दिन तरक्की न हो।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में गांधीजी जैसा बेहतरीन चिंतन-मनन और प्रयोग किसी और नायक ने कभी नहीं किया। उनका मत था कि हमें ग्रामीण सभ्यता विरासत में मिली है। देश की विशालता, उसकी विराट आबादी और भौगोलिक स्थिति तथा जलवायु के मद्देनजर यही उसके अनुकूल है।

पर आज भी कुछ लोगों की सोच केवल और केवल शहरों के आगे पीछे घूमती है।

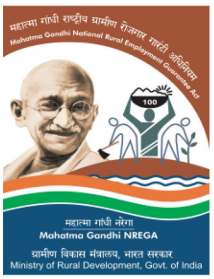

अब मनरेगा जैसी योजना का सत्यानाश गांव, गरीब और मजदूरों पर गहरी चोट होगी। क्योंकि पहले जो योजना बनी थी, उस पर व्यापक चर्चा हुई थी।

तब के भाजपा नेता कल्याण सिंह तब ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व में मनरेगा योजना पर व्यापक सुझाव दिए गए थे जिसे यूपीए सरकार ने स्वीकार किया था।

मनरेगा और बेहतर बने और केंद्र अधिक संसाधन दे, यह जरूरी है। कोरोना काल में इसी योजना ने गांव को शक्ति दी थी। इसकी प्राथमिकताएं पांच-पांच साल के बीच में तय की जा सकती है।

****

प्रकारान्तर में - लोकसभा में कल कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मनरेगा की जगह लेने वाला बिल 'विकसित भारत जी राम जी' पेश किया है जिसपर लोकसभा में जमकर हंगामा हो रहा है, इस बिल को विपक्ष के नेताओं ने महात्मा गांधी का अपमान बताया है. सरकार भले ही नाम बदल दे कम से कम स्वरुप तो ना बदले!!

-स्थानीय सम्पादक

8 बसें-3 कारें टकराईं, 13 जिंदा जले

मथुरा। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 8 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाडियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी। हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। एडीएम प्रशासन अमरेश जांच का नेतृत्व करेंगे। टक्कर के बाद राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि टक्कर के बाद ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। लोग बसों के शीशे तोडक़र बाहर कूद रहे थे। थोड़ी देर में बसें जलकर राख हो गईं। हमने बस से 8-9 लाशें निकालीं। आरोप है कि रेस्क्यू करीब एक घंटे बाद शुरू हुआ। घायलों को 11 एम्बुलेंस से मथुरा जिला अस्पताल और वृंदावन संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया। गंभीर घायलों को आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बसों से पुलिस ने खरोच-खरोच कर शवों को उठाया। वहीं, सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया।

ग्राम भारदा के ग्रामीणों के वनाधिकार पट्टा के संबंध में कार्यवाही के निर्देश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 16 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 61 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत धनसुआ के ग्राम ओदा की महिलायें शिकायत लेकर आयी थी कि गांव की कुछ महिलाओं द्वारा अवैध रूप से शराब का निर्माण कर शराब बेची जा रही है, जिसकी वजह से गांव के नाबालिक बच्चें भी शराब के सेवन के आदि होते जा रहे है। महिलाओं ने बताया कि इसे रोकने का प्रयास किया जाता है किंतु शराब की बिक्री करने वाले लोगो द्वारा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। इस प्रकरण में जिला आबकारी अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। दुर्गेश कुमार पालेवार शिकायत लेकर आए थे कि जिला चिकित्सालय बालाघाट में 23 अक्टूबर 2024 को उनकी पत्नी का प्रसव हुआ था। वह संबल योजना का हितग्राही है, लेकिन उसे अब तक प्रसूति सहायता योजना की राशि नही मिली है। अत: उसे शीघ्र यह राशि दिलायी जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में ग्राम गुनई पोस्ट हट्टा की रामेश्वरी पारधी शिकायत लेकर आयी थी कि 02 वर्ष पहले उसके पति की मृत्यु हो गई है, उसे शासन से पेंशन योजना की राशि मिल रही थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों से उसकी पेंशन की राशि नही आ रही है और लाडली बहना योजना की राशि भी नही मिल रही है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। लांजी तहसील के ग्राम बोरडी निवासी मेहरदास लिल्हारे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आया था। मेहरदास का कहना था कि उसके पूर्वजों द्वारा मिट्टी से बनाया मकान पूरी तरह गिर चुका है और उसे दूसरे के घर में रहना पड़ रहा है। पंचायत की आवास सूची में उसका नाम 107वें नंबर पर है। अत: उसे प्रधानमंत्री आवास योजना में शीघ्र आवास स्वीकृत किया जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी आवास को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम डोंगरगांव निवासी बुधराम गौतम पुत्र की मृत्यु के बाद बीमा राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आए थे। बुधराम गौतम का कहना था कि उसका पुत्र वितेश गौतम विद्युत विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्य करता था। 19 जून 2024 को ग्राम लिंगमारा में शासकीय कार्य के दौरान विद्युत करंट लगने से वितेश की मृत्यु हो गई है। लेकिन विद्युत विभाग द्वारा उसके पुत्र के बीमा की राशि अब तक नही दिलायी गई है। अत: उसे बीमा की राशि शीघ्र दिलायी जाए। बालाघाट तहसील के ग्राम हीरापुर के निवासी झुमोईलाल कबाडीलाल अपने घर का बिजली बिल ज्यादा आने की शिकायत लेकर आए थे। झुमोईलाल का कहना था कि वह हर दिन मजदूरी कर कमाने खाने वाला है। अक्टूबर माह में उसके घर की बिजली खपत 86 यूनिट है और जिसका बिल 100 रुपए आया था, लेकिन 09 नवम्बर 2025 को उसके घर पर नया मीटर लगाया गया है। 17 नवम्बर को उसका मीटर बिजली की खपत 160 यूनिट बता रहा है, जबकि उसके घर पर एलईडी बल्ब ही लगे है। वह इतने अधिक यूनिट का बिजली बिल देने में सक्षम नही है। अत: उसका बिजली बिल कम कराया जाए। इन प्रकरणों में मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम मोहगांवखुर्द का कृषक रंगलाल पारधी शिकायत लेकर आया था कि उसकी लगभग 02 एकड़ खेती है और इसमें विद्युत पंप लगाया गया है। उसके द्वारा रबी सीजन में धान की फसल लगायी जाती है, लेकिन विद्युत मंडल हट्टा के लाइनमेन रूद्रकांत पटले द्वारा बिना आदेश एवं कृषक के अनुमति के बगैर पंप के विद्युत कनेक्शन का सर्विस वायर काट दिया गया है, जिससे उसके खेत का धान का रोपा सूखने लगा है। अत: उसके पंप का विद्युत कनेक्शन तत्काल जोड़ा जाए। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। किरनापुर तहसील के ग्राम मौदा की 63 वर्षीय रेणुका भोयर निराश्रित पेंशन दिलाये जाने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि उसके पति की आयु 66 वर्ष हो गई है, परिवार में कोई संतान नही है और आय का कोई साधन भी नही है। ग्राम पंचायत द्वारा बीपीएल कार्ड नही होने के कारण उसे पेंशन नही दी जा रही है। इस प्रकरण में उपसंचालक सामाजिक न्याय को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम बेनेगांव की सलिता गुरबेले शिकायत लेकर आयी थी कि माह अप्रैल 2025 से उसे लाडली बहना योजना की राशि नही मिल रही है। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। ग्राम कावेली के किसान सेवा सहकारी समिति कावेली में धान खरीदी केंद्र प्रारंभ करने की मांग लेकर आए थे। किसानों का कहना था कि उन्हें बिठली या सोनगुड्डा के केंद्र में धान ले जाने कहा जा रहा है। जिनकी दूरी कावेली से 25 से 40 किमी तक है। कावेली समिति के 18 ग्रामों के किसानों को कावेली में केंद्र नही होने से परेशानी हो रही है। इस प्रकरण में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के महाप्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम सिवनीकला निवासी जियालाल धार्मिक शिकायत लेकर आए थे कि उनके ग्राम के ओमप्रकाश वनवे द्वारा बिना किसी डिग्री एवं डिप्लोमा के झोलाछाप डाक्टरी का व्यवसाय किया जा रहा है और उसके द्वारा दवाईयों का भंडारण किया जा रहा है। अत: ओमप्रकाश वनवे के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। बैहर तहसील के अंतर्गत ग्राम चारटोला की निवासी बालिका पार्वती उइके खुरमुंडी छात्रावास सहायक वार्डन का काम दिलाने की मांग लेकर आयी थी। पार्वती का कहना था कि उसने छात्रवृत्ति की राशि और दूसरे के घरों में मजदूरी का कार्य कर अपनी पढ़ाई की है। वर्तमान में वह खुरमुंडी बालिका छात्रावास में रेमेडियल शिक्षिका के रूप में बालिकाओं को पढ़ा रही है। उसके माता पिता दोनो बीमारी से जुझ रहे है और घर की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। अत: उसे खुरमुंडी छात्रावास में सहायक वार्डन के रिक्त पद पर कार्य करने के अनुमति दी जाए। वह इस पद के लिए उचित योग्यता भी रखती है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बैहर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम भारदा के ग्रामीण वर्ष 2005 के पूर्व से कब्जा होने के कारण वन अधिकार पट्टा दिलाने की मांग लेकर आए थे। वारासिवनी तहसील के ग्राम लडसड़ा की पार्वती लिल्हारे पति की वर्ष 2022 में मृत्यु हो जाने के बाद संबल योजना की अनुग्रह राशि अब तक नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत बिठली (उ) के सरपंच, सचिव हर्रानाला के नया टोला के पास महुआनाला पर स्लेप कल्वर्ट पुलिया निर्माण की मांग लेकर आए थे। इन प्रकरणों में संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही करने कहा गया है।

पट्टे की आस में जागपुर घाट आवास टोली के लोग

सुरक्षित घर के सपने को साकार करने की उठी आवाज, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जागपुर घाट आवास टोली में निवासरत कई परिवारों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने पहुंची महिलाओं ने बताया कि वे पिछले कुछ वर्षों से इसी स्थान पर अपने परिवारों के साथ छोटे-छोटे कच्चे मकानों में निवास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास रहने के लिए इस स्थान के अलावा कोई अन्य भूमि या पक्का मकान नहीं है। बावजूद इसके, भूमि का पट्टा नहीं होने के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किए गए उनके आवेदन हर बार निरस्त कर दिए जाते हैं। निवासियों का कहना है कि वे मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले गरीब परिवार हैं। बढ़ती महंगाई के दौर में शहर में जमीन खरीदकर और उस पर पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना बनकर रह गया है। वर्तमान में जिस स्थान पर वे रह रहे हैं, वहीं उनका एकमात्र सहारा है, क्योंकि इसके अतिरिक्त उनके पास न तो कोई जमीन है और न ही कोई पक्का आवास। आवास टोली के रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें उनके वर्तमान निवास स्थल पर ही भूमि का वैधानिक पट्टा प्रदान किया जाए। उनका कहना है कि पट्टा मिलने के बाद ही वे प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। इससे न केवल उन्हें पक्का और सुरक्षित मकान मिल सकेगा, बल्कि वर्षों से चली आ रही असुरक्षा और अनिश्चितता भी समाप्त हो सकेगी।

कई बार आवेदन और निवेदन किए हैं

आवास टोली में रहने वाली गायत्री और सुनीता ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से इसी क्षेत्र में निवास कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई बार पट्टे की मांग को लेकर संबंधित विभागों में आवेदन और निवेदन किए, लेकिन उनकी समस्या पर अब तक कोई ठोस ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि उनके आसपास रहने वाले कुछ लोगों को पट्टे दिए जा चुके हैं, जबकि वे भी उन्हीं के साथ लंबे समय से पट्टे की मांग कर रही हैं, फिर भी उन्हें आज तक इसका लाभ नहीं मिला। कच्चे मकान में रहना उनके लिए हर मौसम में परेशानी का कारण बनता है। बरसात में छत टपकती है और सर्दी-गर्मी में हालात और भी कठिन हो जाते हैं। निवासियों का कहना है कि यदि शासन द्वारा उन्हें पट्टा जारी कर दिया जाए तो वे सरकारी योजनाओं के अंतर्गत पक्का मकान बनवाकर सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी सकेंगे। इससे उनके बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित होगा और उन्हें हर समय उजड़ने का डर नहीं सताएगा।

पात्र परिवारों को शीघ्र पट्टा मिल सके - योगेश बिसेन

इस पूरे मामले पर वार्ड क्रमांक 33 के पार्षद एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन ने बताया कि आवास टोली के रहवासियों की समस्या को लेकर उन्होंने अपने स्तर पर आवश्यक आवेदन तहसील कार्यालय के माध्यम से कलेक्टर कार्यालय को प्रेषित किए हैं। अब आगे की प्रक्रिया और निर्णय संबंधित विभाग द्वारा किया जाना है। उन्होंने कहा कि वे लगातार प्रशासन से संपर्क में हैं और प्रयास कर रहे हैं कि पात्र परिवारों को शीघ्र पट्टा मिल सके।

प्राण घातक हमला करने के आरोप में चार आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज, सभी आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी पुलिस ने थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम आरंभा में सुरेंद्र ठाकरे को कुल्हाड़ी से मारकर प्राण घातक चोट पहुंचाने के आरोप में रोहित ठाकरे उसके भाई कृष्णा ठाकरे प्रांशु ठाकरे और आशु नंदनवार के सभी ग्राम आरंभा निवासी विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। 13 दिसंबर की शाम 5ः30 बजे करीब इन आरोपियों ने इस वारदात को उस समय अंजाम दिया था जब सुरेंद्र ठाकरे अपने गांव में ही अधियादार के घर से हिसाब करके अपने घर लौट रहा था। अपराध दर्ज होने के बाद चारों आरोपी फरार बताए गए हैं। ज्ञात हो की ग्राम आरंभा निवासी सुरेंद्र ठाकरे की रोहित ठाकरे के परिवार के साथ पूर्व से रंजिश चली आ रही थी और रोहित ठाकरे सुरेंद्र ठाकरे को मारने के लिए मौका देख रहा था। 13 दिसंबर की शाम 5ः00 बजे करीब सुरेंद्र ठाकरे गांव में ही अपने अधियादार बाबा बघेल के घर धान में छिड़काव करने की दवा का हिसाब करने गया था। हिसाब करके लौट रहा था मोटरसाइकिल से कन्हैया दमाहे के घर के सामने रुका सुरेंद्र ठाकरे मोटरसाइकिल पर ही बैठा था। तभी मौका देख कर रोहित ठाकरे आशु नंदनवार मोटरसाइकिल से आए और रोहित ठाकरे ने सुरेंद्र ठाकरे पर कुल्हाड़ी से दनादन वार कर दिया। कुल्हाड़ी का वार सुरेंद्र ठाकरे घायल हो गया था। रोहित ठाकरे को आशु नंदनवार कृष्ण ठाकरे और प्रांशु ठाकरे तीनों सहयोग कर रहे थे। सुरेंद्र ठाकरे के चिल्लाने पर झनक दमाहे बाबा बघेले दौड़े और बीच बचाव किये। गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र ठाकरे को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया था। जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। किंतु सुरेंद्र ठाकरे को उसके परिजनों ने नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किये है। जिला अस्पताल पुलिस ने सुरेंद्र ठाकरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु खैरलांजी पुलिस थाना भिजवा दी थी। सूचना पर खैरलांजी पुलिस ने बालाघाट के निजी अस्पताल पहुंचकर सुरेंद्र ठाकरे का बयान लेकर इस मामले में रोहित ठाकरे उसके भाई कृष्णा ठाकरे प्रांशु ठाकरे और आशु नंदनवार के विरुद्ध सुरेंद्र ठाकरे को मारपीट कर प्राण घातक चोट पहुंचाने के आरोप में धारा 115(2) 118(1) 3(5)भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। अपराध दर्ज होने के बाद चारों आरोपी फरार बताए गए हैं। खेलांजी पुलिस द्वारा इन आरोपियों की तलाश कर रही।

पत्रकार प्रकाश दुबे को पितृशोक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के पत्रकार प्रकाश दुबे के पिता 78 वर्षीय धानेश्वर प्रसाद दुबे का सोमवार की शाम 6.30 बजे निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार, जागपुर घाट स्थित मोक्षधाम में किया गया। जहां

उन्हें पुत्रों ने मुखाग्नि दी। वे अपने पीछे बड़े पुत्र दिलीप दुबे, मंझले पुत्र नंदकिशोर दुबे और छोटे पुत्र प्रकाश दुबे सहित बेटी रेखा तिवारी का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। बताया जाता है कि विगत कुछ समय से वे अस्वस्थ्य चल रहे थे। विगत 6 माह पूर्व ही प्रकाश दुबे की माताजी का भी निधन हो गया था। 6 माह में दुबे परिवार के सिर से माता-पिता का साया उठ गया। पत्रकार और स्नेहीजनों ने घर पहुंचकर पुष्पात्मा के दर्शन कर उन्हें नमन किया और अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की।

आवश्यकता है
दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
पद-03 पद
मिलने का समय प्रातः-10.30 से रात्रि 8.30 बजे तक
संपर्क करें-गीता प्लाई एण्ड हार्डवेयर सिंधु भवन के बाजु में गोदिया रोड, बालाघाट
मो.-9425139039

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर , जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र.___/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन सिंगोड़ी प.ह.न. 09
रा.नि.म. रजेगांव तहसील किरनापुर

इश्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीताप्रसाद पिता चम्हारुलाल जाति मरार निवासी ग्राम सिंगोड़ी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने दादा लोटन पिता आडक्या की मृत्यु दिनाक 15/04/1995 को हुई किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय सिंगोड़ी मे जानकारी के अभाव मे दर्ज नहीं कराये जाने के कारण जन्म/मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र किया गया है । अत: उक्त के संबंध मे हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनाक 19/12/2025 को या तो स्वयं किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करे। नियत दिनाक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

तहसीलदार
तहसील किरनापुर
किरनापुर दिनाक 04/12/2025

न्यायालय तहसीलदार तहसील किरनापुर , जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र.___/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन सिंगोड़ी प.ह.न. 09
रा.नि.म. रजेगांव तहसील किरनापुर

इश्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीताप्रसाद पिता चम्हारुलाल जाति मरार निवासी ग्राम सिंगोड़ी तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने पिता चम्हारुलाल पिता लोटन की मृत्यु दिनाक 26/01/2001 को हुई किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय सिंगोड़ी मे जानकारी के अभाव मे दर्ज नहीं कराये जाने के कारण जन्म/मृत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र किया गया है । अत: उक्त के संबंध मे हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनाक 19/12/2025 को या तो स्वयं किसी अभिभाषक अथवा प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करे। नियत दिनाक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

तहसीलदार
तहसील किरनापुर
किरनापुर दिनांक 04/12/2025

In The Court Of Shubham Jain,VIII Civil Judge Junior Division, District Court Balaghat
Presiding Officer: शुभम जैन
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000142/2025)

दुर्गाप्रसाद नगपुरे.....वादी
Vs
आम जनता.....प्रतिवादी

Process Id-/2025
पेशी तारीख- 08/01/2026

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता

यह कि प्रार्थी दुर्गाप्रसाद नगपुरे ने आपके विरूद्ध दावा वास्ते पाने घोषणार्थ के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपर्सजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपर्सजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 13 December 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
अष्टम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड
बालाजाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 17 दिसंबर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

अपना शहर

महेश आमाडारे ने नागपुर डिविजन में किया धमाकेदार प्रदर्शन, बिलासपुर जोन में चयनित

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। समनापुर क्षेत्र के रेलवे कर्मचारी महेश आमाडारे, जिन्हें स्थानीय रूप से मिल्खा सिंह के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने अपनी तेज़ी और प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। महेश आमाडारे को नागपुर डिविजन में 16 दिसंबर को

आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला, जहां उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 20 दिसंबर को बिलासपुर जोन में आयोजित होने वाली दौड़ प्रतियोगिता में अपना नाम दर्ज कराया। महेश की इस उपलब्धि की खबर मिलते ही समनापुर में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्राम पंचायत समनापुर की सरपंच श्रीमती पूनम गणेश लिल्हारे, साथ ही संतोष लिल्हारे, कमलेश बर्वे, धनराज दशहरे, शंकर आमाडारे, विनोद चौरे, रेलवे विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और क्षेत्रीय ग्रामीणों ने महेश को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समनापुर रेलवे विभाग के अधिकारियों ने भी महेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण ने पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। महेश आमाडारे की इस उपलब्धि ने , न केवल रेलवे विभाग में बल्कि समनापुर और आसपास के क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत का काम किया है।

खेत रास्ते के विवाद से परेशान किसान ने मांगी इच्छा मृत्यु

हताश किसान ने कहा -न्याय नही मिला तो सपरिवार करेंगे आत्महत्या

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रशासनिक कार्यालय के चक्कर काटते काटते परेशान हो चुके एक किसान और उसके परिवार ने, मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौंपते हुए उन्हें इच्छा मृत्यु दिए जाने की मांग की है। मामला खैरलांजी तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम भंडबोड़ी नंगोटोला का जहां के निवासी रमेश नगपुरे एवं देवेन्द्र नगपुरे ने जिला जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपते हुए खेत में आने-जाने के रास्ते को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीडित किसानों का कहना है कि रास्ते के विवाद, धमकियों और प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई न होने से उनकी धान की फसल लगभग 80 प्रतिशत तक बर्बाद हो चुकी है, जिससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से अत्यंत परेशान हैं। कई बार आवेदन निवेदन करने और शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने के बाद भी उन्हें न्याय नही मिल रहा है जिससे वे परेशान हो चुके हैं। जिसके चलते ही उन्होंने आज ज्ञापन सौपते हुए इच्छा मृत्यु दिए जाने की मांग की है।

खेत जाने के लिए दिया जाए रास्ता

किसानो ने बताया कि उनके खेत में आने-जाने का रास्ता वर्षों से चला आ रहा है, जिसे सामने वाले किसान द्वारा रोका गया था। यह मामला तहसीलदार के समक्ष विचाराधीन है। जांच के दौरान पटवारी एवं तहसीलदार द्वारा मौके पर निरीक्षण कर प्रतिवेदन व पंचनामा के माध्यम से किसानों को खेत तक जाने का रास्ता दिए जाने की बात कही गई थी। इसके बाद किसानों ने खेत में धान की फसल लगाई पीड़ितों का आरोप है कि जब वे फसल कटाई के लिए हार्वेस्टर लेकर पहुंचे तो रास्ते में सामने किसान द्वारा हार्वेस्टर चालक को धमकाकर भगा दिया गया और उन्हें गंभीर धमकियां दी गईं। इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराने वे पुलिस थाना खैरलांजी पहुंचे, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। इसके बाद तहसील कार्यालय में आवेदन देने का प्रयास किया गया, जहां से भी उन्हें निराशा हाथ लगी।

आवेदन निवेदन पर भी नही हो रही सुनवाई

किसानों ने बताया कि तहसीलदार द्वारा रास्ता दिए जाने के बावजूद उन्हें खेत में प्रवेश से रोका जा रहा है और प्रकरण का निर्णय भी निर्धारित तिथि के बाद तक लंबित है। इसी कारण फसल खेत में ही खराब हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने एसडीएम वारासिवनी, पुलिस अधीक्षक बालाघाट एवं कलेक्टर कार्यालय में भी पूर्व में आवेदन दिए थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिससे वे काफी परेशान हो चुके हैं और न्याय की गुहार लगाने पुनः कलेक्ट्रेट कार्यालय आए हैं।

या तो न्याय दे, या सामूहिक आत्महत्या की अनुमति- ऋषि

पीड़ित रमेश नगपुरे के पुत्र ऋषि नगपुरे ने बताया कि लगातार प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। न्याय मांगने पर भी न्याय नहीं मिल रहा है शासन की ओर से हम प्रताड़ित हो चुके हैं इसीलिए हमने इच्छा मृत्यु की मांग की है। या तो हमें उचित न्याय दिलाए या फिर सामूहिक आत्महत्या की अनुमति दें।

पुल निर्माणकर्ता ठेकेदार को हटाने का प्रस्ताव चीफ इंजीनियर को भेजा

जागपुर घाट वैनगंगा पर निर्माणाधीन पुल का हो सकता है री-टेंडर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से जागपुर घाट को जोड़ने के लिए वैनगंगा नदी पर एक उच्च स्तरीय लंबे पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा हैं , लेकिन निर्माण कार्य की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप न होने के चलते विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। विभागीय अधिकारियों द्वारा समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि ठेकेदार द्वारा कराए जा रहे कार्य की गति बेहद धीमी है और तय समय-सीमा में काम पूरा होने की संभावना नहीं है। निर्माण कार्य में लगातार ही रही देरी को लेकर उठे सवालों के बाद विभाग ने संबंधित निर्माण कंपनी को कार्य से हटाने प्रस्ताव बना लिया है। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विभाग के चीफ इंजीनियर को भेज दी गई है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए चीफ इंजीनियर स्तर पर जल्द ही निर्णय लिया जा सकता है।

शहर में इन दिनों यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से अलग-अलग प्रमुख मार्गों पर तीन से चार ओवरब्रिजों का निर्माण कार्य एक साथ किया जा रहा है। इनमें सरेखा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्मित ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिसे हाल ही में आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है। दूसरी ओर गर्रा रेलवे क्रॉसिंग, भटेरा रेलवे क्रॉसिंग और जागपुर मोक्षधाम घाट पर ब्रिज निर्माण का कार्य भी होना है। लेकिन इन निर्माण कार्य में विशेष रूप से भटेरा रेलवे ओवरब्रिज और जागपुर घाट पर वैनगंगा नदी के ऊपर बन रहा उच्च स्तरीय पुल अपनी तय समय-सीमा से काफी पीछे चलता नजर आ रहा है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली और ठेकेदार की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित किए जा रहे वैनगंगा नदी के इस उच्च स्तरीय पुल की कुल लंबाई लगभग 400 मीटर है। इस महत्वपूर्ण पुल का निर्माण कार्य नई दिल्ली स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सौंपा गया था। विभाग द्वारा इसकी कार्यारंभ तिथि 29 जून 2023 और पूर्णता तिथि 28 जून 2026 निर्धारित की गई थी। निर्धारित समय-सीमा के अनुसार अब इसका निर्माण कार्य पूरा होने में मात्र करीब 6 महीने का समय शेष है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। जागपुर घाट स्थित इस पुल पर अभी तक केवल पिलर खड़े किए जा सके हैं, जबकि ब्रिज का आधे से भी अधिक निर्माण कार्य बाकी है। ऐसे में सीमित समय में पूरे पुल का निर्माण पूरा होना लगभग असंभव प्रतीत हो रहा हैं । इस गंभीर विषय को लेकर पदेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस द्वारा बीते दिनों प्रमुखता से खबर प्रकाशित और प्रसारित की गई थी। मीडिया में मामला सामने आने के बाद प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने इस पर गंभीरता दिखाई। विभागीय समीक्षा में निर्माण कार्य की धीमी गति को देखते हुए निर्माण करवा रही कंपनी और संबंधित ठेकेदार को हटाने की कार्रवाई के लिए प्रकरण तैयार किया गया है। यह पूरा मामला विभाग के चीफ इंजीनियर के पास भेज दिया गया है। माना जा रहा है कि चीफ इंजीनियर अपने स्तर से जल्द ही इस पर निर्णय लेते हुए संबंधित एजेंसी को हटाया जाएगा और पुल निर्माण कार्य के लिए पुनः टेंडर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ठेकेदार को हटाने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है - अर्जुनसिंह

सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुनसिंह सनोडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित ठेकेदार द्वारा पुल निर्माण कार्य की गति अत्यंत धीमी थी। समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट हो गया था कि मौजूदा रफ्तार को देखते हुए ठेकेदार निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुल निर्माण कार्य पूरा करने में सक्षम नहीं होगा। इसी कारण विभागीय अधिकारियों द्वारा पूरे मामले पर गंभीरता से विचार करते हुए ठेकेदार को हटाने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इस संबंध में आवश्यक प्रकरण तैयार कर विभाग के चीफ इंजीनियर को भेज दिया गया है। अब अंतिम निर्णय चीफ इंजीनियर स्तर पर लिया जाएगा। वर्तमान स्थिति की बात करें तो ठेकेदार द्वारा अब तक लगभग 50 प्रतिशत कार्य ही किया जा सका है। जबकि इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण की समय-सीमा जून 2026 तक निर्धारित की गई थी। अब जबकि समय-सीमा समाप्त होने में महज करीब 6 महीने शेष हैं और आधे से अधिक कार्य अभी बाकी है, ऐसे में इतने कम समय में पुल का निर्माण पूरा हो पाना लगभग असंभव माना जा रहा है।

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ आज मनाएगा राष्ट्रीय पेंशनर दिवस

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। संयुक्त विभाग पेंशनर संघ, कल 17 दिसंबर बुधवार को राष्ट्रीय पेंशनर दिवस मनाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष बी.एल. चौधरी ने बताया कि भटेरा रोड़ स्थित एक होटल में दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय पेंशनर दिवस का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार के मुख्य आतिथ्य, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हीना कावरे, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, नपाध्यक्ष भारती ठाकुर और पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी के विशिष्ट आतिथ्य तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य एच.सी. महोबे की अध्यक्षता में किया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 80 वर्ष पूर्ण कर चुके पेंशनरों साथियों का शॉल और श्रीफल से सम्मान भी किया जाएगा।राष्ट्रीय पेंशनर दिवस के आयोजन में जिले के सभी पेंशनर साथियों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील संयुक्त विभाग पेंशनर संघ जिलाध्यक्ष बी.एल. चौधरी, प्रांतीय उपाध्यक्ष थानसिंह भगत, प्रांतीय सचिव डी.के. पटले, संभागीय अध्यक्ष बी.एल. राणा, महामंत्री नारायण शक्करपुड़े, नारायण सोलंकी, कोषाध्यक्ष एस.एल. कावड़े, प्रवक्ता सतीश दुबे, संगठन सचिव एस.डी. पटले, एच.आर. बिसेन, आर.एस. बघेले, श्यामलाल पंचेश्वर, मनीराम पटले, पी.डी. रायगड़े, एस.आर. पांचे ने की है।

पंवार समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नपा.अध्यक्ष से भेंट कर सौंपा ज्ञापन

राजा भोज प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण की मांग

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगरपालिका परिषद कार्यालय पहुंचकर जिला पंवार क्षत्रिय संगठन के

पदाधिकारियों एवं नगरपालिका क्षेत्र के सामाजिक जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमंडल ने नगरपालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर से भेंट कर मोती तालाब, बालाघाट स्थित राजा भोज प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में राजा भोज प्रतिमा स्थल के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण को लेकर विभिन्न मांगें सूत्रवार रखी गईं। इनमें राजा भोज प्रतिमा के ऊपर छत स्थापित करना, प्रतिमा से सटी स्थायी मेटल सीढ़ी का निर्माण, परिसर के आसपास लगी ग्रिल एवं दीवारों की पेंटिंग, प्रतिमा के बाजू में ग्लो साइन बोर्ड की स्थापना, परिसर में पौधारोपण, भूमि समतलीकरण, परिसर के किनारे बनी बैठक सीढ़ियों के जीर्णोद्धार की मांग शामिल है। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि मैदान के मध्य में लगे झूलों को एक किनारे स्थानांतरित किया जाए, जिससे पूरे परिसर का उपयोग सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए किया जा सके। साथ ही प्रतिमा स्थल के समक्ष बनी बाउंड्रीवाल की साफ-सफाई कर सफेद पेंटिंग, वॉल पेंटिंग एवं फ्लैग होस्टिंग स्टैंड के निर्माण की आवश्यकता भी ज्ञापन में दर्शाई गई। इस अवसर पर पंवार समाज के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुना तथा ज्ञापन में रखी गई मांगों पर चर्चा कर सुझाव भी दिए। उन्होंने शीघ्र ही सामाजिक जनों के साथ प्रतिमा स्थल का निरीक्षण कर कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह बैठक एवं चर्चा अत्यंत सकारात्मक रही। प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, नगरपालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, नगरपालिका सभापति श्रीमती योगिता विनय बोपचे, प्रबंध कार्यकारिणी पदेन उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री बिसेन, पदेन उपाध्यक्ष श्रीमती गरिमा गौतम, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र एल. कटरे, राजा भोज फाउंडेशन जिला संयोजक गुनेंद्र पटले, जिला उपाध्यक्ष लोकेश रहांगडाले, नगर अध्यक्ष अरविंद कटरे, राजा भोज फाउंडेशन सदस्य विमल गौतम, युवा प्रकोष्ठ सचिव सुशील रहांगडाले, भूपेंद्र पारधी सहित अन्य सामाजिक जन उपस्थित रहे।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग मार्ग बंद करने की तैयारी

वैकल्पिक मार्ग की संकरी चौड़ाई पर उठे सवाल, चौड़ाई बढ़ाने की मांग

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर को एक आवेदन सौंपकर भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज निर्माण के चलते शीघ्र ही भटेरा रेलवे क्रॉसिंग मार्ग को बंद किया जाना प्रस्तावित है, जिसके बाद बोदापाणन होते हुए वैकल्पिक मार्ग को आवागमन के लिए प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन वर्तमान में जिस तरह से इस मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है, वह अत्यंत संकरा है। पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि मौजूदा चौड़ाई में दो चारपहिया वाहन एक साथ क्रॉस नहीं कर पाएंगे, जिससे भविष्य में यातायात बाधित होने की संभावना है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि समय रहते वैकल्पिक मार्ग की चौड़ाई बढ़ाई जाए और आवागमन की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आने वाले समय में आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज का कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। हालांकि ब्रिज निर्माण से जुड़ी कई प्रक्रियाएं अभी भी लंबित हैं। निर्माण एजेंसी द्वारा अब तक कुछ पिलरों का निर्माण किया जा चुका है, जबकि अभी कई महत्वपूर्ण कार्य शेष हैं। लगातार आवागमन बने रहने के कारण निर्माण कार्य में कठिनाइयां आ रही हैं, जिसे देखते हुए संबंधित विभाग ने भटेरा रेलवे क्रॉसिंग मार्ग को जल्द बंद करने की बात कही जा रही है। मार्ग बंद किए जाने से पहले विभागीय अधिकारी वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। इसके तहत बोदापाणन होते हुए वार्ड क्रमांक 3 से बैहर रोड तक वैकल्पिक मार्ग का चयन किया गया है। इस वैकल्पिक मार्ग का बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा निरीक्षण भी किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि जिस प्रकार से विभाग द्वारा वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जा रही है, वह मार्ग अत्यंत संकरा है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से दोपहिया वाहन तो निकल सकते हैं, लेकिन दो चारपहिया वाहन एक साथ क्रॉस नहीं कर पाएंगे। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण निरीक्षण के समय देखने को मिला, जब एसडीएम के मार्ग पर खड़े होने से लंबा जाम लग गया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराने को लेकर पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने 16 दिसंबर को संबंधित विभाग एवं जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने मांग की है कि वैकल्पिक मार्ग की चौड़ाई और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि मार्ग बंद होने के बाद आम नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इस मुद्दों को लेकर जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत कर समय रहते उचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

खेत में लकड़ी रखने मना करने पर उभारी से जमकर की पिटाई

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम डोंगरिया में महज खेत में लकड़ी रखने मना करने के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की उभारी से जमकर पिटाई कर दी गई।15 दिसंबर को 11:00 करीब यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई खैरलांजी पुलिस ने तिजूलाल पिता गेंदलाल लिल्हारे 58 वर्ष ग्राम डोंगरिया निवासी के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उन्हीं के गांव के आत्माराम पिता युवराज लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरिया निवासी तिजूलाल लिल्हारे और आत्माराम लिल्हारे दोनो खेती किसानी करते हैं। तिजूलाल लिल्हारे ने कुछ माह पहले वन समिति अध्यक्ष का चुनाव लड़े थे। किंतु वह इस चुनाव में हार गया था। और वन समिति अध्यक्ष का चुनाव राम सिंह लिल्हारे जीत गया था। जिसके कारण तिजू लिल्हारे गांव के ही कुछ लोगों से मनमुटाव रखने लगा था। पूर्व में तिजूलाल लिल्हारे और आत्माराम लिल्हारे के संबंध अच्छे थे। किंतु वन समिति अध्यक्ष का चुनाव हारने के बाद तिजूलाल लिल्हारे अपने गांव के आत्माराम लिल्हारे के साथ भी मनमुटाव रहा हुआ था। जिसने आत्माराम लिल्हारे के घर के पास ही रोड किनारे की जमीन हाल ही में खरीदा है। इस जमीन पर पूर्व से आत्माराम लिल्हारे फसल कटने के बाद लकडी रखता था। 15 दिसंबर को 11:30 बजे करीब जब तिजूलाल। लिल्हारे अपनी भैंस चराने के लिए, भैंस लेकर जा रहा था तभी मानकर भुजाड़े के घर के पास जमीन में आत्माराम लिल्हारे बैलगाड़ी से लकड़ी खाली कर रहा था। तिजूलाल लिल्हारे ने आत्माराम लिल्हारे को जमीन में बैलगाड़ी से लकड़ी खाली करने मना किया था। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और आत्माराम लिल्हारे ने तिजूलाल लिल्हारे को अश्लील गालियां देते हुए पास में रखी बैलगाड़ी की उभारी निकाल कर उसने तिजूलाल लिल्हारे की जमकर पिटाई कर दी और और दुबारा जमीन में बैलगाड़ी से लकड़ी खाली करने मना करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस दौरान तिजूलाल लिल्हारे ने भी आत्माराम लिल्हारे के साथ मारपीट की और उसे भी जान से मार डालने की धमकी दे दी। दोनों पक्ष के बीच हुई मारपीट के बाद तिजूलाल लिल्हारे रिपोर्ट करने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा। खैरलांजी पुलिस ने तिजूलाल लिल्हारे 58 वर्ष का इलाज मुलाहिजा करवाने के बाद उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर आत्माराम लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

आस-पास की खबरे

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शासकीय महाविद्यालय में नियमित रूप से नही लग रही कक्षाएं - प्रसन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में बताया कि नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में इन दिनों शैक्षणिक व्यवस्था पूरी तरह से लचर हो चुकी है, नियमित कक्षाओं का संचालन नही होने के विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो सकता है। श्री अवधिया ने बताया कि महाविद्यालय में नियमित शैक्षणिक कार्य नहीं होने के कारण विद्यार्थी दिन भर कॉलेज परिसर और आसपास घूमते दिखाई देते हैं। साथ ही महाविद्यालय में पदस्थ अधिकांश प्राध्यापक समय पर कालेज नही आते है, न ही मुख्यालय (लालबर्रा) में निवास करते हैं अन्य स्थानों से आना-जाना करते हैं, जिससे उनकी उपलब्धता महाविद्यालय में सीमित रहती है। प्राध्यापकों की इस कार्यप्रणाली से न केवल अनुशासन भंग हो रहा है, बल्कि छात्र-छात्राओं का परीक्षा परिणाम भी प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। श्री अवधिया ने बताया कि एक समय था जब इस महाविद्यालय के विद्यार्थी जिले की प्रावीण्य सूची (मेरिट) में स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन करते थे, लेकिन आज पढ़ाई का स्तर निरंतर गिरते जा रहा है। इसलिए महाविद्यालय के प्राचार्य एवं एसडीएम वारासिवनी से मांग है कि वे तत्काल शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा का औचक निरीक्षण कर शिक्षण कार्य को दुरूस्त करने के लिए कड़े कदम उठाये ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

वारासिवनी एसडीएम ने किया सिवनघाट में वैनगंगा नदी का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर गत दिनों खैरलांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम सिवनघाट में वैनगंगा नदी से रेत के अवैध खनन के लिए महाराष्ट्र के ठेकेदारो द्वारा बनाये गए लगभग 01 किलोमीटर लंबाई के मार्ग एवं

पुलियों को जेसीबी मशीन से ध्वस्त कर दिया गया है। यह कार्यवाही राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई है। वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ने 16 दिसम्बर को सिवनघाट में मौका स्थल पर जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के पटवारी, ग्राम कोटवार, पंचायत सचिव को निर्देश दिये कि इस स्थान पर पुन: रेत का अवैध खनन न होने दे और किसी व्यक्ति द्वारा खनन किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल खैरलांजी तहसीलदार, थाना प्रभारी को दे।

लालबर्रा-बम्हनी मार्ग के पुल के घटिया निर्माण की कलई खुली

पुल में गड्ढा बनने, लोहा निकलने, रेलिंग क्षतिग्रस्त होने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

सुगम यातायात के लिए शासन के द्वारा लाखों-करोड़ों रूपयों की लागत से सड़कों और पुलों का निर्माण करवाया जा रहा है, लेकिन विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों की मनमानी के कारण ये निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला लालबर्रा से बम्हनी-समनापुर पहुंच मार्ग के बीच स्थित बम्हनी नाले के ऊपर लाखों रूपयों की लागत से बना पुल का सामने आया है। सड़क निर्माण के बाद अमोली के आगे बम्हनी के समीप से गुजरे नाले के ऊपर विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से पुल का निर्माण किया गया है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सीमेंट उखड़ने लगी है एवं कुछ स्थानों से लोहा दिखने भी लगा है। साथ ही पुल के बाद सड़क के दोनों साईड सुरक्षा की दृष्टि से लगाये गये रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हो चुकी एवं सीमेन्ट उखड़ने के साथ ही गड्ढे भी बनने लगे है। जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं निर्माण के कुछ साल बाद ही पुल क्षतिग्रस्त होने लगा है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खुलकर सामने आ गई है। इस तरह से लालबर्रा से बम्हनी-समनापुर मार्ग के बीच में नाले के ऊपर बना पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से पुल का मरम्मत कार्य एवं क्षतिग्रस्त रेलिंग को बदलकर नया रेलिंग लगाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन

आपको बता दें कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से व्हीआरएस कंपनी के द्वारा विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। वही सड़क निर्माण के बाद अमोली से बम्हनी के बीच से गुजरे नाले के ऊपर उंच स्तरीय पुल का भी निर्माण किया है। लेकिन यह निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही क्षतिग्रस्त होने लगा है, जगह-जगह से सीमेन्ट उखड़ने लगी है, लोहे दिखने लगे है। वहीं मार्ग के किनारे राहगीरों की सुरक्षा के लिए लगाई गई रेलिंग भी कई जगहों से टूट चुकी है। क्षतिग्रस्त रेलिंग के कारण रात के समय आवागमन करने वाले दुपहिया, चौपहिया वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन गया है क्योंकि पुल जिस स्थान पर बना है उस स्थान पर मोड़ाई में है जो दुर से दिखाई नही आता है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से लगाई गई रेलिंग भी क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर चुकी है। ऐसी स्थिति में अगर दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक तेज गति से गुजरते है और उन्हे आगे मोड़ाई है पता नही है तो वे दुर्घटना का शिकार हो सकते है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस मार्ग एवं पुल के ऊपर से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है एवं ओवर लोड वाहनों का भी आवागमन होता है एवं पूर्व में पुल के समीप दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। वहीं पुल की दुर्दशा के संबंध में संबंधित विभाग को अवगत भी करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

गुणवत्ता को ताक पर रखकर हुआ निर्माण

वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों का कहना है कि पुल का निर्माण कुछ साल पूर्व ही हुआ है। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने एवं यातायात के दबाव में पुल का ऊपरी हिस्सा उखड़ने लगा है। स्लैब के भीतर लगा लोहा (सरिया) अब साफ दिखाई देने लगा है। जिससे ऐसा लग रहा है कि निर्माण के समय सीमेंट, रेत और कांक्रीट के मिश्रण में भारी अनिमितता बरती गई है, जिसके कारण पुल समय से पहले ही खराब होने लगा है। साथ ही मार्ग के किनारे राहगीरों की सुरक्षा के लिए लगाई गई रेलिंग भी कई जगहों से टूट चुकी है। जिससे दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी हुई है। इस तरह से निर्माण कंपनी के द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग कर निर्माण किया गया है जिसके कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही पुल खराब होने लगा है। इसलिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग है कि इस निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषी ठेकेदार पर कार्यवाही करें एवं पुल का मरम्मत कार्य करवाये।

पुल निर्माण में बरती गई है अनियमितता - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि लालबर्रा से बम्हनी-समनापुर तक सीसी सड़क का निर्माण किया गया है और इस मार्ग के बीच स्थित नाले के ऊपर पुल का निर्माण गुणवत्ताहीन किया गया है। जिसके कारण पुल के ऊपर बनी सड़क जगह-जगह से उखड़ गई है, गड्ढे बन गये है एवं पुल के बीचों-बीच लोहे की रॉड बाहर निकल आई हैं, जिससे राहगीरों और दुपहिया एवं चौपहिया वाहनों के टायर फटने या गिरकर घायल होने का खतरा बना हुआ है। साथ ही टीन की रेलिंग भी टूट चुकी है ऐसी स्थिति में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री ढबाले ने बताया कि इस समस्या को लेकर सड़क विभाग को ज्ञापन सौंपकर अवगत करवा दिया गया है, लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिला प्रशासन से मांग है कि निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें एवं जल्द मरम्मत कार्य करवाये।

बुट्टा ह. में दो दिवसीय मेला 24 से

विशाल ईनामी दंगल प्रतियोगिता एवं ढंढार कार्यक्रम का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 15 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुट्टा ह. के नेहरू चौक में मेला उत्सव समिति के तत्वाधान में आगामी 24 दिसंबर से दो दिवसीय मेला का आयोजन किया गया है। चर्चा में समिति अध्यक्ष बालाराम बिरनवार ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 24 दिसंबर से दो दिवसीय मेला एवं ईनामी कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया है। जिसमें जिला केसरी में 60 किग्रा. वजन से ऊपर के विजेता खिलाड़ी को 11000 रूपये, उपविजेता 4000 रूपये, जिला शेरे 50 से 59 किग्रा. वजन तक के विजेता को 7000 रूपये, उपविजेता को 3000 रूपये, जिला श्री 45 से 49 किग्रा. वजन विजेता को 5000 रूपये, उपविजेता को 2000 रूपये, जिला कुमार 40 से 44 किग्रा. वजन विजेता को 3000 रूपये, उपविजेता को 1500 रूपये, जिला अभिमन्यु 30 से 39 किग्रा. वजन विजेता को 2000 रूपये, उपविजेता को 1000 रूपये पुरस्कार दिया जायेगा। आगे बताया कि 24 दिसंबर को कुश्ती का शुभारंभ बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, वारासिवनी विधायक विवेक पटले की अध्यक्षता, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, कनकी सरपंच दुर्गा पगरवार, रटेगांव पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन, जनपद सदस्य केशव नगपुरे, कुम्हारी सरपंच सावन पिछोड़े, पूर्व जनपद सदस्य राजेन्द्र बघेल के प्रमुख आतिथ्य एवं 25 दिसंबर को समापन जिला कुश्ती संघ अध्यक्ष अनुराग चतुरमोहता, कांग्रेस कमेटी जिला उपाध्यक्ष उम्मेद लिल्हारे की अध्यक्षता, जिला पंचायत सदस्य डुलेन्द्र ठाकरे, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक बालाघाट प्रभारी विपणन अधिकारी एमएल यादव, नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन के प्रमुख आतिथ्य, मोहगांव ध सरपंच श्रीमती हिरकन/पवन नगपुरे, बिरसोला सरपंच श्रीमती ममता/पवन चौड़े के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। श्री बिरनवार ने बताया कि 25 दिसंबर को दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रातिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दो ढंडारों का आयोजन किया गया है जिसमें कृष्णास लीला ढंडार मंडल सुरजाटोला के शायर मदन बसेने, सोहनलाल दशरिये एवं शारदा ढंडार मंडल खोंगाटोला के शायर बिरजलाल नगपुरे के द्वारा अपने साथी कलाकारों के साथ ढंडार की प्रस्तुती देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील समिति अध्यक्ष बालाराम बिरनवार, उपाध्यक्ष जोशीराम सपाटे, सचिव जयचंद बनोटे, सरपंच डॉ. सीके बघेल, उपसरपंच अमित डोंगरे, सचिव येसानलाल नागपुरे, सहसचिव संतोष डोरस सहित पंचगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

6 शास. उमावि. में कॉलेज चलो अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के द्वारा 16 दिसंबर को उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन में कॉलेज चलों अभियान शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लालबर्रा विकासखण्ड स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा, शासकीय कन्या उ चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली, बिरसोला, जाम, बिरसोला एवं कनकी में कालेज चलों अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। इन 6 शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पहुंचकर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, नितेश कुमार, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, प्रशिक हुमनेकर के द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्रदान कर की। साथ ही विद्यार्थियों को प्रवेश के दौरान होने वाली विभिन्न परेशानियों एवं उस समय किन सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए उसके संबंध में विस्तार से जानकारियां दी गई और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश लेकर पढ़ाई करने प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम, सुविधाओं, शासन द्वारा संचालित गांव की बेटी, मुख्यमंत्री मेधावी जैसी प्रोत्साहन एवं विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं जैसे संबल, आवास, एससी/एसटी, ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पोस्टमैट्रिक के साथ संचालित अन्य योजनाओं से भी विद्यार्थियों को अवगत करवाया। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाते हुए उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। साथ ही महाविद्यालय में उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की जानकरी, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की अध्ययन की सुविधा, व्यक्तित्व विकास योजनाएँ, एन.एस.एस. कौशल विकास की जानकारी, प्लेसमेंट की जानकारी, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की जानकारी कॉरियर अवसर मेला, व्यवसायिक पाठ्यक्रम, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी स्कूल में प्राध्यापकों के द्वारा दी गई। वहीं स्वामी विवेकानंद कॉरियर मार्गदर्शन योजना, क्रीडा के साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों आदि के संबंध में समस्त दल द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को विस्तृत रूप में जानकारी प्रदान की गई एवं उनकी जिज्ञासा को शांत कर महाविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे, शास. उं च मा. विद्यालय अमोली के प्राचार्य भानूप्रसाद शर्मा, शास. उच्च मा. विद्यालय बघोली के प्राचार्य एस.सी. मरावी, जाम के प्राचार्य आर.सी.बिसेन, बिरसोला के प्राचार्य श्रीमती इंदवती पटेल, कनकी के प्राचार्य बसंतराव चौधरी सहित स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कछुआ गति से हो रहा परिवहन, खुले आसमान के नीचे पड़ा हजारों क्विंटल धान

परिवहन नही होने से खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था, किसान परेशान

किसान एवं समिति प्रबंधकों ने जल्द परिवहन करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सेवा सहकारी समिति एवं मार्केटिंग सोसायटियों के माध्यम से गत 1 दिसंबर से शासन के निर्देश पर समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है परन्तु परिवहन धीमी गति से होने के कारण किसानों एवं समितियों को धान खरीदी करने में परेशानी हो रही है। वहीं कुछ खरीदी केन्द्रों में जब से खरीदी शुरू हुई है उसके बाद से परिवहन ही नही हुआ है। ऐसी स्थिति में उक्त खरीदी केन्द्रों में अव्यवस्था होने से किसानों को उपज विक्रय करने एवं समिति को खरीदी करने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही परिवहन धीमी गति से होने के कारण हजारों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है। अगर अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही बारिश होती है तो खरीदी गई धान गीली हो सकती है। जिससे किसानों के साथ ही समिति को काफी नुकसान हो सकता है क्योंकि खरीदी गई धान का जब तक परिवहन नही हो जाता है उसकी जवाबदारी समिति प्रबंधकों की है। साथ ही परिवहन होने के बाद ही किसानों के खातों में भुगतान होगा। वहीं किसान उपज विक्रय करने के बाद भुगतान के लिए बैंक का चक्कर लगा रहे है किन्तु परिवहन नही होने के कारण उनके खातों में भुगतान नही हो रहा है। इस तरह से परिवहन की लचर व्यवस्था के चलते किसानों के साथ ही समिति के प्रबंधक भी परेशान नजर आ रहे है।

14 खरीदी केन्द्र में 2685 किसानों से 1,24,218 क्विं. 80 किग्रा. हुई धान खरीदी

आपको बता दे कि शासन के निर्देश पर विगत दिवस से समर्थन मूल्य में सेवा सहकारी समिति एवं मार्केटिंग सोसायटी के द्वारा धान खरीदी की जा रही है और किसान स्लॉट बुक करवाकर जो तिथि मिली है। उसके अनुसार खरीदी केन्द्र पहुंचकर अपनी उपज विक्रय कर रहे है परन्तु खरीदी गई धान का परिवहन धीमी गति से होने के कारण लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत 9 सेवा सहकारी समिति के 14 धान खरीदी केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे हजारों क्विंटल धान पड़ा हुआ है। वहीं लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक के अंतर्गत बनाये गये 14 धान खरीदी केन्द्रों में 16 दिसंबर तक 2685 किसानों से 1,24,218 क्विंटल 80 किग्रा. धान की खरीदी समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है परन्तु खरीदी गई धान का परिवहन कछुआ गति से होने के कारण हजारों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है। अगर अचानक मौसम परिवर्तन होता है एवं बारिश होती है हजारों क्विंटल धान जो खुले आसमान के नीचे रखा हुआ है वह गीली हो सकती है। वही समर्थन मूल्य में खरीदी गई धान का परिवहन नही होने के कारण किसानों के खातों में भुगतान भी नही आ रहा है जिससे किसान परेशान है। इसलिए किसान एवं खरीदी प्रभारी व समिति के प्रबंधकों ने जिला प्रशासन से परिवहन की व्यवस्था अच्छी बनाकर तीव्र गति से परिवहन करवाने की मांग की है।

तीव्र गति से परिवहन करवाये प्रशासन - लिल्हारे

दूधाभ पर चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक, जाम प्रबंधक डीके लिल्हारे ने बताया कि शासन के निर्देश पर गत दिवस से 9 सेवा सहकारी समिति के 14 धान खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है और 16 दिसंबर तक 2685 किसानों से 1,24,218 क्विंटल 80 किग्रा धान की खरीदी हो चुकी है। लेकिन परिवहन बहुत धीमी गति से हो रहा है जिसके कारण हजारों क्विंटल धान खुले आसमान के नीचे डम्प है। श्री लिल्हारे ने बताया कि खरीदी गई धान का परिवहन नही होने से खरीदी केन्द्रों में उपज खरीदी करने में परेशानी हो रही है एवं किसानों के खातों में भुगतान भी नही आ रहा है इसलिए प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से परिवहन करवाये।

शासकीय प्राथमिक बालक शाला मेहंदीवाड़ा का भवन हुआ जर्जर

मरम्मत के अभाव में ऐतिहासिक धरोहर खण्डहर होने की कगार पर!!

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

पूरे जबलपुर संभाग में वारासिवनी सर्वाधिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसे ही यहां पर ब्रिटिश शासन की कुछ इमारतें एवं संस्था भी स्थित है। उनमें से एक शासकीय प्राथमिक बालक शाला मेहंदीवाड़ा है जहां वर्ष १८८५ से ब्रिटिश गवर्नमेंट के द्वारा स्कूल संचालित किया जा रहा था। परंतु आजाद भारत में वर्ष १९५५ में स्कूल का भवन निर्माण कराया गया था। इसके बाद लगातार इस भवन के जीर्णोदर और उन्नयन की अनदेखी के कारण वर्तमान में यह जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। जहां आज भी कवेलू की छत देखने मिलती है हालांकि वर्तमान में दुर्घटना की संभावना देखते हुए ग्राम के ही कन्या शाला के एक भवन में उक्त स्कूल का संचालन बीते दो माह से किया जा रहा है। जहां स्कूल संचालन में समस्या तो हो रही है तो वहीं ग्रामीणों के द्वारा इस ऐतिहासिक धरोहर को संवारने के लिए शासन प्रशासन से मांग की जा रही है।

१४० वर्षों से यहां संचालित हो रहा है स्कूल

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदन नदी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव होने से मेहंदीवाड़ा में १८८५ में ब्रिटिश गवर्नमेंट के द्वारा स्कूल संचालन प्रारंभ किया गया था। जहां आसपास के करीब आधा दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के लोग शिक्षा अध्ययन करने आते थे। जहां लगातार स्कूल संचालित होता रहा भले ही अंग्रेज वर्ष १९४७ को भारत छोड़कर चले गए और आजाद भारत में भी यह स्कूल बंद नहीं हुआ। जहां लगातार स्कूल संचालित किया जाता रहा ऐसे में तत्कालीन सरकार के द्वारा १९५५ में ब्रिटिश शासन के द्वारा संचालित स्कूल के स्थान पर भवन का निर्माण कराकर इसे निरंतर बनाए रखा। इस प्रकार ७० साल ब्रिटिश शासन के द्वारा स्कूल संचालित किया गया। उसके बाद वर्ष २०२५ में भवन निर्माण के ७० साल पूर्ण हो गए। जहाँ स्कूल संचालित था परंतु बीते २ महीने पहले भवन की जर्जर अवस्था को देखते हुए उक्त स्थान पर शिक्षा अध्ययन बंद करवा दिया गया हैं। इस स्कूल को १४० वर्ष बाद उक्त स्थान से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर वारासिवनी रामपायली मुख्य मार्ग के समीप स्थित शासकीय कन्या शाला के परिसर में स्थित एक अतिरिक्त कक्ष में संचालित किया जा रहा है। जहां पर वर्तमान में एक कक्षा के अंदर समस्त विद्यार्थियों को शिक्षा अध्ययन करना पड़ रहा है। तो वही स्कूल अब दूरी पर होने के कारण प्रतिदिन बच्चे भी स्कूल में नहीं पहुंच पा रहे हैं। क्योंकि यह प्राथमिक स्कूल है जहां करीब ५ वर्ष की उम्र के विद्यार्थी दर्ज है वह भी रोजाना स्कूल आने जाने में परहेज कर रहे हैं। जिसके कारण समस्या तो है परंतु उस एक कमरे में ही बच्चों को समस्त कक्षाएं लगाकर अध्ययन करना पड़ रहा है ,वहीं मध्यान भोजन भी वहीं पर उनके द्वारा खाया जा रहा है। इस प्रकार से वर्तमान में स्थिति बनी हुई है तो वही ७० साल पुराना भवन और १४० साल की याद अब खंडार होती नजर आ रही है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से सफ्ल प्रयास करने की मांग की जा रही है ताकि इस ऐतिहासिक विरासत को बचाया जा सके।

अंग्रेजों के समय से स्कूल चल रहा है भवन बना तो जीर्णोद्वार नहीं हुआ- केशोराव

ग्रामीण केशोराव पराते ने बताया कि यह बीच बस्ती में स्कूल है बहुत पुराना स्कूल है इसकी जर्जर अवस्था हो गई है। बच्चों को खतरा है इसलिए कन्या शाला जो दूसरा स्कूल है वहां पर एक कमरे में यह स्कूल लग रहा है। जबकि वह स्कूल इंग्लिश मीडियम है और यह हिंदी मीडियम इसमें दो टीचर और बच्चों के साथ एक कमरे में पूरी व्यवस्था है। एडजस्टमेंट उन्हें करना पड़ रहा है यह स्कूल में मतदान केंद्र भी है और करीब १२५ वर्ष से अधिक पुराना स्कूल है। क्योंकि हमारे पूर्वजों में भी यहीं पर शिक्षा अध्ययन की है आज वह हमारे बीच है तो नहीं हैं मगर उनकी याद के रूप में यह स्कूल है। अंग्रेजों के समय से यहां स्कूल चल रहा है भवन बना तो उसका जीर्णोद्वार नहीं हुआ। गौतम शिक्षक लगातार मांग करते रहे वर्तमान शिक्षक भी मांग करते रहे पर हुआ कुछ नहीं। यहां पर मरम्मत हो या नई बिल्डिंग बनना चाहिए और वही स्कूल चलना चाहिए।

यह ऐतिहासिक रूप से पंचायत की एक धरोहर है-किशोर

सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर ने बताया कि यह स्कूल बहुत पुराना है उस समय करीब चार गांव के लोग यहां एक स्कूल में पढ़ने आते थे। यह ऐतिहासिक रूप से पंचायत की एक धरोहर है यहां से पड़े हुए व्यक्ति कुछ जीवित नहीं है तो कुछ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में बड़ी.बड़ी नौकरियों पर है। इसके लिए हमने बीआरसी को कहा था क्योंकि पंचायत में राशि अधिक आती नहीं है हम चाहते हैं इसका जीर्णोद्वार के लिए राशि मिले हालत बहुत जर्जर है। अभी बरसात में मजबूरी में बच्चों को दूसरे स्कूल में भेजना पड़ा वह यहां से १ किलोमीटर करीब दूर है वहां भी समस्या बिछायत कुर्सी टेबल कमरे की है। आपसी टकराव भी होता है शासन से हम व्यवस्था बनाए जाने की ही मांग कर रहे हैं ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर को संजो कर रखा जा सके।

सुरक्षा को देखते कन्या शाला में स्कूल संचालक हो रहा है-लता

शिक्षिका लता दुबे ने बताया कि स्कूल भवन जर्जर हो गया है शासकीय रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष १८८५ से यहाँ शाला लग रही है वर्ष १९५५ में भवन का निर्माण हुआ है। उसके बाद जीर्णोद्धार शायद नहीं हुआ है जिससे यह भवन जर्जर हो गया है। कभी भी यह क्षतिग्रस्त हो सकता है कवेलू या छत गिर सकता है सुरक्षा को देखते हुए कन्या शाला में स्कूल संचालक हो रहा है। परंतु यह स्कूल डेढ़ किलोमीटर पड़ता है पढ़ने वाले छोटे बच्चे हैं वह प्रतिदिन भी नहीं आ पा रहे हैं। भवन की मरम्मत के लिए अधिकारियों को पत्र भी लिखे गए थे पर हुआ कुछ नहीं।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि यह स्कूल हमारे संज्ञान में है वार्षिक कार्य योजना जो हमारी बनती है उसमें हमने वरिष्ठ कार्यालय को इस स्कूल को शामिल करके दिया है। यह ऐतिहासिक धरोहर है जिसे बचाने के लिए प्रयास किया जा रहा है इसमें वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग मांगा जायेगा।

सत्येंद्र शरणागत
बीआरसी वारासिवनी

बुदबुदा में गाय बछड़ा प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे विधायक गौरव पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी क्षेत्र के

ग्राम बुदबुदा में गोवारी समाज युवा समिति के तत्वावधान में गाय बछड़ा प्रतिमा अनावरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मेले एवं स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन हुआ। इस अवसर पर कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिमा अनावरण के पश्चात विधायक पारधी ने समाज के इष्ट देव भगवान खिलाया मुठिया की प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजन.अर्चन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि और मंगल की कामना की। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि बुदबुदा उनका ननिहाल है जिससे उनका पारिवारिक और आत्मीय रिश्ता जुड़ा हुआ है। आप सभी के आशीर्वाद और सहयोग से वे आज जनता के सेवक के रूप में कार्य कर पा रहे हैं। यहां से मिला स्नेह उनके लिए अमूल्य है और वे इस रिश्ते को सदैव बनाए रखेंगे। ग्रामीणों का कहना था कि उनका जुड़ाव केवल राजनीतिक मंचों तक सीमित नहीं है। बल्कि वे हर सुख.दुख में गांव के साथ खड़े रहते हैं। इसी विश्वास और अपनत्व के कारण ग्रामवासियों में उनके प्रति विशेष सम्मान और स्नेह बना हुआ है। इस अवसर पर अंशुल सेन्द्रे,रोहित राऊत ,संतोष गजबे, संदीप राऊत, यादोराव लसुन्ते, अनूप चौहान, मुकेश मानकर, राजेश राऊत,भूपेंद्र लसुन्ते, सुनील नेवारे, युवराज चौहान, योगराज मानकर, कमलेश मानकर सहित समाज के गणमान्य नागरिक एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार वाहन ने रात में तोड़ी दुकाने

दुकान संचालकों को हुआ हजारों का नुकसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जयस्तंभ चौक से भारतीय स्टेट बैंक सड़क पर पुलिस थाने की बाउंड्रीवॉल के किनारे लगी दुकानों को १५ दिसंबर की दरमियानी रात अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मारकर तोड़ दिया। मौके पर एक पान दुकान पूरी तरह टूट गई तो वहीं दो दुकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि इसमें नगर पालिका का साइन बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गया हैं मामले में अज्ञात वाहन का पता किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जय स्तंभ चौक के चौराहा है जहां से चारों तरफ मार्ग जाता है। जिसमें पुलिस थाने के किनारे से एक मार्ग सीधा रामपायली रोड़ के लिए बाईपास निकलता है जहां चौक और सड़क के कॉर्नर में लाइन से दुकान लगी हुई है। वहीं नगर पालिका का साइन बोर्ड भी लगा हुआ है जहां १५ दिसंबर की रात्रि में दुकान संचालकों के द्वारा अपने समय अनुसार दुकान बंद कर घर के लिए रवाना हो गए। जो सुबह आकर देखा तो पान ठेला पूरी तरह टूटा हुआ था और उसके अंदर का सामान गायब था तो वहीं पास में लगी दो दुकान भी क्षतिग्रस्त हुई थी। इस दौरान वाहन को रिटर्न पीछे लेने में नगर पालिका का भी साइन बोर्ड क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसमें पतासाजी की गई तो बीती दरमियानी रात अज्ञात वाहन चालक के द्वारा तेज रफ्तार से टक्कर मारने से यह होना समझ आया। इसके बाद दुकान संचालकों के द्वारा अज्ञात वाहन की पतासाजी की जा रही है। इस संबंध में पान दुकान संचालक राजिक राजा ने बताया कि मैं रात्रि करीब ११.३० बजे अपनी पान दुकान बंद कर घर गया हुआ था। तब तक सब ठीक था सुबह जब दुकान खोलने आया तो देखा कि मेरी दुकान पूरी तरह टूट गई है और उसके अंदर की सामग्री गायब है। तो वहीं समीप की दो दुकान क्षतिग्रस्त है इसमें पता चला की रात के करीब १ बजे के बीच में अज्ञात वाहन के द्वारा टक्कर मार दी गई जिससे यह स्थिति हुई है। इसमें मेरी दुकान पूरी टूट गई है कुछ भी नहीं बचा है और टक्कर के कारण दरवाजे खुलने से अंदर का भी सामान अज्ञात लोगों के द्वारा ले जा लिया गया है। इसमें मुझे करीब ५०००० रूपये की नुकसानी तो हुई है हमारे द्वारा वाहन का पता किया जा रहा है ताकि नुकसान की भरपाई की जा सके।

बलदेव जयंती पर सेरपार मेले के आयोजन में विधायक गौरव सिंह पारधी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सेरपार में प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार इस वर्ष भी बलदेव जयंती के पावन अवसर पर वार्षिक मेले का आयोजन किया गया। मेले के अवसर पर रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ । कार्यक्रम में कटंगी खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी विशेष रूप से पहुंचे और अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर योगेंद्र ठाकरे, भजनलाल सोनवाने,मोहन सिंह पारधी, छोटेलाल मालाधारी,मूलचंद बिसेन,गेंदलाल बिसेन, थानसिंह पारधी,आनंद राव हरदे, गोधनलाल चौधरी,नरेंद्र पटले,मानसिंह बिसेन,धनपाल ठाकरे,सोनेलाल बघेले,पप्पू कलेन्द्र पटले,महेंद्र रहांगडाले सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे। मेले के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने ग्रामीण परिवेश को उल्लास और उत्साह से भर दिया। आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने भी मेले में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि बलदेव मेला विगत कई वर्षों से निरंतर आयोजित होता आ रहा है और यह मेला उनके लिए भावनात्मक रूप से विशेष महत्व रखता है। क्योंकि यह परंपरा उनके दादाजी के समय से चली आ रही है और सेरपार उनका स्वयं का ग्राम है। उन्होंने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं,जिन्हें बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से दूर दराज रह रहे ग्रामीण भी गांव लौटकर एक.दूसरे से मिल पाते है। जिससे सामाजिक समरसता और भाईचारा मजबूत होता है। विधायक पारधी ने ग्राम सेरपार में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इस कार्य का सौभाग्य मिला है और आगे भी ग्राम को किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर वे सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने आगामी वर्षों में बलदेव मेले को और भव्य स्वरूप देने की बात कही तथा भगवान बलदेव से समस्त ग्रामवासियों पर आशीर्वाद बनाए रखने की कामना की।

पीजी कॉलेज बालाघाट में विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 16 दिसंबर को हिंदी विभाग, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. डॉ. अवधेश कुमार शुक्ल, निदेशक मालवीय मिशन प्रशिक्षण केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन कर माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण के साथ की गई। सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. गोविंद सिरसाटे ने मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा के व्यावहारिक पक्षों को सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कौशल विकास, मानवीय मूल्य तथा भारतीय संस्कृति से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से विषय को स्पष्ट किया। व्याख्यान के समापन पश्चात मुख्य वक्ता द्वारा प्राचार्य एवं अन्य प्राध्यापकों की उपस्थिति में महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संबंधित विभागों के प्राध्यापकों, अन्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं तस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे तस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

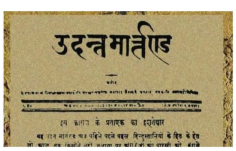

आतंक का बढ़ता दायरा

आस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी समुद्र तट पर आतंकी हमले से फिर यही साबित हुआ है कि वैश्विक स्तर स्तर पर तमाम आतंकरोधी कवायदों के बावजूद अब भी इस समस्या से पार पाना एक बड़ी चुनौती है। हथियारों से लैस पिता और पुत्र ने बोंडी समुद्र तट के पास हनुका नामक कार्यक्रम के लिए जमा हुए यहूदी समुदाय के लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस के वहां पहुंचने पर हुई मुठभेड़ में एक हमलावर मारा गया और दूसरा घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। गनीमत यह रही कि वहां मौजूद एक अन्य साधारण व्यक्ति ने अपनी जान जोखिम में डाल कर एक बंदूकधारी पर हमला कर दिया और उसकी बंदूक छीन ली। इस तरह उसने कई लोगों की जान बचा ली। माना जा रहा है कि इस आतंकी घटना के पीछे हमलावरों के भीतर यहूदी विरोध की भावना थी। पिछले कुछ समय से आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी भावनाओं के जोर पकड़ने को लेकर चिंताएं जताई जा रही थीं।

गौरतलब है कि विश्व भर में आतंकी वारदात की प्रकृति में बदलाव आया है और आतंकियों के भीतर आम नागरिकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके बावजूद आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक खास मौके पर ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगह पर एहतियाती सुरक्षा इंतजाम पुख्ता रखने की जरूरत नहीं समझी। यह सवाल इसलिए भी गंभीर है कि हाल के दिनों में आस्ट्रेलिया में कई स्तर पर नस्लीय आग्रहों के आधार पर हमले और विरोध के मामले सामने आते रहे हैं। यों भी, अपने नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर हर समय चाक-चौबंद इंतजाम रखना सरकार का दायित्व है, लेकिन सरेआम अंधाधुंध गोलीबारी की ताजा घटना से साफ है कि सरकार इसमें नाकाम हुई। हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस हमले की निंदा हुई है और आस्ट्रेलिया की सरकार से लेकर मुसलिम अरब देशों की ओर से भी आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज किया गया है। मगर यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना और विरोध के बावजूद किसी समुदाय से नफरत की भावना में डूबे लोगों को रोक पाना एक मुश्किल चुनौती है। गौरतलब है कि इससे पहले इजराइल में लगभग इसी तरह के एक जमावड़े में हमास के आतंकवादियों ने यहूदी समुदाय के लोगों पर हमला किया था और उसमें बारह सौ से ज्यादा की मौत हो गई थी। उसका अंजाम आज भी हमास और इजराइल के युद्ध और उससे उपजी त्रासदी के रूप में दुनिया के सामने है। इसी प्रकृति के एक अन्य हमले में भारत में कश्मीर के पहलगाम में हमलावरों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर कई लोगों को मार डाला था। आस्ट्रेलिया के बोंडी समुद्र तट पर हुए आतंकी हमले का एक पहलू बेहद अहम है कि जहां बंदूकधारी हमलावरों की पहचान मुसलिम बताई गई है, वहीं अपनी जान हथेली पर रख कर उनसे भिड़ने और एक हमलावर को रोकने में कामयाब रहा व्यक्ति भी मुसलिम समुदाय से ही है। इसे आतंकवाद के विरुद्ध एक स्वत: स्फूर्त इंसानी प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा सकता है, जिसकी जरूरत समूची दुनिया में महसूस की जा रही है। दरअसल, आतंकवाद अलग-अलग समुदायों के बीच दूरी और द्वेष को ही अपना जरिया बनाता है। इसलिए इसका सामना करने के मकसद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस रणनीति के समांतर भिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सद्भाव और सहयोग के मानवीय मूल्यों को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है।

द न्यूयार्क टाइम्स के पत्रकार की आँखों देखी

यह विद्रोह का वैश्वीकरण ही तो है

ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर जो हुआ, वह सात अक्टूबर, 2023 के हमले की याद दिलाता है। यह इस्राइल को बुरा बताने और यहूदियों से नफरत करने की दुनिया भर में तेजी से फैल रही सोच का नतीजा है। इंतिफादा (विद्रोह) के वैश्वीकरण की समर्थक यही कट्टर सोच ऐसी वारदातों के पीछे दिखती है।

सिडनी के बोंडी तट पर हनुक्का इवेंट में रविवार को हुए आतंकवादी हमले, जिसमें कम से कम 15 लोग मारे गए तथा कई और घायल हुए, में एक नायक भी सामने आया। खबरों में एक आदमी का उल्लेख किया गया है, जिसका नाम अहमद अल अहमद बताया जा रहा है और वह एक स्थानीय दुकानदार है। हालांकि, अभी पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन बताया जा रहा है कि उसने अकेले ही दो आतंकवादियों में से एक को निहत्था कर दिया एवं दो बार गोली लगने के बाद भी बच गया। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और तब से उसका वीडियो वायरल हो गया है। उस व्यक्ति की बहादुरी ने न केवल कई लोगों की जानें बचाईं, बल्कि यह इस बात की भी एक जरूरी याद दिलाता है कि इस्लामियत हमेशा सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं को पार कर सकती है। लेकिन हनुक्का नरसंहार ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की सरकार की देश के यहूदी समुदाय की सुरक्षा करने में लगातार नाकामी को भी दिखाता है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी, बॉडी में एक कोशर रेस्टोरेंट पर आगजनी करके हमला किया गया था; छह हफ्ते बाद, एक यहूदी प्रार्थना स्थल पर पेट्रोल बम से हमला किया गया। उन हमलों का आरोप ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स पर लगाया गया था, और अल्बनीज सरकार ने इसकी प्रतिक्रिया में कैनबरा में ईरानी राजदूत को देश से निकाल दिया और तेहरान में अपना दूतावास बंद कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के लिए दुखद बात यह है कि वहां सिर्फ विदेशी लोग ही समस्या नहीं हैं। पिछले साल, यहूदी-विरोधी भावना से लड़ने के लिए सरकार के विशेष दूत जिलियन सेगल ने चेतावनी दी थी कि यहूदी-विरोधी व्यवहार न केवल कई परिसरों में मौजूद है, बल्कि यह संस्कृति का एक हिस्सा बन गया है। सात अक्टूबर को इस्राइल में हुए हमास के हमले के बाद ग्रीन्स पार्टी की विधायक जेनी लियोंग ने एक बयान जारी कर %यहूदी लॉबी और जायोनी लॉबी% पर आरोप लगाया कि उनके %हाथ-पैर% जातीय समूहों के हर पहलू में घुसपैठ कर रहे हैं। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यहूदी एक धर्म है, जिसे मानने वाले लोग भी यहूदी कहलाते हैं, जबकि जायोनिज्म इस्राइल में यहूदी मातृभूमि के लिए एक राजनीतिक आंदोलन है; सभी यहूदी जायोनिस्ट नहीं हैं। तोड़फोड़ करने वालों तथा आग लगाने वालों ने यहूदी घरों, मोहल्लों और एक डे केयर सेंटर को निशाना बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी के अनुसार, रविवार के हमले में शामिल कथित हमलावरों में से कम से कम एक को अधिकारी जानते थे, लेकिन उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि इससे खतरा हो सकता है।

जब मैं जून, 2024 में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया गया था, तो मैंने यहूदी समुदाय के नेताओं से बहुत सारी चिंताएं सुनीं, लेकिन कुछ भी बदलता हुआ नहीं दिखा। रविवार को, ऑस्ट्रेलियाई यहूदी एसोसिएशन ने फेसबुक पर एक संदेश पोस्ट किया: 'हमने सरकार को कितनी बार चेतावनी दी? हमें एक बार भी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि उन्होंने हमारी बात सुनी।'

वे शायद अब सुन रहे होंगे। लेकिन अल्बनीज सरकार के लिए समस्या यह है (जिसने सितंबर में एक फलस्तीनी राज्य को मान्यता दी थी और गाजा में इस्राइली कार्रवाई की खुलकर निंदा की है) कि इस्राइल को लगातार बुरा बताने और उन यहूदियों पर हमले करने के बीच नैतिक सीमा स्पष्ट नहीं है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे इस्राइल का समर्थन करते हैं। रविवार को अल्बनीज ने कहा कि %आज बोंडी बीच पर जो हमला हुआ है, वह समझ से परे है।%

असल में, यह पूरी तरह समझने लायक है। उन कट्टरपंथियों के लिए, जिन्हें यह विश्वास दिलाया गया है कि यहूदी देश बुराई की पराकाष्ठा हैं, यहूदियों को मारना न्याय की एक विकृत सोच है। भले ही पीड़ित निहत्थे नागरिक हों। भले ही वे कोई प्राचीन खुशी का त्योहार मना रहे हों।

इस घटना का एक बड़ा सबक है, जिसके मायने ऑस्ट्रेलिया से परे भी हैं। हालांकि, आने वाले हफ्तों में हमें रविवार के हत्यारों की सोच के बारे में शायद और भी बहुत कुछ पता चलेगा, लेकिन यह अंदाजा लगाना सही होगा कि वे जो कर रहे थे, उसे वे %इंतिफादा का वैश्वीकरण% समझ रहे थे। यानी, वे दिल से मानते रहे थे कि %विरोध जायज है% और %चाहे किसी भी तरह से हो, जरूरी है%, जो दुनिया भर में इस्राइल विरोधी रैलियों में आम हो गए हैं। जो लोग ये बातें बोलते हैं, उनमें से कई लोगों के लिए ये बातें शायद अमूर्त और रूपक जैसी लग सकती हैं, यानी फलस्तीनी आजादी के पक्ष में एक राजनीतिक रवैया, न कि अपने कथित दुश्मनों को मारने की कोई अपील।

जब मैं यरूशलेम में रहकर पत्रकारिता कर रहा था, तो मुझे पता चला कि इंतिफादा शब्द का असली मतलब क्या होता है। अरबी में इसका शाब्दिक अर्थ है- विद्रोह। मैं उस समय रेहाविया इलाके में एक अपार्टमेंट में शिफ्ट ही हुआ था, जब मार्च 2002 में मेरे स्थानीय कॉफी शॉप, कैफे मोमेंट पर एक आत्मघाती बम हमला हुआ। उस वक्त मेरी पत्नी भी वहां आने वाली थी, लेकिन उसने आखिरी वक्त में अपना फैसला बदल दिया था। उस रात ग्यारह लोगों की हत्या हुई और 54 लोग घायल हुए। हमास के कई हमलावरों को गिरफ्तार किया गया और फिर नौ साल बाद इस्राइली बंधक गिलाद शालित के बदले में रिहा कर दिया गया।

सात अक्टूबर, 2023 को हत्या, बलात्कार और अपहरण की भयानक घटना से पहले भी दुनिया भर में इंतिफादा फैल रहा था। 2006 में सिएटल में यहूदी फेडरेशन के ऑफिस में एक हमलावर ने एक महिला की हत्या कर दी और पांच अन्य लोगों को घायल कर दिया। हमलावर ने चश्मदीदों से कहा कि वह %इस्राइल से नाराज% था। 2015 में पेरिस में एक कोशर मार्केट में चार यहूदियों की हत्या कर दी गई। मई में वाशिंगटन के कैपिटल ज्यूइश म्यूजियम से निकलने के बाद एक युवा जोड़े की हत्या एक ऐसे हत्यारे ने कर दी, जो %स्वतंत्र फलस्तीन% के नारे लगा रहा था। एक बुजुर्ग अमेरिकी महिला करेन डायमंड कोलोराडो में बम हमले की शिकार हुई थीं और उनकी मृत्यु हो गई। उस हमले में कम से कम 12 अन्य लोग भी घायल हुए थे। हमलावर %स्वतंत्र फलस्तीन% के नारे लगा रहा था।

ये कट्टर सोच वाले लोग होते हैं, जो मानते हैं कि उनके विचारों के असल दुनिया में नतीजे होने चाहिए। रविवार को, वे नतीजे यहूदी खून से लिखे गए थे। इतिहास बताता है कि यह आखिरी बार नहीं होगा।

-ब्रेट स्टीफंस,द न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार

जीवन धारा

- मारित्ज शिलक

सोचना, रचना करना, खेलना, संवाद करना, श्रम व खोज करना-ये सभी जीवन की सहज अभिव्यक्तियां हैं। जब ये किसी पुरस्कार, प्रशंसा या भय से मुक्त होकर की जाती हैं, तब शुद्ध आनंद का रूप ले लेती हैं।

जीवन किसी ठहरे हुए अर्थ का नाम नहीं है

यह जीवन किसी ठहरे हुए अर्थ का नाम नहीं है, बल्कि सतत गति और सजीव क्रिया का उत्सव है। जीवन वहीं स्पंदित होता है, जहां कर्म है, जहां चेतना सक्रिय है, और जहां मनुष्य अपने अस्तित्व को किसी बाहरी लक्ष्य की प्रतीक्षा में नहीं, बल्कि आत्म क्रिया के आनंद में अनुभव करता है। यदि जीवन में सच्चे अर्थ की खोज करनी है, तो वह हमें ऐसी गतिविधियों में करनी होगी, जिनका उद्देश्य और मूल्य स्वयं उनके भीतर निहित हो, न कि किसी बाहरी लक्ष्य पर निर्भर।

जब जीवन निष्क्रिय हो जाता है, तब चेतना भी मद्धम पड़ने लगती है। अर्थ कोई ऐसी वस्तु नहीं है, जिसे संग्रहीत किया जाए, बल्कि वह तो उसी क्षण प्रकट होता है, जब हम पूरी सजगता के साथ काम कर रहे होते हैं। जीवन की सार्थकता किसी अंतिम उपलब्धि में नहीं, बल्कि उस निरंतर प्रवाह में है, जिसमें मनुष्य खुद को सक्रिय रूप से संलग्न रखता है। यह प्रवाह ही जीवन है। अक्सर हम जीवन को भविष्य से जोड़ देते हैं। हम आज को कल के नाम पर टालते हैं और वर्तमान को केवल एक साधन बना देते हैं। इस दृष्टि में वर्तमान खोखला हो जाता है और जीवन बोझ बन जाता है। इसके विपरीत, जब हमारी गतिविधियां अपने आप में पूर्ण होती हैं, तब हर क्षण स्वयं को सार्थक सिद्ध करता है। तब जीवन को अर्थ देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती, क्योंकि अर्थ अनुभव बनकर तत्काल उपस्थित होता है। मनुष्य मूलत: क्रियाशील प्राणी है। सोचना, रचना करना, खेलना, संवाद करना, श्रम करना और खोज करना-ये सभी जीवन की सहज अभिव्यक्तियां हैं। जब ये क्रियाएं किसी पुरस्कार, प्रशंसा या भय से मुक्त होकर की जाती हैं, तब वे शुद्ध आनंद का रूप ले लेती हैं। यही आनंद उस मूल्य का प्रमाण है, जो क्रिया के भीतर ही निहित होता है। इसे किसी नैतिक आदेश या दार्शनिक तर्क से सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती। इस दृष्टि से जीवन और सुख के बीच कोई विरोध नहीं बचता। जो क्रिया स्वभाव से उत्पन्न होती है, वही जीवन को पूर्ण बनाती है। सच्चा कर्तव्य वही है, जो भीतर की प्रेरणा से जन्म ले। जब हम अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य करते हैं, तब न तो बाध्यता रहती है और न ही थकान, बल्कि एक सहज लय उत्पन्न होती है, जिसमें जीवन स्वयं आगे बढ़ता रहता है। जीवन का अर्थ किसी अलौकिक लक्ष्य या अंतिम सत्य में खोजने का प्रयास, अक्सर हमें वास्तविक जीवन से दूर कर देता है। वह वर्तमान को अपूर्ण मान लेता है, जबकि जीवन की पूर्णता इसी क्षण में निहित है। अर्थ कोई भविष्य की वस्तु नहीं, बल्कि वर्तमान की क्रियाशैली है।

जब मन पूरी तरह किसी कार्य में डूब जाता है, तब समय का बोझ भी समाप्त हो जाता है। अतीत और भविष्य अपनी पकड़ खो देते हैं, और जीवन एक अखंड अनुभव बन जाता है। यही अखंडता जीवन को गहराई देती है। इस प्रकार जीवन का अर्थ किसी सवाल का जवाब नहीं, बल्कि सजग, स्वतंत्र और आनंदपूर्ण क्रियाशीलता की स्थिति है। जब हम जीवन को पूरी चेतना के साथ जीते हैं, तब जीवन स्वयं ही अपना अर्थ हासिल कर लेता है।

सूत्र-वर्तमान में जिएं

जो कार्य पूरे मन से, बिना भय और लालच के किया जाता है, वही जीवन को अर्थ देता है। वर्तमान क्षण में सजग रहकर की गई क्रिया ही सच्चा साध्य है। जब कर्म आनंद से उपजता है, तब थकान नहीं होती, और जब मन पूरी तरह काम से जुड़ा होता है, तब समय भी बंधन नहीं बनता। जीवन को भविष्य पर मत टालिए। जो करना है, अभी कीजिए।

सोशल मीडिया पर प्रतिबंध नहीं, जागरुकता जरूरी

ऑस्ट्रेलिया में सोलह साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया प्रतिबंध का कानून लागू हो गया है. हालांकि पूर्ण प्रतिबंध के बजाय सोशल मीडिया को सीमित करना अधिक व्यावहारिक और संतुलित विकल्प है. बच्चों और किशोरों को डिजिटल साक्षरता व सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। ग्र का एक चक्र इंटरनेट ने पूरा कर लिया है. इसकी खूबियों और इसकी उपयोगिता की चर्चा तो बहुत हो ली, अब इसके दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान जाने लगा है. कई देशों के न्यूरो वैज्ञानिक व मनोवैज्ञानिक लोगों पर इंटरनेट और डिजिटल डिवाइस से लंबे समय तक पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन कर रहे हैं. इन शोधों का केंद्र युवा पीढ़ी पर नयी तकनीक के संभावित प्रभाव की ओर झुका हुआ है, क्योंकि वे ही इसके पहले और सबसे बड़े उपभोक्ता बन रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है. यह एक ऐतिहासिक कदम है, जिसने दुनिया भर का ध्यान खींचा है. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब कई देशों में सरकारें नाबालिगों को ऑनलाइन कंटेंट और साइबर बुलिंग से बचाने के लिए नियम बना रही हैं. ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल पास हुए कानून के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम, किक, रेडिट, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, एक्स, यूट्यूब अगर 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाते, तो उन पर 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है. मेटा, टिकटॉक और एक्स को तो इस बैन लिस्ट में रखा गया है, पर स्ट्रीमिंग वेबसाइट यूट्यूब को इस बैन से छूट दी गयी है. चूंकि स्कूलों में यूट्यूब का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया जाता है, इसलिए इसे प्रतिबंध से अलग रखा गया है. भारत में सोशल मीडिया के बढ़ते असर को देखते हुए कुछ लोग इस तरह के कदमों की मांग कर रहे हैं, पर क्या अपने यहां सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना इस समस्या का हल है? प्रतिबंध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता. देश के कुछ राज्यों में शराबबंदी लागू है, पर इससे वहां शराब की तस्करी बढ़ गयी और नशे की समस्या खत्म नहीं हुई. तकनीक ने पिछले ने पिछले कुछ वर्षों में हमारे जीवन को पूरी तरह बदल कर रख दिया है. आज स्मार्टफोन, टैबलेट समेत अन्य डिजिटल डिवाइस हर व्यक्ति की जीवन शैली का हिस्सा हैं. लोकल सर्कल्स के राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक, देश में 60 फीसदी बच्चे रोजाना तीन घंटे से अधिक सोशल मीडिया एप्स का इस्तेमाल करते हैं. किशोरों में यह आंकड़ा और अधिक है. सोशल मीडिया बच्चों और किशोरों के लिए न केवल मनोरंजन का स्रोत है, बल्कि शैक्षिक उपकरण के रूप में भी सामने आ रहा है. फेसबुक, एक्स, लिंक्डिइन जैसे प्लेटफॉर्म्स बच्चों और किशोरों को नये रूप में अध्ययन सामग्री प्रदान करने के लिए विचारों और अभिव्यक्ति को स्थापित करने का मौका देते हैं. मसलन, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म बच्चों को उनकी रचनात्मकता विकसित करने और शिक्षा से जुड़े लेक्चर्स, शॉर्ट वीडियो प्रदान करते हैं, जो उनके लिए काफी उपयोगी होता है।

मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब दो पीढ़ी एक साथ किसी तकनीक के इस्तेमाल करने का तरीका एक साथ सीख रही है. यानी तकनीक पहले आ रही है, उसके इस्तेमाल करने का तरीका बाद में बन रहा है. सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल का तरीका न माता-पिता को पता है, न ही बच्चों को. एकल परिवार में माता-पिता, दोनों व्यस्त हैं, तो बच्चों को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल पकड़ा दिया जाता है. बच्चे घर से बाहर खेलने जा नहीं पाते, क्योंकि खेल के मैदान या पार्क हैं ही नहीं. नतीजा है सोशल मीडिया और मोबाइल का अनियंत्रित इस्तेमाल. भारत ऐसे ही दुश्चक्र का सामना कर रहा है, जिसका असर मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक जीवन पर नकारात्मक रूप में पड़ता है. लोगों में डिजिटल तकनीक के प्रयोग करने की वजह बदल रही है. शहर फैल रहे हैं और ईमान सिमट रहा है।

-डॉ मुकुल श्रीवास्तव
प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय

राजनीतिनामा

नितिन नबीन के जरिये बंगाल को साधने की कोशिश

बीजेपी ने 45 वर्षीय नितिन नबीन को अपना कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है. नितिन पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं. संगठन ने जो भी भूमिका सौंपी, उसे संगठन के लिहाज से पूरा करने की कोशिश की है. छत्तीसगढ़ राज्य में बीजेपी की पिछली जीत ने उनके संगठन कौशल की ओर झांकने का मौका दिया. नितिन आगे और कितनी ऊंचाई पर जायेंगे, यह देखने के लिए, इंतजार करना होगा.

नरेंद्र मोदी के दौर की बीजेपी का जब इतिहास लिखा जायेगा, तब उसकी तमाम खूबियों और खामियों के साथ एक तथ्य को शिद्दत से याद किया जायेगा. वह है पार्टी का हर बार चौंकाने वाला फैसला लेना. राजनीति के लिहाज से 45 वर्ष की उम्र युवा मानी जाती है. राजनीति में युवाओं को शीर्ष पर बैठाने की परंपरा कम ही रही है. पर बीजेपी ने 45 वर्षीय नितिन नबीन को अपना कार्यकारी अध्यक्ष घोषित कर दिया है. नितिन को भले ही पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है, पर ऐसा माना जा रहा है कि अगले वर्ष जनवरी के आखिर तक उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष के तौर पर चुन लिया जायेगा.

नितिन की ताजपोशी पर चर्चा से पहले बीजेपी से जुड़े अतीत के एक किस्से को याद कर लिया जाना चाहिए, मई 1996 में तेरह दिनी वाजपेयी सरकार के विश्वासमत पर चर्चा के दौरान सुषमा स्वराज ने कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व से पूछा था, कहां है आपकी सेकेंड लाइन ऑफ लीडरशिप. हमारी ओर देखिए, वेंकैया हैं, अनंत हैं, प्रमोद हैं. अटल-आडवाणी और जोशी के दौर की बीजेपी में बिना शक ये तीनों ही नाम शीर्ष नेतृत्व में शामिल थे. पार्टी की दूसरी पांत में स्वयं सुषमा स्वराज का नाम भी शामिल था. बाद के दिनों में अरुण जेटली को भी इसी पंक्ति में शामिल कर लिया गया था. ऐसे में यह प्रश्न पूछा जा सकता है कि क्या नितिन नवीन का नाम दूसरी पंक्ति के नेताओं में शुमार होता है. निश्चित तौर पर इसका उत्तर न में है. भले ही वे पांच बार के विधायक हों, पर राष्ट्रीय स्तर पर उनका नाम इतना चर्चित नहीं रहा है. बीजेपी के मुख्य संगठन में छत्तीसगढ़ के प्रभार की जिम्मेदारी छोड़ दें, तो इसके पहले कोई बड़ी भूमिका भी नहीं सौंपी गयी थी. भारतीय जनता युवा मोर्चा की बिहार इकाई के वे अध्यक्ष और इसी मोर्चे के राष्ट्रीय महामंत्री जरूर रहे हैं. पर युवा मोर्चा संभालना और मुख्यधारा के संगठन को संभालना दो अलग-अलग बात है, ऐसे में नितिन के सामने बड़े और दिग्गज नेताओं से भरी बीजेपी को संभालना बड़ी चुनौती होगी. वैसे बीजेपी कैडर आधारित पार्टी है, लिहाजा यह भी माना जा सकता है कि उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं होनी है. बीजेपी के जानकारों का तर्क है कि नितिन को राष्ट्रीय भूमिका देकर पार्टी ने एक तरह से पीढ़ीगत बदलाव की शुरुआत की है.

हाल के दिनों में बीजेपी में पिछड़ा नेतृत्व पर कुछ ज्यादा ही फोकस किया गया. इससे बीजेपी का पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक दबे स्वर से नाराजगी भी जाहिर करता रहा है. विराट उभार से पहले बीजेपी को ब्राह्मण-बनिया की पार्टी भी कहा जाता था. इसमें कायस्थ और किंचित क्षत्रिय वर्ग भी जुड़ा हुआ था. नितिन नबीन इन्हीं में से ये एक कायस्थ वर्ग से आते हैं. वैसे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पाटलिपुत्र से कायस्थ उम्मीदवार न देने की वजह से बीजेपी का कायस्थ वोटर किंचित नाराज भी दिखा था. इस संदर्भ को देखते हुए एक वर्ग कह रहा है कि नितिन को केंद्रीय नेतृत्व सौंपकर बीजेपी ने अपने पारंपरिक सवर्ण मतदाता वर्ग को साधने की कोशिश की है. वैसे कुछ लोगों का यह भी मानना है कि नितिन की ताजपोशी आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव को भी ध्यान में रखकर की गयी है. पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक कायस्थ समाज का दबदबा रहा है. नितिन के जरिये बंगाल के इस वर्ग के वोटरों को भी पार्टी ने बड़ा संदेश दिया है. उन्हें नेतृत्व सौंपे जाने को लेकर कुछ महीने पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भाजपा को मिले संकेतों का भी जिक्र किया जा रहा है. संघ ने बीजेपी को संकेत दिया था कि वह पिछड़े-दलित आदि को शासन और प्रशासन से मिले फायदों का जिक्र भले ही करे, लेकिन संगठन के मामलों में जातीय आधार पर फैसले न ले. वह संगठन की भूमिकाएं तय करते वक्त कार्यकर्ता भाव और उसकी संगठन क्षमता व निष्ठा को भी देखे. नितिन नबीन की नियुक्ति को इस निकष पर भी कसा जा सकता है. नितिन पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रहे हैं. संगठन ने जो भी भूमिका सौंपी, उसे संगठन के लिहाज से पूरा करने की कोशिश की है. छत्तीसगढ़ राज्य में बीजेपी की पिछली जीत ने उनके संगठन कौशल की ओर झांकने का मौका दिया. कह सकते हैं कि नितिन नबीन की नियुक्ति के पीछे ये भी कारण रहे होंगे।

बीजेपी अक्सर दावा करती है कि वह पढ़े-लिखे लोगों को तवज्जो देती है. इस आधार पर नितिन नबीन को लेकर बीजेपी असहज हो सकती है, क्योंकि वे महज बारहवीं पास हैं. बीजेपी अक्सर वंशवाद का विरोध करती है. जब पार्टी के अंदर के वंशवाद पर विपक्षी खेमे से सवाल उठता रहा, तब पार्टी का तर्क होता था कि शीर्ष पर उसके यहां वंशवाद नहीं रहा. नितिन के संदर्भ में वह क्या जवाब देगी, यह देखना महत्वपूर्ण रहेगा. क्योंकि नितिन के पिता नवीन किशोर सिन्हा बिहार बीजेपी के कद्दावर नेता रहे हैं. आखिर में एक और तथ्य की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए, वर्ष 1959 में जब दिग्गज नेताओं के रहते हुए भी कांग्रेस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी को अध्यक्ष बनाया, तब इंदिरा की उम्र महज 42 वर्ष थी. ठीक 66 वर्ष बाद आज की सत्ताधारी बीजेपी ने 45 वर्ष के नितिन नबीन पर भरोसा जताया है. नितिन आगे और कितनी ऊंचाई पर जायेंगे, यह देखने के लिए इंतजार करना होगा।

-उमेश चतुर्वेदी वरिष्ठ पत्रकार
(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से मंगलवार को तिलहनों में सरसो बाजार नरमी के रहे। सोयाबीन में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में पूछपरख रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को सरसो में ऊपरी स्तरों पर पूछपरख कमजोर रहने से भावों में नरमी रही। सोयाबीन बाजार बने रहे। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। उधर, किराना जिंसों में सूखे मेवों में पूछपरख से भावों में मजबूती आयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4060, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोंनिया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2500-2600, (200) 2400-2600, (250) 2600-2800

तेल- सींगदाना 1510-1530, मुम्बई 1520, राजकोट तेलिया 2390, सोया साल्वेंट 1190-1195, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1220, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450-1475, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700, एवरेज 5600-5650, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कम हीरहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 187000, चाँदी (99) 186000, टंच 185500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 132000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में सफलता न मिलने और विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली के चलते रुपया मंगलवार को 90.87 प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.77-90.87 के दायरे में कारोबार करता रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि घरेलू मुद्रा में और गिरावट को रोका। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.78 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.27 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 533, निफ्टी 167 अंक गिरा

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रियल्टी और बैंकिंग स्टॉक्स में हुई बिकवाली से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 533.50 अंक टूटकर 84,679.86 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.20 अंक फिसलकर 25,860.10 पर रहा था। आज आईटी और बैंकिंग शेयरों के कारण बाजार पर दबाव आया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.84 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 1.23 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी, इन्फ्रा और पीएसई इंडेक्स में दबाव रहा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी मीडिया इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे थे जबकि एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व,

टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, सन फार्मा, एलएंडटी, पावर ग्रिड, एचयूएल, बीईएल, एसबीआई, मारुति सुजुकी के शेयर नुकसान में रहे। बीएसई पर 1,654 शेयर आज लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 2,523 शेयर लाल गिरावट पर रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स गिरावट के साथ 85,025 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 356.17 अंक की गिरावट के साथ 84,857.19 अंक पर कारोबार कर रहा निफ्टी-50 भी बड़ी गिरावट के साथ 25,951 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही इसमें कमजोरी देखी गई जिसके बाद निफ्टी 105.35 अंक की गिरावट के साथ 25,919 अंक पर कारोबार करता नजर आया। एशियाई शेयर बाजार में आज गिरावट रही। एशिया के शेयर बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इसकी वजह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.27 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगातार दूसरे सेशन में नुकसान में रहा और 0.75 फीसदी नीचे आया। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग सपाट रहा। अमेरिका में बाजार गिरावट के साथ बंद- अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 शुरुआती बढ़त गंवाकर 0.16 फीसदी गिरा।

राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025- काम-जीवन संतुलन पर नई बहस

नई दिल्ली ।एजेंसी। लोक सभा में सांसद सुप्रिया सुले द्वारा 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' पेश किए जाने के साथ काम और निजी जीवन के संतुलन को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। यह निजी विधेयक निजी कंपनियों पर लागू होगा और उन नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान करता है, जो कर्मचारियों से तयशुदा कार्य घंटों से अधिक काम करने का दबाव डालते हैं। निजी विधेयक होने के कारण इसके पारित होने की संभावना भले ही कम हो, लेकिन इसने लंबे काम के घंटे और कर्मचारियों के शोषण जैसे मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है, जब देश में नए श्रम कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर्स, एमएसएमई कर्मचारियों और न्यूनतम वेतन पाने वाले कामगारों सहित सभी श्रेणियों के लिए सप्ताह में 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, 2024 में भारत दुनिया की सबसे अधिक काम करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा, जहां औसतन 45.7 घंटे प्रति सप्ताह काम किया गया। इंडीड-सेंससवाइड के एक सर्वे में 79 प्रतिशत लोगों ने 'राइट टू डिसकनेक्ट' नीति को सकारात्मक बताया, लेकिन 88 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उनसे तय समय के बाद भी काम कराया जाता है। इस बढ़ते दबाव के कारण पेशेवरों में नौकरी छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

गूगल ने भारत में एआई परियोजनाओं के लिए 80 लाख डॉलर का निवेश किया

नई दिल्ली ।एजेंसी। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को भारत में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और टिकाऊ शहरों के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए वह 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देगा। गूगल ने भारतीय भाषाओं के समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप्स ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया। इसका उद्देश्य भारत की भाषाई विविधता के लिए एआई मॉडल तैयार करना है। स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि दी जाएगी। गूगल का कहना है कि यह कदम भारत में एआई के समावेशी विकास को मजबूत करेगा। गूगल ने 'मेडगेम्मा' आधारित स्वास्थ्य मॉडल के विकास के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके साथ ही अजना लेंस भारतीय त्वचा विज्ञान और ओपीडी ट्रायजिंग में भारत-विशिष्ट मॉडल तैयार करेगी, जिसमें एआईआईएमएस के विशेषज्ञ सहयोग करेंगे। आईआईएससी के शोधकर्ता और चिकित्सक भी नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआई मॉडल की संभावनाओं का अध्ययन करेंगे। गूगल ने आईआईटी मुंबई में नया भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक एआई प्रगति भारत की भाषाई विविधता के अनुकूल हो।

मेष- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी बात के लिए झूठा साबित किया जा सकता है। यदि ऐसा हो, तो आप अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें। आपका बिजनेस पहले से ग्रो करेगा, जो आपको खुशी देगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए समस्याओं पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप इधर-उधर के कामों पर ज्यादा ध्यान लगाएंगे, जिससे आपके कामों के लटकने की संभावना है। आपको अपनी योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर न करें, नहीं तो कोई इसका फायदा उठा सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों के लिए कोई पुरस्कार मिल सकता है, उन्हें किसी बड़े नेता से भी मिलने का मौका मिलेगा। संतान पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिसे देखकर आपको खुशी होगी। संतान कोई स्कॉलरशिप से संबंधित एग्जाम की भी तैयारी कर सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है। दीर्घकालीन योजना को गति मिलेगी। आपको कोई पुरस्कार मिलने से आपका मन खुश रहेगा। पिताजी को आपके किसी किए गए काम पर गर्व होगा। आपके परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपकी कोई सहयोगी आपके कामों में आपका पूरा साथ देगी। यदि आप नौकरी बदलने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो आपको कोई ऑफर आ सकता है। यदि आपने किसी प्रॉपर्टी को लेकर कोई लोन अप्लाई किया है, तो उसके लिए आपको मिलने की पूरी संभावना है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की आप योजना बना सकते हैं। संतान की शिक्षा को लेकर आप उनके गुरुजनों से बातचीत करेंगे, क्योंकि उनके मनमाने व्यवहार के कारण आपको थोड़ी टेंशन रहेगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको अपने पिताजी की कोई बात लग बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। यदि आपने किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाई, तो उसका पूरा होने में आपको समस्या अवश्य आएगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी माता जी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। आपको कार्यक्षेत्र में कोई पुरस्कार मिलने से आपका मन खुश रहेगा। आपके परिवार में आज जश्न का आयोजन हो सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो उसके भी पूरा होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में भी आपको प्रमोशन जैसी कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आप अपने घर की साफ-सफाई व रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत में उतार चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपकी कोई पुरानी समस्याओं उभर सकती हैं। आप काम को लेकर कहीं बाहर जाने की प्लानिंग करेंगे। जीवनसाथी से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आपके परिवार में कोई समस्या फिर से उभर सकती है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने कामों में तरक्की को लेकर परिवार के सदस्य भी खुश रहेंगे। विद्यार्थियों ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम बेहतर आ सकते हैं। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की साख चारों ओर फैलेगी, क्योंकि उनके कामों से उन्हें कोई नहीं पहचान मिलेगी। आपको अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा, जिसमें आप पुराने गिले शिकवे न उखाड़े।

मीन- आज का दिन आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि लेकर लेकर आने वाला है। धार्मिक कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको अपने ज्ञान को केंद्रित करके कामों को करना होग। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेंगी। आप किसी के प्रति ईर्ष्या की भावना ना रखें। किसी काम को लेकर यदि आपने जल्दबाजी दिखाई, तो गड़बड़ी हो सकती है।

शब्दजाल - 8112

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

शब्द जाल में 10 जंगली जानवरों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

शेर, लोमड़ी, सियार, भालू, खरगोश, अजगर, चीता, तेंदुआ, हिरण, नीलगाय

शब्दजाल - 8111 का हल

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये
दा	दा	दा	धा	हा	क	प	हा	दा	र	दा
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	धनु	06.30 बजे से
चंद्र	तुला में	मकर	08.39 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.25 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	11.58 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.29 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.09 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.07 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.20 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.36 बजे से
राहुकाल		कन्या	23.48 बजे से
12.00 से 1.30		तुला	01.59 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	04.14 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 351 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 17.12 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 14.17 बजे को समाप्त। **करण** गर 13.16 बजे तदनन्तर वणिज 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 21' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872561 **जूलियन दिन** 2461026.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 25 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7056

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

फिल्म वर्ग पहेली- 7055

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः इंसान का फर्ज

समरकंद के शासक उमर शेख नेकदिल और न्यायप्रिय थे। एक बार चीनी यात्रियों का एक दल उनके राज्य की सीमा में बर्फीले तूफान में फंस गया। किसी की जान न बच पाई। उन यात्रियों का सामान व बहुत सारा धन वहीं दबा रह गया। उमर शेख को जब इसका पता चला तो उन्होंने अपने सैनिकों को सामान व धन की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया। इसके बाद उन्होंने चीन के सम्राट के पास सूचना भिजवाई कि उनके कुछ नागरिकों की यहां मृत्यु हो गई है और उनका काफी सारा धन एवं सामान वहां पर मिला है जिसे उन्होंने सुरक्षित अपने पास जमा करा लिया है। उन्होंने चीनी शासक से अनुरोध किया कि वह अपने कर्मचारियों को समरकंद भेजें ताकि मृत यात्रियों की चीजें उनके परिजनों तक पहुंचाई जा सकें। चीनी सम्राट यह जानकर बेहद दुखी हुआ लेकिन उसे यह जानकर प्रसन्नता भी हुई कि समरकंद के शासक में नेकी और परोपकार की भावना कूट - कूट कर भरी है। उसने संदेश मिलते ही अपने सैनिकों को वह सामान व धन वापस लाने के लिए भेजा और बाद में स्वयं भी उमर शेख से मिलने पहुंचा। वह उमर शेख से मिलकर भावुक होकर उनके गले लग गया और बोला, 'धन्य हैं आप जैसे लोग जिनके दिल में नेकी और परोपकार जीवित है।' यह सुनकर उमर शेख बोले, 'हमने तो सिर्फ इंसानियत निभाई है। ऐसी इंसानियत प्रत्येक इंसान को निभानी चाहिए।' यह सुनकर चीनी शासक के मुंह से स्वत : निकला, 'आप सही कहते हैं। मैं भी आगे से कोशिश करूंगा कि मेरे अंदर भी ऐसी भावनाएं आएं।'

सूडोकु नवताल- 7365

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7364 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 8580

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8579 का हल

त	मा	शा	ई		ह	जा	म	त
ल	ता		मा	ज	रा		त	ह
बा			न		र	न		री
र	ह	न		न	त	म	स्त	क
		शे		य		की		
ना	मु	म	कि	न		न	मा	ज
बा		न	फा		स			रु
कि	म		य	म	न		द	र
फि	त	र	त		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी कृषि उपज उपमंडी में गुड़ के अवैध परिवहन पर कार्रवाई कर 33,960 रुपये का दांडिक शुल्क वसूला

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव मनीष मरावी के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी के मार्गदर्शन में उपमंडी लांजी की टीम ने चेक पोस्ट कुल्पा पर सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान गुड़ के अवैध परिवहन का एक मामला पकड़ा गया, जिसमें नियमानुसार पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क की कार्रवाई की गई। निरीक्षण टीम में सहायक उप निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, नेलचंद बारबुदे और विनोद बंसोड़ शामिल थे। टीम को वाहन क्रमांक छ्त्त-04-PZ-9886 में 129 क्विंटल गुड़ लदा हुआ मिला, जो महकेपार (तिरोड़ी) स्थित श्री ममता ट्रेडर्स से छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के लिए जा रहा था। वाहन में मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं होने के कारण यह परिवहन अवैध पाया गया। नियमों के तहत पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क के रूप में कुल 33,960 रुपये की राशि मौके पर वसूल की गई और इसे सरकारी खजाने में जमा कराया गया। इस कार्रवाई में पुलिस थाना लांजी के आरक्षक रूपसिंह रावत, कोटवार सुभाष ऊके (बापड़ी) और राजेंद्र खोबरागड़े (कुल्पा) का सराहनीय योगदान रहा। अपील- मंडी समिति ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि कोई भी व्यापारी बिना अनुज्ञा पत्र या बिल के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन किसी भी स्थिति में न करें। ऐसा करने पर कड़ी दांडिक कार्रवाई की जाएगी। व्यापारी नियमित अनुज्ञा पत्र प्राप्त कर कानूनी परिवहन सुनिश्चित करें।

गायत्री शक्तिपीठ का 44 वां स्थापना दिवस समारोह कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। गायत्री परिवार ट्रस्ट लांजी द्वारा कल 18 दिसम्बर को मां गायत्री शक्तिपीठ का 44 वॉ स्थापना दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जावेगा। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी मंदिर स्थापना दिवस पर गायत्री परिवार ट्रस्ट शक्तिपीठ लांजी द्वारा कल 18 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से 2 बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसके तहत गायत्री महायज्ञ, विविध संस्कार एवं महाप्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस संबंध में गायत्री शक्तिपीठ लांजी के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी में बताया कि 18 दिसम्बर 1981 को अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि तपोनिष्ठ आचार्य पं.श्रीराम शर्माजी द्वारा मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी में आद्यशक्ति मां गायत्री के प्रतिमाओं की स्थापना कर प्राणप्रतिष्ठा की गई थी। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 18 दिसम्बर को माँ गायत्री शक्तिपीठ लांजी का वार्षिकोत्सव मनाया जाता है। ब्लाक गायत्री परिवार ट्रस्ट, गायत्री शक्तिपीठ लांजी द्वारा इस कार्यक्रम में नगर व क्षेत्र के सभी प्रज्ञा मण्डल, महिला मण्डल, युवा मण्डल, सभी अखण्ड ज्योति, युग निर्माण योजना पत्रिका व प्रज्ञा

अभियान पाक्षिक के पाठकगण, सभी अंशदानी, दानदाता, समयदानी एवं गणमान्य नागरिकों से ब्लाक गायत्री परिवार ट्रस्ट शक्तिपीठ लांजी द्वारा सभी से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

लालबर्रा को हराकर स्टार बॉयस बड़गांव ने जीता कबड्डी का फाइनल मुकाबला

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम बड़गांव म में नवोदय नवयुवक कबड्डी क्लब बड़गांव द्वारा 14 और

15 दिसंबर को 2 दिवसीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश तीनों राज्यों की 15 टीमों ने हिस्सा लिया। कड़ाके की ठंड में भी दर्शन मैदान में देर रात तक मैच देखने डटे रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ माही नुमेंद्र भगत सरपंच एवं समस्त ग्रामवासियों के आतिथ्य में हुआ। शुभारंभ अवसर पर यंग स्टार बड़गांव एवं सेवन स्टार रामूटोला की टीमों के बीच मुकाबला हुआ।

स्टार बॉयस बड़गांव व लालबर्रा के बीच हुआ खिताबी मुकाबला

प्रतियोगिता का समापन 15 दिसंबर को राजकुमार कर्राहे विधायक, ऋषि पटेल दशरिया सरपंच ग्राम पंचायत वारी, विजय मस्करे पूर्व सरपंच चिचोली, जितेंद्र बम्बूरे, राजकुमार रघुवंशी, सुरेंद्र चिखले सहायक प्राध्यापक, रामजी लिल्हारे एवं समस्त ग्रामीणजनों के आतिथ्य में हुआ। सेमीफाइनल मुकाबला खैरागढ़ और लालबर्रा के बीच खेला गया। जिसमें 8 अंकों के साथ लालबर्रा टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। वहीं फाइनल मुकाबले में स्टार बॉयस बड़गांव ने लालबर्रा को 6 अंकों से परास्त कर विजेता बनीं। विजेता टीम बड़गांव को 25000, उपविजेता टीम लालबर्रा को 15000 को और तृतीय पुरस्कार खैरागढ़ को 10000 रुपए देकर सम्मानित किया गया।

इन टीमों ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में स्टार बॉयस बड़गांव, लालबर्रा, खैरागढ़, भिलाई, डोंगरगढ़, गोंदिया, चुटिया, बालाघाट, बोथली, बिरनपुर, कावराबांध, बोरडी, रामूटोला, मनेरी, लांजी सहित अन्य टीमों ने हिस्सा लिया।

सफल बनाने में इनका रहा योगदान

प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजक समिति नवोदय नवयुवक कबड्डी क्लब बड़गांव के अध्यक्ष रामप्रसाद चिखले, उपाध्यक्ष नुमेंद्र भगत, सचिव सिद्धार्थ फूलमारे, सहसचिव दौलत साउसकार, कोषाध्यक्ष भूपेन्द्र लिल्हारे, सहकोषध्यक्ष भागवत नगपुरे, प्रतियोगिता सलाहकार हरिश फूलमारे, महिपाल पुंगड़े व समस्त आयोजक समिति के सदस्य गणों और ग्रामवासियों का योगदान रहा।

एकल संच अभियान आचार्यों का 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल संच अभियान द्वारा दुरस्त अंचलों में शिक्षा एवं संस्कार देने वाले आचार्यो का 6 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 दिसम्बर को सम्पन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण शिविर बाल भाऊ देवरस शिशु मंदिर के सभागार में वरिष्ठ मार्ग दर्शक सुखपाल भर्रे, योगेन्द्र दहीकर खण्ड कार्यवाह, चुन्नीलाल बोपचे प्राचार्य, परमेश्वर कुथे सचिव एकल संच, विशाल खोंगल उपाध्यक्ष एकल संच के आतिथ्य एवं झनकार किरनापुरे अध्यक्ष एकल संच अभियान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता की पूजा अर्चना से किया गया। अतिथि परिचय पश्चात वक्ताओं ने प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं इससे समाज को मिलने वाले अन्तोदय लाभ के बारे में विस्तार से अपने अपने विचार रखे। संच के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने मातृ शक्ति को प्रणाम करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत आप लोगों में भारत माता के भाव दिखाई दे रहे हैं और हमारा भारत है कि सबके सहयोग से समाज के कार्य सम्पन्न हो जाते हैं। जब जब अच्छे कार्य होने होते हैं तो ईश्वर भी साथ चलते हैं। इस तरह के प्रशिक्षण से आपके और हमारे बीच आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता का भाव जागता है। परमपूज्य बालासाहेब एवं भाऊरावजी जैसे पवित्र आत्मा जिनकी दुरदष्टि एवं सोच को लेकर जो कार्य किए जा रहे हैं, उसे हमें आगे बढ़ना होगा।

जिनकी सोच भारत को जग सिरमौर बनाने से लेकर अंत्योदय वाली है। आपने कहां कि संच से उपस्थित आचार्य समाज में रचनात्मक कार्य कर ऐसा आदर्श प्रस्तुत करे कि पुरे देश में लांजी संच माडल बने। कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नही होता, हिम्मत व सोच चाहिए। उर्जा के साथ साथ अनुशासन का पालन करते हुए जागृति, आत्मविश्वास व समर्पण की भावना से कार्य करे तो आप स्वयं खुश रहकर समाज को दिशा प्रदान कर सकते हैं।कार्यक्रम का संचालन यशंवत मरावी द्वारा एवं आभार प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने व्यक्त किया।

जाना योग, ध्यान, सुदर्शन क्रिया

इस छः दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित आचार्य एवं अन्य लोगों ने प्रातः एवं संध्या बेला में योग, ध्यान, सुदर्शन क्रिया के तहत हैप्पीनेस प्रोग्राम में भाग लेकर अपने को धन्य माना। प्रशिक्षक भानू प्रताप रवाण्डे एवं सचिन गव्हाने द्वारा जीवन जीने की कला के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में रहे उपस्थित

शिविर के समापन में प्रमुख रूप से महिला संच से श्रीमती लता किरनापुरे, ज्योति दुरुगकर, रीना उपराड़े, लक्ष्मी किरनापुरे, वीणा उपराड़े, जितेन्द्रीय बड़घैया, अनिता बोपचे के अलावा संच समिति से उमाकांत उपराड़े, कृष्णा खोबरागड़े, सुभाष उरखेड़े, नेहल गौतम तथा थानेश्वर रणदिवे, लिखेन्द्र मेहरकर, यशवंत सिंह मेरावी, संच प्रमुख रामप्रसाद राहंगडाले, अभियान प्रमुख दुर्योधन लिल्हारे, गतिविधि प्रमुख श्याम कुमार दुफारे, आंचल व्यास, संजय धारवैया प्राथमिक शिक्षा प्रमुख, अंकित डोरे संच व्यास आदि उपस्थित रहे।

विधानसभा क्रिकेट लीग 2026- खिलाड़ियों का ऑक्शन आज, 9 जनवरी से प्रारंभ होगा टूर्नामेंट

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका प्रदान करने के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट विधानसभा क्रिकेट लीग (ङ्कष्टरु) 2026 का आयोजन आईपीएल की तर्ज पर किया जा रहा है। इस लीग के तीसरे सीजन में 100 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जो आज होने वाले ऑक्शन में हिस्सा लेंगे। पंजीकरण पूरा होने के बाद 10 टीम स्पॉन्सर निर्धारित पॉइंट्स के आधार पर बोली लगाकर खिलाड़ियों का चयन करेंगे।

पुरस्कार राशि और सम्मान

विजेता टीम- 1 लाख 11 हजार रुपये नकद, ट्रॉफी और शील्ड। उपविजेता टीम- 51 हजार 1 रुपये नकद, ट्रॉफी और शील्ड। व्यक्तिगत पुरस्कार- मैन ऑफ द टूर्नामेंट, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर और हर मैच का मैन ऑफ द मैच।

टीम VCL द्वारा खिलाड़ियों को मिलेगा दैनिक भत्ता

लीग के रोमांच को देखते हुए खिलाड़ियों को कई मैच खेलने पड़ते हैं, जिसमें यात्रा का खर्च भी शामिल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए टीम VCL अपने चुने गए खिलाड़ियों को लीग मैचों के लिए प्रतिदिन 300 रुपये दैनिक भत्ता प्रदान करेगी। बालाघाट जिले में यह पहला क्रिकेट टूर्नामेंट है, जिसमें खिलाड़ियों को आयोजकों द्वारा दैनिक भत्ता दिया जा रहा है। यह भत्ता हारने या जितने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रतिदिन प्रदाय किया जाएगा।

एक अनूठी प्रतियोगिता- तीसरा सीजन

विधानसभा क्रिकेट लीग स्थानीय खिलाड़ियों को बड़ा मंच प्रदान करती है। यहां लांजी-किरनापुर क्षेत्र के खिलाड़ी जिले और बाहर के खिलाड़ियों के साथ मिलकर मजबूत टीमें बनाते हैं। हर टीम में आमतौर पर 5 खिलाड़ी अन्य ब्लॉक से और बाकी स्थानीय होते हैं, जिससे संतुलित और रोमांचक मुकाबले होते हैं। शुरुआत में कोई अनुमान नहीं लगा पाता कि विजेता कौन बनेगी—यही इस लीग की सबसे बड़ी खासियत है, जो दर्शकों को भी आकर्षित करती है। टूर्नामेंट का आगाज 9 जनवरी 2026 से वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम, लांजी में होगा। आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों में गौरव बैस, राकेश रामटेक्कर, दिनु उईके, मनीष अतकरे, तहसीन खान, देवा भंडारकर, अजीम बन्देली, योगेश जुझार, जय श्रीवास्तव, आसिष नागेस्वर, सुभाष आसटकर, आयुष सोमनकर, परितोष गिरिया, नितेश रणदिवे, इन्द्राज सहारे, संदीप पारधी, गगनदीप उईके, राहुल हरदे, सुजीत मेश्राम, अनूप मेरावी, केदार बिल्हारे, विकास मोंटू सातपुते, विजय दुरुगकर, त्रिलोक भावे, चंदन यादव, नीरज दहिकर, विकास देवाहे, गज्जू मस्करे, फिरोज कबीरे, बिट्टू राजपूत शामिल हैं।

एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ ने नक्सल प्रभावित देवरबेली में की जनसुनवाई

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया निराकरण

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं खंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा 16 दिसम्बर को तहसील के अति दूरस्थ व वनांचल गांव देवरबेली में लांजी एसडीएम कमल सिंहसार द्वारा खंड स्तरीय अधिकारियों के साथ शिविर लगाकर जनसुनवाई की एवं उनका निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व विभाग से अनुभाग अधिकारी राजस्व कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, राजस्व निरीक्षक भूपेंद्र अहिरवार एवं हल्का पटवारी उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग से श्रीमती लता वर्मा, स्वास्थ्य विभाग से बीएमओ अक्षय उपराड़े, सहकारिता विभाग से श्री परस्ते, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से सहायक यंत्री तारेंद्र परते एवं बीपीओ लेखराम रामटेक्कर, सचिव एवं सहायक सचिव तथा जनजाति कार्य विभाग व जिला योजना कार्यालय से अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं से अवगत कराया और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने का प्रयास किया। शिविर के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 4

हितग्राहियों को योजना का लाभ मौके पर प्रदाय किया गया। इसके अलावा आवासीय योजनाओं से संबंधित 11 हितग्राहियों के आवेदन, 1 नामांतरण एवं 1 बंटवारा संबंधी आवेदन प्राप्त किए गए, जिन पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों ने इस जनसुनवाई शिविर की सराहना की और कहा कि इससे उनकी समस्याओं का निराकरण घर द्वार पर ही हो रहा है। आयोजन से गांव के लोगों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी है।

नेशनल लोक अदालत के मध्यस्थों को प्रमाणपत्र वितरित

लांजी तहसील से डॉ. देवेश एड़े एवं डॉ. सुचिता एड़े नियुक्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला न्यायालय बालाघाट में नेशनल लोक अदालत के अवसर पर विवादों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण हेतु मध्यस्थता प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से माननीय न्यायाधीश श्री प्रमेश प्राण द्वारा मध्यस्थों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। संपूर्ण जिले की प्रत्येक तहसील से उन व्यक्तियों का चयन किया गया, जिन्हें सामाजिक क्षेत्र में लंबा कार्यानुभव प्राप्त है। पिछले माह बालाघाट में इन चयनित व्यक्तियों को तीन दिवसीय विशेष मध्यस्थता प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इस प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर उन्हें लोक अदालत में विवाद निराकरण के लिए मध्यस्थ के रूप में अधिकृत किया गया। इसी कड़ी में लांजी तहसील से डॉ. देवेश एड़े एवं डॉ. सुचिता एड़े ने विगत दिनों आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और माननीय न्यायाधीश श्री प्रमेश प्राण द्वारा उन्हें मध्यस्थ नियुक्त किया गया। इस अवसर को प्रदान करने के लिए डॉ. देवेश एड़े एवं डॉ. सुचिता एड़े ने बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सांसद जी के सहयोग एवं प्रोत्साहन से क्षेत्र में न्यायिक प्रक्रियाओं को और अधिक सुलभ बनाने में मदद मिल रही है। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से मध्यस्थता प्रक्रिया से हजारों मामलों का त्वरित निराकरण संभव हो पाता है, जिससे न्याय व्यवस्था पर बोझ कम होता है और पक्षकारों को शीघ्र राहत मिलती है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र सरकार का बड़ा फैसला... कर्मचारियों की 7 कैटेगरी खत्म

मप्र में अब नहीं होंगे दैवेभो-स्थायीकर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने कर्मचारियों की 7 कैटेगरी (दैनिक वेतन भोगी, अंशकालीन, कार्यभारित, स्थायीकर्मी सहित अन्य) समाप्त कर दी हैं। अब सिर्फ तीन कैटेगरी रहेंगी, इनमें नियमित, संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी शामिल हैं। मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब स्थायी और अस्थायी कैटेगरी नहीं रहेगी। क्योंकि इनकी सेवा शर्तें, वेतन और पेंशन समान हैं।

कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि वर्तमान में कार्यरत कार्यभारित कर्मचारी की सेवाकाल में मृत्यु होने पर उसके आश्रित को नियमित पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। इस संबंध में अभी ऐसा प्रावधान नहीं था। जिन कैटेगरी को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है, वे अपने सेवाकाल तक कार्य करते रहेंगे।

उनके रिटायर होते ही वह पद स्वत: समाप्त हो जाएगा। यदि विभाग कर्मचारी की डिमांड करता है, तो उस पद के विरुद्ध नियमित पद का सृजन किया जाएगा और भर्ती की जाएगी। बता दें कि दिग्विजय सरकार ने साल 2001 में दैनिक वेतन भोगी के पद समाप्त किए थे।

कोर्ट में नहीं बताना पड़ेगी कैटेगरी

सरकार का कहना है कि अभी न्यायालयीन प्रकरणों में अलग-अलग पदों की वजह से काफी गफलत होती है। नई व्यवस्था लागू होने और संबंधित पद समाप्त होने के बाद कोर्ट को यह बताना नहीं पड़ेगा कि कर्मचारी किस कैटेगरी का है। इससे बार-बार सुनवाई से सरकार बच सकेगी। उधर, स्थायी और अस्थायी का अंतर खत्म करने के बाद विभागों को हर साल अस्थायी पदों के लिए कैबिनेट से मंजूरी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

नियमित और संविदा पर रहेगा फोकस

सरकार ने साफ कर दिया है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद नियमित और संविदा कर्मचारियों पर ही फोकस रहेगा। दरअसल, आउटसोर्स कर्मचारी सरकार के कर्मचारी ही नहीं हैं। इन कर्मचारियों की सेवाएं सरकार कंपनियों के माध्यम से लेती है।

मेट्रो के लिए 90.67 करोड़ का प्रावधान

भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के संचालन व रखरखाव के लिए राज्य सरकार ने 90.67 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इस राशि से मेट्रो संचालन में होने वाले खर्च की व्यवस्था की जाएगी। प्रस्ताव नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रस्तुत किया। इस योजना में प्रावधान है कि आमदनी और व्यय का खर्च राज्य शासन को उठाना पड़ता है। इसलिए कैबिनेट ने यह राशि मंजूर की है।

भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए 90 करोड़ 67 लाख रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखने की स्वीकृति

वन विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए 48 करोड़ रूपये की स्वीकृति

स्वीकृत अस्थायी पदों को स्थायी पदों में परिवर्तित करने के प्रावधान की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में वंदे मातरम गान के साथ शुरू हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा अनूपपुर, मंडला और डिंडोरी जिलों में अपर नर्मदा परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना और बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना के डूब प्रभावितों के लिए 1,782 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज स्वीकृत किया गया। परियोजनाओं के डूब प्रभावितों के लिए डीपीआर में प्रावधानित 1656 करोड़ 2 लाख रुपये के अतिरिक्त 1,782 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज स्वीकृत किया गया है। उल्लेखनीय है कि अपर नर्मदा परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना और बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना 5,512 करोड़ 11 लाख रुपये की है। इससे 71 हजार 967 हेक्टेयर की सिंचाई सुविधा और 125 मेगावाट विद्युत उत्पादन प्रावधानित है। इन तीनों परियोजनाओं से कुल 13 हजार 873 परिवार प्रभावित होंगे, जिन्हें विशेष पैकेज अनुसार निर्धारित मुआवजा प्रति परिवार 12.50 लाख रुपये दिया जायेगा। इसके अलावा 50 हजार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों को अतिरिक्त राशि मुआवजा के रूप में देय होगा।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के कार्यों को अनुमति

मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना में विभाग में 10 लाख या उससे अधिक लागत राशि के कार्य स्वीकृत किए जाने की अनुमति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार 693 करोड़ 76 लाख रूपये की लागत के लगभग 3810 कार्य पूर्ण किए जा सकेंगे।

मेट्रो रेल परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए राशि स्वीकृत

मंत्रि-परिषद द्वारा भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व मद में 90 करोड़ 67 लाख रुपये के बजट की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखे जाने और योजना के तहत 905 करोड़ 25 लाख रुपये के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि योजना के तहत प्रदेश के 18-45 वर्ष के स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के लिए 50 हजार से 50 लाख रुपये तक का ऋण बैंक द्वारा स्वीकृत किया जाता है। शासन द्वारा 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज अनुदान और 07 वर्ष तक ऋण गारंटी फीस अनुदान दिया जाता है।

वन विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए राशि स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक राज्य में 6 वन विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए 48 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार प्रदेश में वन क्षेत्र के बाहर वानिकी विस्तार गतिविधियों को बढ़ाने, वन भूमि की उत्पादकता बढ़ाने, काष्ठ के विदोहन से अतिरिक्त आय के साधन के लिए जागरूकता बढ़ाने, वृक्ष खेती को बढ़ावा देने और कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन विज्ञान केंद्र की स्थापना की जा रही है।

दो लाख सरकार दे रही लेकिन 90 हजार तो बाबू ही मांग रहा था रिश्वत, गिरफ्तार

नर्मदापुरम। राज्य सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं में भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा कमीशन का खेल जारी है। लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को जनजातीय कार्य विभाग के बाबू को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा है। इसने अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना की रकम दिलाने के बदले 50 फीसद रिश्वत मांगी थी। मंगलवार शाम लोकायुक्त ने कलेक्ट्रेट स्थित जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ सहायक ग्रेड दो मनोज सोनी को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। बाबू ने अंतर जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत मिलने वाली राशि के बदले रिश्वत की मांग की थी। इस योजना में सरकार हितग्राही को दो लाख रुपये दे रही और 90 हजार रुपये तो बाबू ही मांग रहा है।

परिवीक्षा नियम से कर्मचारियों को लाखों का नुकसान

- संगठन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि लागू करने की मांग की

भोपाल। मध्य प्रदेश में कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी/पूर्व में व्यापम) के माध्यम से भर्ती चतुर्थ और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के वेतन को लेकर कर्मचारी संगठन ने भेदभाव का मुद्दा उठाया है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने आरोप लगाया है कि दिसंबर 2019 के बाद लागू किए गए एक आदेश के कारण समान काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन में भारी अंतर पैदा हो गया है, जिससे तीन वर्षों में कर्मचारियों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है। संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार ने लोक सेवा आयोग (पीएससी) की परीक्षाओं को छोड़कर अन्य माध्यमों से भर्ती होने वाले कर्मचारियों की परिवीक्षा

अवधि दो वर्ष के स्थान पर तीन वर्ष कर दी थी। इस आदेश के तहत नवनियुक्त कर्मचारियों को पहले वर्ष 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन दिया जा रहा है। चौथे वर्ष परिवीक्षा समाप्त होने के बाद ही पूर्ण वेतन मिलता है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि चतुर्थ और तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए पूर्व की तरह दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि लागू की जाए। उनका कहना है कि इससे कर्मचारियों को हो रहा लाखों रुपये का नुकसान रुकेगा और वेतन में व्याप्त असमानता समाप्त होगी। उमाशंकर तिवारी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सरकार इस मुद्दे पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र निर्णय लेगी।

पीएससी और ईएसबी भर्ती में दोहरा मापदंड

तिवारी ने कहा कि यह नियम केवल कर्मचारी चयन मंडल से भर्ती कर्मचारियों पर ही लागू है। वहीं, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित कर्मचारियों को दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के बाद पहले वर्ष से ही 100 प्रतिशत वेतन दिया जाता है। समान कार्य और समान जिम्मेदारी के बावजूद इस तरह का अंतर न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

तीन साल में इतना हो रहा है नुकसान

संघ के अनुसार, जनवरी 2023 में सेवा में आए कर्मचारी को दिसंबर 2025 तक 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन मिलने के कारण बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का मूल वेतन 15,500 रुपये× करीब 1,74,840 रुपये का नुकसान, तृतीय श्रेणी कर्मचारी मूल वेतन 18,000 रुपये = 2,01,540 रुपये, मूल वेतन 19,500 रुपये= 2,19,420 रुपये, मूल वेतन 25,500 रुपये= 2,85,085 रुपये, मूल वेतन 28,700 रुपये= ,23,258 रुपये, मूल वेतन 36,200 रुपये= 4,07,078 रुपये का नुकसान।

एसटीएफ करेगी शिकार मामले की जॉच

भोपाल। वन विभाग की गिरफ्त में आए भोपाल के शिकारी युवक पहले भी जंगली जानवरों का शिकार कर चुके हैं। मोर का शिकार करने से पहले पकड़ा पहला आरोपी गुफरान अहमद है। उसके दूसरा आरोपी मोहम्मद आमिर श्यामला हिल्स में रहता है। दोनों लंटरे के जंगलों में शिकार करने पहुंचे थे। वनकर्मियों की टीम ने आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर पकड़ा था। आरोपियों ने जंगल में अपनी गन से फायर भी किया था। गोली की आवाज सुनने के बाद पुलिस ने उनकी घेराबंदी की। विभाग की टीम ने आरोपियों के पास से टेलीस्कोप लगी एयरगन और 14 सेंटीमीटर लंबा चाकू जब्त किया था। बाद में दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। अधिकारियों का कहना है की मामले की जांच एसटीएफ से कराई जाएगी। आरोपियों की कॉल डिटेल्स निकाली जा रही हैं। इससे अन्य शिकारियों की जानकारी मिल सकती है। गौरतलब है की सागर जिले के राहतगढ़ वन परिक्षेत्र में काले हिरण का शिकार करने वाले भोपाल निवासी दो आरोपियों सहित ओमकार आदिवासी और राजू आदिवासी को पकड़ा था। बाद में तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था। अब इस मामले की जांच एसटीएफ कर रही है।

मप्र के टाइगर रिजर्व में मोबाइल पर प्रतिबंध

कोर क्षेत्र में टूरिस्ट नहीं खींच पाएंगे फोटो-वीडियो, बफर जोन में नाइट सफारी भी की बंद

भोपाल । मध्यप्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में घूमने जाने वाले पर्यटक अब मोबाइल का उपयोग नहीं कर पाएंगे। पर्यटकों को कोर क्षेत्र में घूमने से पहले जिप्सी में गाइड या काउंटर पर मोबाइल जमा कराना होगा। यह रोक 16 दिसम्बर से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, पेंच टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ समेत प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व में लागू हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के 17 नवंबर को दिए गए आदेश के बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) शुभरंजन सेन ने सोमवार को आदेश जारी किए है। जिसमें सभी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक को लिखा कि टाइगर रिजर्व के अंतर्गत पर्यटन क्षेत्र में मोबाइल फोन का उपयोग न किए जाएं। पत्र में उल्लेख किया गया है कि माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा टीएन गोडावर्मन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य प्रकरण में दिनांक 17 नवंबर को निर्णय (जजमेंट) पारित किया गया है। अत: उपरोक्त निर्णय के बिंदु क्रमांक 48.5 के अंतर्गत टाइगर रिजर्व के कोर हैबिटेट के पर्यटन क्षेत्रों में मोबाइल फोन के उपयोग की अनुमति नहीं होगी संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए, इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। यह निर्णय वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनके प्राकृतिक व्यवहार में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है।

कोर्ट के आदेश अनुसार लगाया प्रतिबंध

वन विभाग के अफसरों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार कोर क्षेत्र में पर्यटकों के मोबाइल उपयोग को प्रतिबंध किया है। जंगल में रहने वाले वन्य प्राणी, वन्य जीव के विचरण में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में मई, चूरना और पचमढ़ी पनारपानी कोर क्षेत्र में जंगल सफारी होती है। कोर क्षेत्र में पर्यटक मोबाइल का उपयोग नहीं कर पाएंगे। सभी रेंजर को इस संबंध में निर्देश दें दिए है।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद नाइट सफारी भी की बंद

सुप्रीम कोर्ट के 17 नवंबर को दिए गए आदेश के बाद बफर क्षेत्र में नाइट सफारी भी बंद की गई है। 1 दिसंबर 2025 से प्रदेशभर में रात्रिकालीन सफारी पर पूरी तरह रोक दी गई है। केवल डे और इवनिंग सफारी ही पर्यटकों को कराई जा रही है। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पिपरिया बफर, बागड़ा बफर और देलाखारी बफर क्षेत्रों में दिन में जंगल सफारी होती है।

गेट पर ही मोबाइल रखने की व्यवस्था की जाएगी या जिस जिप्सी में पर्यटक जाएंगे, उसके गाइड के पास मोबाइल बंद कर जमा कराएं जाएंगे। फॉरेस्ट के अफसरों का मानना है कि मोबाइल के उपयोग पर प्रतिबंध लगने से वन्य प्राणियों के लिए तो फायदा होगा ही, साथ ही पर्यटकों के लिए भी होगा। जो केवल जंगल और यहां की वादियों को अच्छे से देख, उसकी अनुभूति कर पाएंगे। वन्य प्राणियों को देख, इसका लुफ्त लेंगे। जंगल सफारी के दौरान मोबाइल के उपयोग से व्यक्ति का दिमाग डाइवर्ट होता है। जिससे वो पूरे मन से सफारी का आनंद नहीं ले पाते है और कई चीजें देखने से चूक जाते है।

4800 करोड़ का बकाया कैसे चुकाएं, सिफारिश करेगा मंत्री समूह

- बिजली उपलब्धता और गांवों के बंद ट्रांसफार्मर चालू करने पर भी सरकार को देगा सुझाव

भोपाल। ऊर्जा विभाग द्वारा विधानसभा चुनाव के पहले 31 अगस्त 2023 की स्थिति में जिन बिजली उपभोक्ताओं के 4800 करोड़ रुपए की बिल वसूली स्थगित की गई थी, उसे बकायादारों से वसूला जाएगा या फिर सरकार को इसकी भरपाई करना चाहिए। इसको लेकर राज्य शासन ने मिनिस्टर ग्रुप का गठन किया है। यह मिनिस्टर रुप बिजली सप्लाई और गांवों में ट्रांसफॉर्मर खराब होने पर उसे बदलने को लेकर नियमों में बदलाव की भी सिफारिश करेगा। मिनिस्टर ग्रुप में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और दो मंत्री शामिल किए गए हैं। राज्य शासन द्वारा विद्युत आपूर्ति एवं इससे जुड़े विषयों पर अपनी अनुशंसा पेश करने के लिए मंत्री समूह का गठन किया गया है। मंत्री समूह में जगदीश देवड़ा उप मुख्यमंत्री, वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, एंव्रल सिंह कंसाना मंत्री किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग और प्रद्युम्न सिंह तोमर मंत्री ऊर्जा विभाग को शामिल किया गया है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा समूह के समन्वयक एवं अपर मुख्य सचिव वित्त विभाग समूह के सह-समन्वयक होंगे। मंत्री समूह वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक सब्सिडी के प्रस्ताव में युक्तियुक्तकरण की स्थिति पर निर्णय लेगा। इसके साथ ही 31 अगस्त 2023 तक के संयोजित भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं के देयकों में अस्थगित की गई 4800 करोड़ रुपए की बकाया राशि को विद्युत वितरण कंपनियों को उपलब्ध कराने या उसकी वसूली के संबंध में निर्णय लेकर सरकार को सिफारिश करेगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत वितरण ट्रांसफॉर्मर के खराब होने पर उसके बदलने के लिए पात्रता नियम में परिवर्तन पर निर्णय के संबंध में अपनी अनुशंसाएं राज्य शासन को देगा।

सिंगरौली में अडानी समूह को बड़े पैमाने पर खनन की छूट दी- कांग्रेस

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस ने सिंगरौली खनन परियोजना को लेकर केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय एआईसीसी में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि सिंगरौली में आदिवासियों, पर्यावरण और स्थानीय आबादी के अधिकारों को नजरअंदाज कर अडानी समूह को बड़े पैमाने पर खनन की छूट दी गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे संस्थागत लूट करार देते हुए कहा कि पहले छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य को उजाड़ा गया और अब मध्यप्रदेश के जंगलों की बारी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री बाला बच्चन सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एक तरफ सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान चलाती है, वहीं दूसरी तरफ हजारों-लाखों पेड़ कटवाने की अनुमति दी जा रही है। पार्टी का दावा है कि सिंगरौली के सुलियारी और धिरौली कोल ब्लॉकों में खनन के लिए करीब 2,672 हेक्टेयर जमीन अडानी को दी गई है, जहां लगभग 6 लाख पेड़ काटे जा रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने महज 204 करोड़ रुपए में अडानी को पूरा जंगल सौंप दिया, जबकि इस क्षेत्र में मौजूद कोयले की कीमत लाखों करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पार्टी ने कहा कि खदान, संचालन और कोयला उत्पादन सब कुछ एक ही कंपनी के हाथ में देकर नियमों की भावना के साथ खिलवाड़ किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सिंगरौली में भूमि अधिग्रहण के दौरान 2013 के कानून को दरकिनार कर कोल बेयरिंग एरिया एक्ट का इस्तेमाल किया गया, जिससे सरकार को जबरन जमीन लेने का अधिकार मिल जाता है।

17 माह बाद भी जेलों में सुधार का कानून लागू नहीं कर पाई सरकार

मप्र के नया जेल एक्ट में कैदियों के लिए कई सुविधाएं, कैदियों की कुंडली के हिसाब से होंगे बैरक

भोपाल। मप्र सरकार जेलों में सुधार के लिए लाए गए कानून को 17 महीने बाद भी लागू नहीं कर पाई है। इस एक्ट में कहा है कि जेलों में व्यवस्था संबंधी बदलाव कर कैदियों के पुनर्वास और समाज में उनके एकीकरण की दिशा में काम किए जाएंगे। सरकार इसके लिए केंद्रीय जेल के साथ जिला और उप जेलों की व्यवस्थाओं में बदलाव भी लाएगी ताकि जेलों में क्षमता से अधिक मौजूद कैदियों, विचाराधीन बंदियों को बैरक, सेल और अन्य सुविधाएं मिल सकें। कैदियों की कुंडली के हिसाब से बैरक भी तय करने की बात नए कानून में कही गई है।

गौरतलब है कि मप्र विधानसभा के जुलाई, 2024 में आयोजित मानसून सत्र में मप्र सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह विधेयक-2024 पारित किया गया था। सरकार ने नया जेल अधिनियम 2 अक्टूबर, 2024 से क्रियान्वित करने की तैयारी की थी। जेल विभाग ने 13 अगस्त 2024 को जारी किए गए आदेश में कहा था कि प्रदेश में गांधी जयंती (2 अक्टूबर 2024) के दिन से मप्र सुधारात्मक सेवाएं और बंदीगृह अधिनियम 2024 को लागू किया जाएगा। यह आदेश सरकार की प्रबंधन संबंधी तैयारियों में कमी के चलते टालना पड़ा था और फिर नए दूसरे नोटिफिकेशन में एक जनवरी 2025 से इसे लागू करने के का कहा गया था। लेकिन अभी भी यह कानून लागू नहीं किया गया है।

अंग्रेजों के जमाने का कानून बदलने में अंग्रेजी आई आड़े

जानकारी के अनुसार, मप्र की जेलों में लागू अंग्रेजों के जमाने का कानून बदलने में फिर अंग्रेजी आड़े आ गई है। दरअसल, विधाय एक्ट के रूल्स (नियम) अंग्रेजी में बनाना भूल गया था, इसलिए इसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया। फिर इस अधिनियम का क्रियान्वयन एक जनवरी, 2025 से किए जाने के संबंध में सरकार ने पुराने नोटिफिकेशन को अधिक्रमित करते हुए गत 30 सितंबर, 2024 को नया नोटिफिकेशन जारी किया था। जेल मुख्यालय निर्धारित समयावधि में अंग्रेजी में एक्ट के रूल्स तैयार नहीं कर पाया, इस कारण इसे एक जनवरी, 2025 से लागू नहीं किया जा सका। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से नए जेल अधिनियम में संशोधन करने का आदेश जारी कर दिया, सरकार करीब साल भर से अधिनियम में संशोधन करने की एक्सरसाइज कर रही है, लेकिन यह काम पूरा नहीं हो पाया है। खास बात यह है कि जुलाई, 2024 में विधानसभा के मानसून सत्र में नया जेल अधिनियम पारित होने के बाद इसे पिछले साल गांधी जयंती (2 अक्टूबर) से लागू करने की तैयारी थी, फिर सरकार ने एक जनवरी, 2025 की तारीख निर्धारित कर दी थी, लेकिन दो गांधी जयंती बीतने के साथ एक जनवरी की दूसरी तारीख आने वाली है, लेकिन सरकार नए जेल अधिनियम को लागू नहीं कर पाई है।

नए अधिनियम में कई सुविधाएं

नए जेल अधिनियम में बंदियों के लिए कई प्रकार की सुविधाएं देने का प्रावधान किया गया है, लेकिन इसके लागू नहीं होने से बंदी इन सुविधाओं से वंचित हैं। जेल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मप्र सुधारात्मक सेवाएं एवं बंदीगृह अधिनियम-2024 वैधानिक प्रक्रिया में उलझ गया है, इसलिए इसका क्रियान्वयन कब तक होगा, इस बारे में निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है। हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एक्ट में संशोधन कर विधेयक फिर से विधानसभा में पेश करना पड़े। अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने जोर दिया है कि नए जेल अधिनियम में कैदियों के मौलिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण होना चाहिए, विशेषकर उनके कानूनी सहायता और मानवाधिकारों से संबंधित प्रावधानों में। कोर्ट ने जेलों में पारदर्शिता बढ़ाने व समिति गठित करने का सुझाव दिया है, ताकि कैदियों के साथ होने वाले व्यवहार की स्वतंत्र जांच सुनिश्चित हो।

विधानसभा के आसपास लागू रहेगी धारा 144

भोपाल। 17 दिसंबर को आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। सत्र के दौरान विधानसभा और उसके आसपास के इलाकों में जुलूस, प्रदर्शन और सार्वजनिक सभाओं पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। आदेश में कहा गया है की सत्र के दौरान विधानसभा परिसर के 5 किलोमीटर के दायरे में ट्रक, ट्राली, ट्रैक्टर, डंपर जैसे सभी भारी वाहनों और तांगा-बैलगाड़ियों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा विधानसभा भवन के आसपास के क्षेत्रों में धारा 144 लागू रहेगी। इस दौरान किसी भी सार्वजनिक स्थान पर पांच या इससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे। हालांकि यह विवाह समारोह, शादी या शव यात्रा पर लागू नहीं होगा। इस प्रकार एकत्रित भीड़ गैर कानूनी भीड़ समझी जाएगी। और कोई भी व्यक्ति अपने साथ लाठी, डंडा, भाला, पत्थर या अन्य किसी भी तरह का धारदार हथियार साथ रखकर नहीं चलेगा।

- कुछ विशेष मार्गों पर प्रदर्शन-जुलूस पर पाबंदी

पुलिस कमिश्नर ने विधानसभा और आसपास के क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ विशेष मार्गों पर प्रदर्शन और जुलूस पर पाबंदी लगा दी है। इनमें लिली टॉकीज से 7वीं बटालियन तक का मार्ग, बाणगंगा चौराहा से राजभवन तक का रास्ता, जिंसी चौराहा से पुरानी जेल तक की सड़, स्लाटर हाउस रोड से बोर्ड ऑफिस चौराहा तक, झरनेश्वर मंदिर चौराहे से रोशनपुरा चौराहा तक, पॉलिटेक्निक रोड से सीएम निवास तक के साथ ही नई विधानसभा से राजभवन, सीएम निवास, पत्रकार भवन और अन्य प्रमुख स्थानों तक के सभी मार्ग शामिल है।

- विधानसभा परिसर के आसपास रहेगी कड़ी सुरक्षा

पुलिस प्रशासन ने सत्र के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। विधानसभा परिसर और उसके आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ा दी गई है। साथ ही, पुलिसकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि किसी भी स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। सत्र के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है की यह आदेश आम जनता और राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी।

सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में टीम चाहेगी कि उनका कप्तान अपनी लय हासिल करे।

वहीं उप-कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी की शुरुआत करने के बाद से ही टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा है। शुभमन को अच्छी बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन की जगह पर टीम में शामिल किया गया था पर वह परिणाम नहीं दे पाये। शुभमन अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने को स्थापित नहीं कर पाये हैं। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ 7 मैच हैं। अक्षर पटेल के बीमारी के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को इस मैच के लिए टीम में जगह दी है। जिससे स्पिनर कुलदीप यादव को अधिक अवसर मिल सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में बनाये रखा जाएगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने जबरदस्त खेल दिखाया था। वहीं हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में अच्छी बल्लेबाजी की। अभी भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐसें उसका हौंसला बुलंद है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज के पास रहेगी। टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका की टीम छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच हारी है। इससे पता चलता है कि टीम में निरंतरता की कमी है। दक्षिण अफ्रीका को बेहतर संयोजन की तलाश है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लुथो सिपामला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे।

वैभव ने अंडर-19 एशिया कप में 25 गेंदों पर लगाया अर्धशतक

विराट के सबसे अधिक रनों के रिकार्ड के करीब पहुंचे

दुबई । भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने मलेशिया के खिलाफ अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में एक और आक्रामक पारी खेली है। वैभव ने अपनी इस आक्रामक पारी में 25 गेंदों पर 5 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से अर्धशतक लगाया। इसी के साथ ही वैभव यूथ वनडे में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली के रिकॉर्ड के भी करीब पहुंच गए हैं।

वैभव ने 2 शतक और 4 अर्धशतक लगाकर यूथ वनडे में अभी तक खेले, 14 मैचों में कुल 782 रन बनाए हैं। वहीं विराट ने यूथ वनडे में 2006 से 2008 के बीच 28 मैचों में 46.57 की औसत के साथ 978 रन बनाए थे। कोहली ने यूथ वनडे में सिर्फ एक ही शतक लगाया था। विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी के बीच अब 196 रनों का ही अंतर रह गया है। ऐसे में आगे होने वाले मैचों में वैभव उनसे कहीं आगे निकल जाएंगे। विराट भारतीय टीम के लिए यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में 7वें स्थान पर हैं।अभी उनसे ज्यादा रन शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों के नाम हैं। शुभमन ने यूथ वनडे में 1149 जबकि यशस्वी ने 1386 रन बनाए थे। वहीं भारत के लिए यूथ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विजय जोल के नाम है, जिन्होंने 2012 से 2014 के बीच 1404 रन बनाए थे।

अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने मलेशिया को 315 रन से हराया

दीपेश ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए

दुबई । अभिज्ञान कुंडू के रिकार्ड दोहरे शतक के बाद दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में मलेशिया को 315 रन से हरा दिया। कुंडू ने 209 रन बनाये जबकि दीपेश देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर अंडर-19 एकदिवसीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने इस मैच में 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन बनाये। वहीं विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और 32.1 ओवर में 93 रन पर ही सिमट गयी।

दीपेश देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिए । वहीं उधव मोहन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और कनिष्क चौहान को एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत साधारण रही, लेकिन इसके बाद कुंडू ने मैच दल दिया। ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर मलेशियाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। त्रिवेदी ने 90 रन बनाये जबकि कुंडू ने अंडर-19 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

17 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज कुंडू ने 125 गेंदों में 17 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक और 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 121 गेंदों में दोहरा शतक लगा दिया।

अनकैप्ड प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को सीएसके ने 14.2-14.2 करोड़ रुपए में खरीदा

अबू धाबी। आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भी मोटी रकम लगी है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा को 14.2-14.2 करोड़ रुपए में खरीदा है। इस प्रकार ये दोनो ही आईपीएल नीलामी के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने हैं। बाएं हाथ के खिलाड़ी प्रशांत वीर का बेस प्राइज 30 लाख रुपए था। 20 वर्षीय प्रशांत वीर ने 2 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 2 विकेट हासिल किए हैं, जबकि 9 टी20 मुकाबलों में 16.66 की औसत के साथ 12 विकेट निकाले। इस खिलाड़ी ने 28 की औसत के साथ 112 रन भी बनाए हैं। दूसरी ओर, रणजी ट्रॉफी में शतक लगाने वाले 19 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को 14.20 करोड़ रुपए की अपने साथ जोड़ा। कार्तिक 8 फर्स्ट क्लास मुकाबले, 9 लिस्ट-ए मुकाबले और 12 टी20 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में 2 शतक, जबकि फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 3 शतक लगाए हैं। इससे पहले, आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी का रिकॉर्ड आवेश खान के नाम पर था, जिन्हें आईपीएल 2022 की नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 10 करोड़ रुपए में खरीदा था।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर नीशम बोले, इम्पैक्ट प्लेयर नियम को आईपीएल से हटायें

खिलाड़ी सही से तैयार भी नहीं हो पाते

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू होने के बाद से ही इस पर सवाल उठते रहे हैं। कई दिग्गज क्रिकेटरों ने कहा था कि इससे ऑलराउंडरों की भूमिका कम होती है। वहीं अब न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर जेम्स नीशम ने भी इस नियम को गलत बताते हुए कहा है कि कि आईपीएल और कुछ टी20 लीग में जारी इम्पैक्ट प्लेयर नियम को समाप्त कर देना चाहिए। आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नीशम इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में ही उतरे थे और वह केवल 16 रन ही बना पाये जबकि पहले ओवर में ही उन्होंने 22 रन दे दिये। ऐसे में वह चाहते हैं कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय देने के लिए इस नियम को हटा देना चाहिये।

गौरतब है कि आईपीएल में साल 2023 से ही ये नियम लागू किया गया है, जिस पर क्रिकेट जानकारों की मिश्रित प्रतिक्रिया रही है। भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली इस नीयम के खिलाफ नजर आए हैं। उनका कहना था कि इससे ऑलराउंडर्स को नुकसान हो रहा है। इससे खेल का संतुलन भी प्रभावित हो रहा है। नीशम ने इस नियम को बेकार बताया है। नीशम का मानना है कि खिलाड़ी खेल के लिए सही से तैयार ही नहीं हो पाते हैं क्योंकि कभी किसी को तो कभी किसी को अवसर मिलता है। दे दिया जाता है।

नीशम ने कहा, यह एक बेमतलब का नियम है। यह आईपीएल में फायदेमंद नहीं है।

मुझे नहीं पता कि यह अभी भी क्यों है। यह खिलाड़ियों को गेम के लिए ठीक से तैयारी करने से रोकता है। अगर आपको लगता है कि आप नहीं खेल रहे हैं, तो आप गेम से पहले कभी भी ठीक से ट्रेनिंग नहीं कर सकते, क्योंकि इस बात का अवसर रहता है कि आपको अंतिम मिनट में अंतिम ग्यारह में शामिल किया जा सकता है। इसलिए, आप सच में अपने गेम को आगे नहीं ले जा पाते।

उन्होंने साथ ही कहा, यह खिलाड़ियों को खेल के उन हिस्सों पर काम करने से रोकता है जिनमें वे अच्छे नहीं हैं। इससे आप बेहतर क्षेत्ररक्षक नहीं बन सकते। इसलिए, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर, यह एक खराब नियम है। उम्मीद है कि यह शीघ्र ही हटा दिया जाएगा। इसमें नुकसान ये है कि युवा क्रिकेटर हैं, तो आप क्षेत्ररक्षण पर काम क्यों करेंगे? क्योंकि आप क्षेत्ररक्षण नहीं करेंगे। आप बस मैदान से बाहर चले जाएंगे। यह बलिबा मतलब का नियम है।नीशम दुनियाभर की टी20 लीग में खेलते हैं और उन्होंने करीब 30 टीमों के लिए अलग-अलग लग में खेला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को लेकर कहा, अब मैं 35 साल का हो गया हूं, तो एक तरह से अपने करियर के अंतिम दौर में हूं। फरवरी में टी20 विश्व कप मेरा अंतिम अंतरराष्ट्रीय करार होगा।

बुमराह का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बचे हुए दो मैचों में खेलना संदिग्ध

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बचे हुए दो मैचों में खेलने को लेकर अभी तक भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। बोर्ड के अनुसार बुमराह के खेलने पर फैसला समय आने पर किया जाएगा। बुमराह को तीसरे टी20 में आराम दिया गया था।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि बुमराह निजी कारणों से टीम से बाहर हुए हैं जबकि बीसीसीआई ने कहा था कि वह निजी कारणों से घर गये हैं। साथ ही कहा था कि बाकी मैचों के लिए उनके शामिल होने के बारे में सही समय पर बताया जाएगा। इससे तय है कि आगे के मैचों में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला लखनऊ में 17 दिसंबर जबकि पांचवां मैच 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा। ये भी माना जा रहा है कि वह अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच खेल सकते हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक बीसीसीआई और बुमराह ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

वहीं तीसरे टी20 के लिए टीम में दो बदलाव किये गये थे। बुमराह के अलावा अक्षर पटेल को भी अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया गय था। उनकी जगह हर्षित राणा और कुलदीप यादव को टीम में जगह मिली थी। बुमराह की जगह आए हर्षित और कुलदीप ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो-दो विकेट लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करने में तिलक ने विराट कोहली को भी पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। बल्लेबाज तिलक वर्मा ने पदार्पण के बाद ही भारतीय टीम की ओर से काफी अच्छी पारियां खेली हैं। विशेषकर लक्ष्य का पीछा करते हुए वह काफी सफल रहे हैं। इससे भारतीय टीम में वह अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास के बाद से ही जो कमी हुई थी उसे वह पूरी ही नहीं करते दिख रहे बल्कि उनसे आगे भी निकलते दिख रहे हैं। विराट का रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए काफी अच्छा रहा है और अब तिलक भी उसी राह पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम की जीत के बाद विराट ने टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उसी के बाद से ही भारतीय टीम को एक ऐसे खिलाड़ी की जरुरत महसूस हो रही थी जो उनकी कमी पूरी करे। इसी कमी को तिलक ने पूरा किया है। एशिया कप में तिलक ने अपनी पारी से दिखा कि उनकी कितनी क्षमताएं हैं। वहीं आंकड़ों के अनुसार वह लक्ष्य का पीछा करने के मामले में विराट कोहली और महेन्द्र सिंह धोनी से भी आगे नजर आ रहे हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए कम से कम 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में तिलक का औसत सबसे अधिक है। विराट अभी तक सूची में सबसे ऊपर थे, जिनका टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए औसत 67.1 का था पर तिलक ने विराट को भी पीछे छोड़ दिया है। तिलक का औसत अब लक्ष्य का पीछा करते हुए 68 का हो गया है। इस सूची में तीसरे नंबर पर महेन्द्र सिंह धोनी हैं, जिनका औसत इस फॉर्मेट में दूसरी पारी में 47.71 का था। चौथे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी थे, जिन्होंने 45.55 के औसत से रन बनाए थे। कुमार संगकारा सूची में पांचवें नंबर पर हैं, जिनका औसत में 44.93 का था। तिलक को नंबर 3 का स्थान फायदेमंद रहा है। उन्होंने इसी स्थान पर 2 शतक लगाये हैं, जबकि टी20 क्रिकेट में वे इस पायदान पर रहकर शतकों की हैट्रिक लगा चुके हैं।

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन, विश्वकप में दोनो हमें जीत दिलाएंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल पिछले काफी समय से अपने खराब फार्म के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। वहीं भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि अगामी टी20 सीरीज और विश्वकप में ये दोनो अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाएंगे। अभिषेक ने माना कि अभी ये रन नहीं बना पा रहे हैं पर कहा कि जब इनकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी तो ये दोनों ही टीम के लिए जमकर रन बनाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने 3 मैचों में 29 और शुभमन ने 3 मैचों में 32 रन बनाए हैं। भारतीय टीम हालांकि सीरीज में आग है। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भी उडान और उपकप्तान विफल रहे थे। इस मैच में शुभमन की धीमी बल्लेबाजी पर ही सवाल उठे हैं। इसके बाद भी अभिषेक का मानना है कि किसी को भी चिन्ता की जरुरत नहीं है।

अभिषेक ने कहा, मैं ये दोनों विश्व कप में और उससे पहले दूसरी सीरीज में भी मेज विजेता साबित होंगे। मैं उनके साथ इतने लंबे समय से खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के साथ, इसलिए मुझे पता है कि वह कहां मैच जिता सकता है, कोई भी हालात हो और टीम कोई भी हो। मुझे उस पर शुरू से ही बहुत भरोसा रहा है और मुझे उम्मीद है कि सब लोग इसे बहुत जल्द देखेंगे और उनको भी भरोसा हो जाएगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए एजाज पटेल न्यूजीलैंड टीम में शामिल

ब्लंडेल की भी हुई वापसी, मिच बाहर हुए

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने स्पिनर एजाज पटेल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए शामिल किया है। एजाज के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल की भी टीम में वापसी हुई है। एजाज को ब्लेयर टिकनर की जगह शामिल किया गया है। टिकनर कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

वहीं पहले टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को इस मैच में शामिल किया गया है। वह हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पिछले मैच से बाहर थे। इसी कारण दूसरे टेस्ट में मिच विकेटकीपर के तौर पर शामिल किये गये थे। मिच अब फिर से घरेलू क्रिकेट में लौटेंगे और कैंटरबरी की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। एजाज नवंबर 2024 में टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। भारत में खेली टेस्ट सीरीज जीत के एक ही मैच में उन्होंने दस विकेट लेकर कीवी टीम को जीत दिलायी थी। फरवरी 2020 के बाद वह पहली बार घरेलू टेस्ट खेलेंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, एजाज ऐसा खिलाड़ी है, जिस पर हम भरोसा करते हैं। वे ओवल की पिच आमतौर पर न्यूजीलैंड की दूसरी पिचों के मुकाबले ज्यादा टर्न लेती है और जिस तरह से वह गेंद को राइट-हैंडर से दूर घुमाता है, वह बहुत अच्छा है। तीसरे टेस्ट में एक और स्पिनर को शामिल करने से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में भी विविधता आएगी, साथ ही हमारे सीमर्स भी हैं जिन्होंने इस सीरीज में अब तक बहुत अच्छा काम किया है। वहीं टीम में कोई और बदलाव नहीं किया गया है। सिर्फ एजाज पटेल और टॉम ब्लंडेल को जोड़ा गया है, जबकि मिच को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला टेस्ट रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ था। आखिरी टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम अब इस प्रकार है

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉक्स, डेरिल मिशेल, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन और विल यंग

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बालाघाट जि.बालाघाट (म.प्र.) पिन कोड 481001

दूरभाष/फैक्स क्रमांक 07632-241377 एवं ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक/एफ- / लो.नि.वि./2025/11616 बालाघाट, तारीख- 16/12/2025

द्वितीय निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है-

क्रमांक	टेण्डर आई.डी.नम्बर	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2025_UAD_430408_2	वार्ड क्रमांक 22 में (गर्ल्स कालेज रोड़) श्री दिलीप पटेल के घर से श्री विष्णु गौतम के घर तक सी सी रोड़ बेरिंग कोट निर्माण कार्य	30 दिन 1,89,121=00	1000=00 एवं 3,782=00	31/12/2025
02	2025_UAD_430492_2	वार्ड क्रमांक 22 में (माडीकर गली) मान. सासंद महोदय के घर के सामने नाली के उपर आर.सी.सी. स्लैब निर्माण कार्य	30 दिन 6,94,385=00	2000=00 एवं 13,888=00	31/12/2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://www.mptenders.gov.in** की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र.)

पूर्व मंत्री स्व.लिखीरामजी कावरे की पुण्यतिथि पर अर्पित की गई श्रृद्धांजली

पद्मेश न्यूज।किरनापुर। म.प्र.शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री स्वर्गीय लिखीरामजी कावरे की 26 वीं पुण्यतिथि पर आज हजारों लोगों ने स्थानीय कावरे चौक समाधि स्थल पर पहुंचकर स्वर्गीय लिखीरामजी कावरे को अपनी विनम्र श्रृद्धांजली अर्पित की। इस अवसर पर प्रात: समय मे सर्वप्रथम समाधि स्थल पर गायत्री यज्ञ करते हुए स्व. कावरेजी की आत्मशांति के लिए हवन पूजन कर आहुतियां अर्पित की गई।अपने लाडले नेता को श्रृद्धांजली देने सुबह से ही लोग समाधि स्थल पहुंचने लगे और उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रृद्धांजली दी। और यह सिलसिला लगातार देर शाम तक चलते रहा। इस मौके पर वक्ताओं श्रृद्धासुमन अर्पित करते हुए स्व. कावरेजी के सादगीपूर्ण जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने दलगत राजनीति से उपर उठकर हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया।मृदुभाषी,विनम्र व्यक्तित्व के धनी लिखीराम जी कावरे क्षेत्र ही नही अपितु समूचे प्रदेश भर मे अपनी पहचान बनाई।आज कावरेजी जिंदा होते तो जिला मे विकास नये आयाम तय करता।स्वर्गीय कावरेजी की प्रेरणा सदा हमारे साथ रहेगी और सभी के सहयोग से उनके अधूरे सपने अवश्य ही साकार हो सकेंगे।इस अवसर पर क्षेत्र के उभरते हुए युवा कलाकारों द्वारा सुमधुर,स्वरांजली प्रस्तुत करते हुए श्रृद्धांजली दी गई।इस आयोजन मे उपस्थित जनसैलाब के लिए राणा हनुमान सिंह महाविद्यालय प्रांगण मे स्नेह सहभोज का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम मे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल , पूर्व सांसद बोध सिंह भगत, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, विधायक विवेक पटेल, विधायक राजकुमार करांहे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार,पूर्व विधायक रमेश भटेरे, भगत सिंह नेताम,जनपद पंचायत किरनापुर अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह,देवेन्द्र खोंगल,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष युसूफ पटेल,पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बेनीराम खोटेले, कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता मंगल प्रसाद रैकवार, जनपद सदस्य मनीष भीमटे,मंच संचालक शिवलाल चापेकर सहित बड़ी संख्या मे म.प्र.,महाराष्ट्र , छ.ग.राज्य व जिले भर से आए हुए लोगों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी स्व. लिखीराम कावरे को श्रृद्धांजली दी।वही पूर्व विधायक श्रीमति पुष्पलता कावरे एवं पूर्व उपाध्यक्ष विधानसभा भोपाल म.प्र. शासन सुश्री हिना कावरे ने इस अवसर पर लोगों की उपस्थिति के लिए उनका आभार जताया।

जीवन कहानी के चलचित्र को देख हुए भावविभोर

स्व.लिखीरामजी कावरे की 26 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर समाधि स्थल पर ही उनके जीवन कहानी का चलचित्र के माध्यम से प्रदर्शन कराया गया।जिसे देख उपस्थित जनसमुदाय एवं जनप्रतिनिधि गणों द्वारा स्व. लिखीराम जी कावरे के साथ बिताये गये लम्हों का स्मरण करते हुए नम आंखों से श्रृद्धांजली देते हुए संपूर्ण माहौल भावविभोर हो गया।साथ ही सुश्री हिना कावरे के विधानसभा उपाध्यक्ष निर्वाचित होने के समय की झलकियों का भी प्रदर्शन चलचित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। वही सांध्य समय मे समाधि स्थल पर दीपकों की रोशनी कर श्रृद्धांजली अर्पित की गई।

जत्ता के जंगल में अज्ञात व्यक्ति की फांसी पर लटकी लाश की नही हो पाई शिनाख्त

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले के बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम जता के जंगल में फांसी पर लटकी हुई एक व्यक्ति की लाश बरामद की गई। इस व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है। बैहर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर इस अज्ञात व्यक्ति के वारसानो की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वनरक्षक रविंद्र मरावी 30 वर्ष ग्राम धनवार निवासी जो बीट जता कक्ष में प्रभारी के पद पर कार्यरत है। 11 दिसंबर को वनरक्षक रविंद्र मरावी चौकीदार कमल तेकाम मेहतराम केनार के साथ बीट क्षेत्र में गस्त करने निकले थे। गस्त करते हुए जब वे जता के जंगल बीट क्रमांक 1618 में गस्त करते हुए पहुंचे थे। तभी घोटिया के पेड़ में एक अज्ञात व्यक्ति फांसी पर लटका हुआ था। इस व्यक्ति ने नायलॉन की रस्सी पेड़ में बांधकर फांसी लगा ली थी। जिसके घुटने जमीन पर टीके हुये थे। 11 दिसंबर के 15 दिन पूर्व के आसपास फांसी पर लटके होने के कारण इस अज्ञात व्यक्ति का शरीर काफी खराब होकर सूख चुका था। जिसके शरीर पर सफेद चेक वाली शर्ट एवं ग्रे कलर का पेंट था जिसकी उम्र करीब 40 से 45 वर्ष होने की संभावना व्यक्त की गई है। जिसकी मौके पर पहचान नहीं हो पाई है। सहायक उप निरीक्षक कुंवर सिंह धुर्वे ने इस व्यक्ति की लाश मौके से बरामद की और पंचनामा कार्रवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर कफन दफन करवा दी है। सहायक उप निरीक्षक श्री धुर्वे ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर और इस अज्ञात व्यक्ति के वारसानो की तलाश शुरू की है। और जिले वासियों से इस अज्ञात व्यक्ति के वारसानो की तलाश करने में सहयोग की अपेक्षा है।

बालक छात्रावास गढ़ी के प्रभारी अधीक्षक निलंबित

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने छात्रावास संचालन में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास गढ़ी के प्रभारी अधीक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक श्री शिवदयाल मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि मे उनका मुख्यालय कार्यालय सहायक परियोजना प्रशासक एकीकृत जनजातीय कार्य परियोजना बैहर निर्धारित किया गया है।

एकीकृत जनजातीय कार्य परियोजना बैहर के सहायक परियोजना प्रशासक द्वारा अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास गढ़ी का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान छात्रों द्वारा बताया गया कि छात्रावास अधीक्षक शिवदयाल मरकाम नियमित रूप से छात्रावास में उपस्थित नही रहते है। निरीक्षण के दौरान छात्रों को मेन्यू के अनुसार गुणवत्ता युक्त पौष्टिक भोजन एवं नास्ता प्रदाय नही किया जाना पाया गया। भोजन में छात्रों को रोटी नही दी जा रही थी और दाल अत्यंत पतली बनायी जाती थी। स्टोर रूम में भोजन सामग्री एवं खाद्यान्न खुले में नमी वाले स्थान पर रखा जाना पाया गया, जिससे भोजन दूषित होने की संभावना बनी रहती थी। छात्रावास में अत्यधिक गंदगी पायी गई। छात्रों को बिस्तर सामग्री एवं कंबल वितरित नही किये गए थे। छात्रावास में वित्तीय पंजियॉ एवं अभिलेख उपलब्ध नही पाये गए।

छात्रावास के निरीक्षण में पाया गया कि प्रभारी छात्रावास अधीक्षक श्री शिवदयाल मरकाम द्वारा छात्रावास संचालन में रूचि नही ली जा रही थी और अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरती जा रही थी। शिष्यवृत्ति की राशि का पूर्ण उपयोग नही होने से वित्तीय अनियमितता भी परिलक्षित हो रही थी। इन्ही तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर द्वारा प्रभारी अधीक्षक श्री मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

धान उपार्जन समिति की बैठक में कलेक्टर ने की धान खरीदी की समीक्षा

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 16 दिसम्बर को जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए।

बैठक में तय किया गया कि आगामी आदेश तक जिले में अन्य राज्यों से व्यापारियों एवं मिलर्स द्वारा धान नही मंगायी जाएगी। यदि व्यापारी एवं मिलर्स द्वारा अन्य राज्यों से धान मंगाई जाती है तो नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी को धान के उपयोग के संबंध में जानकारी देना होगा तभी वे अन्य राज्यों से धान मंगा सकते है। बगैर जानकारी दिये धान मंगाये जाने पर संबंधित व्यापारी एवं मिलर्स के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी और धान को उपार्जन समाप्ति तक सील कर दिया जाएगा। जिन व्यापारी एवं मिलर्स द्वारा आज तक अन्य राज्यों से धान मंगाई गई है उसकी सघन जांच करने एवं दस्तावेजों का परीक्षण करने के निर्देश दिये गए। मंडी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी चेक पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखे और चेक पोस्ट पर आने वाली धान की जानकारी व्यापारियों के नाम सहित जिला कंट्रोल रूम को प्रस्तुत करें। किसानों को शीघ्रता से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक को कुल परिवहन की गई मात्रा के विरूद्ध शत प्रतिशत स्वीकृति पत्रक जारी करने के निर्देश दिये गए। लालबर्रा विकासखंड में गोदाम स्तरीय केंद्रो से धान का परिवहन कम पाए जाने पर उसे बढ़ाने के निर्देश दिये गए।

धनसुआ में अवैध शराब बिक्री से परेशान महिलाएं पहुंचीं कलेक्टर के पास।।

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत धनसुआ के ग्राम ओदा की महिलाओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने ज्ञापन में बताया कि उनके गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में कच्ची शराब की अवैध बिक्री तेजी से हो रही है, जिससे गांव का सामाजिक माहौल लगातार खराब हो रहा है। महिलाओं का कहना है कि इस अवैध कारोबार के कारण क्षेत्र की युवा पीढ़ी बड़ी संख्या में नशे की गिरफ्त में आ रही है, जिससे परिवारों में अशांति फैल रही है । उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पुलिस और आबकारी विभाग इस मामले में तत्काल संज्ञान लें, अवैध शराब बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई करें और पूरे क्षेत्र को नशा मुक्त बनाया जाए।

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत धनसुआ के ग्राम ओदा से पहुंची महिला लीलावती और मनु विजयवार ने प्रशासन को अवगत कराते हुए बताया कि उनके गांव में कच्ची शराब की अवैध बिक्री खुलेआम की जा रही है, जिससे गांव का सामाजिक वातावरण लगातार खराब होता जा रहा है। महिलाओं ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा धड़ल्ले से कच्ची शराब बेची जा रही है, जिसके कारण नाबालिग बच्चे भी शराब के सेवन के आदी होते जा रहे हैं। आए दिन गांव में शराब के नशे में लड़ाई-झगड़े की घटनाएं हो रही हैं। कई लोग घर की राशन सामग्री बेचकर शराब का सेवन कर रहे हैं, जिससे परिवारों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बिगड़ रही है। इस स्थिति से ग्राम की महिलाएं अत्यंत परेशान और पीड़ित हैं।

लीलावती और मनु विजयवार ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा समूह बनाकर प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाएं रात के समय भी गांव में घूम-घूमकर निगरानी कर रही हैं, लेकिन शराब बेचने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा विरोध करने पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, मारपीट तथा झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं। महिलाओं का आरोप है कि अवैध शराब बिक्री की जानकारी देने के बावजूद थाना भरवेली पुलिस से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। जिन लोगों के नाम शराब बिक्री के लिए बताए जाते हैं, उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, जिससे आरोपियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध कच्ची शराब की बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए और ग्राम ओदा को नशा मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

दुर्गम पहाड़ काटकर बनी सड़क, नक्सल प्रभावित क्षेत्र में अब बदलेगी आदिमजनों की जिन्दगी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। किसी भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पक्की सड़क की भूमिका आधारशिला के समान होती है। विशेषकर दुर्गम और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जब सड़क पहुंचती है, तो विकास अपने आप गति पकड़ लेता है। ऐसा ही परिवर्तन अब बालाघाट जिले के किरनापुर विकासखंड अंतर्गत जनजातीय बहुल ग्राम कसंगी और गोदरी के बीच देखने को मिल रहा है, जहां वर्षों की कठिनाइयों को पार करते हुए पक्की सड़क निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है।

घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों से घिरे इस क्षेत्र में सड़क निर्माण किसी चुनौती से कम नहीं था। कसंगी से गोदरी तक लगभग 4 किलोमीटर 620 मीटर लंबी इस सड़क के निर्माण में सबसे कठिन कार्य कुआंगोदी से भगतपुर के बीच पहाड़ और चट्टानों की कटिंग कर रास्ता तैयार करना रहा। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, इकाई क्रमांक-2 द्वारा आधुनिक मशीनों और तकनीकों का उपयोग कर इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

आरसीपीएलडब्ल्यूई योजना से मिली सौगात

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, इकाई क्रमांक-2 की महाप्रबंधक श्रीमती माया मनीष परते ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आरसीपीएलडब्ल्यूई योजना के अंतर्गत वर्ष 2023 में इस सड़क के निर्माण के लिए 5 करोड़ 97 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी। चूंकि सड़क घने वन क्षेत्र से होकर गुजरती है, इसलिए वन विभाग से अनुमति प्राप्त करने में समय लगा। अनुमति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया।

कुआंगोदी और भगतपुर के बीच पहाड़ की कटिंग में लगभग एक वर्ष का समय लगा। इसके बाद सड़क निर्माण कार्य को तेज़ी से आगे बढ़ाया गया। वर्तमान में जीएसबी एवं गिट्टी का कार्य पूर्ण कर सड़क को हल्के चार पहिया वाहनों के आवागमन के लिए उपयुक्त बना दिया गया है। मार्च 2026 तक सड़क का डामरीकरण कार्य भी पूर्ण कर लिया जाएगा।

दूरी घटी, सुविधाएं बढ़ीं

अब तक कसंगी और आसपास के गांवों के ग्रामीणों को किरनापुर पहुंचने के लिए मोहनपुर, चालीसबोड़ी, कावेली, बंजारी होते हुए बालाघाट होकर लगभग 70 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी। लेकिन इस सड़क के बन जाने से ग्रामीण अब कुआंगोदी से घाट उतरकर भगतपुर और गोदरी होते हुए सीधे किरनापुर पहुंच सकेंगे, जिससे दूरी घटकर लगभग 55 किलोमीटर रह जाएगी। इसी प्रकार किरनापुर के लोगों को बैहर जाने के लिए अब बालाघाट नहीं आना पड़ेगा। वे गोदरी, भगतपुर, कुआंगोदी, कसंगी और मोहनपुर होते हुए सीधे बालाघाटङ्कबैहर मार्ग से बैहर पहुंच सकेंगे। इससे समय, ईंधन और खर्च—तीनों की बचत होगी।

वनोपज और रिश्तों को मिलेगा नया रास्ता

इस सड़क के बनने से जनजातीय बहुल ग्राम कसंगी और कुआंगोदी के ग्रामीणों के लिए अपनी वनोपज हर्रा, बहेड़ा, गोंद, चिरौंजी, शहद सहित अन्य कृषि उपज को बाजार तक पहुंचाना आसान हो गया है। सड़क बनने से यहां के ग्रामीण अपनी उपज आसानी से चालीसबोड़ी बाजार तक लाने लगे है। पहले बड़े वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते थे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। घने जंगलों से होकर गुजरने वाली यह सड़क क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को भी बढ़ावा देगी। वर्षों तक सड़क के अभाव में लोग इन गांवों में रिश्ते करने से कतराते थे, लेकिन अब यह सड़क केवल गांवों को नहीं, बल्कि दिलों को भी जोड़ने का काम करेगी। कुल मिलाकर कसंगी से गोदरी तक बन रही यह सड़क न सिर्फ विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि दुर्गम अंचल में आशा, अवसर और विश्वास की नई कहानी भी लिख रही है।

कॉलेज चलो अभियान के तहत विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कॉलेज चलो अभियान का संचालन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 16 दिसंबर को महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय एवं सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य शरद ज्योत्सी ने की। इस अवसर पर कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध विषयों एवं पाठ्यक्रमों तथा विद्यार्थियों को दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों की जानकारी दी गई। डॉ. तेजेन्द्र सिंह शिव ने विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए सही करियर चयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया, वहीं डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम ने महाविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त कक्षा 12वीं के विद्यार्थी एवं स्टाफ की सराहनीय उपस्थिति रही।

विजय बोरीकर ने राष्ट्रीय स्कूल कराते प्रतियोगिता में जीता सिल्वर पदक

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत कराते स्पर्धा का आयोजन इंदौर के डेली कॉलेज हॉल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 15 दिसंबर को मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के होनहार खिलाड़ी विजय बोरीकर ने अंडर-14 बालक वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। जिला खेल प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि विजय बोरीकर ने मध्यप्रदेश कराते अकादमी, भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए फाइनल मुकाबले में पंजाब के खिलाड़ी से कड़ा संघर्ष किया। रोमांचक मुकाबले में विजय को सिल्वर पदक से संतोष करना पड़ा, लेकिन उनके प्रदर्शन ने पूरे मध्यप्रदेश, बालाघाट जिला एवं कराते अकादमी को गौरवान्वित किया। बालाघाट इंग्लिश स्कूल के छात्र विजय बोरीकर, पिता पोमेश बोरीकर, ने कराते का प्रारंभिक प्रशिक्षण विगत दो वर्षों से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कराते प्रशिक्षण केंद्र, मुलना स्टेडियम बालाघाट से प्राप्त किया। दो माह पूर्व विजय ने मध्यप्रदेश कराते अकादमी की सभी चयन स्पर्धाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कीं और वर्तमान में अकादमी में हर्षित विश्वकर्मा, कुलदीप सर, दीपक सर, रुद्र सर एवं पलाश सर से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

22 दिसंबर को पीजी कालेज में मनाया जाएगा राष्ट्रीय गणित दिवस

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। 22 दिसंबर को मनाए जाने वाले इस राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर नगर के पीजी कॉलेज में रामानुजन सप्ताह का आयोजन किया गया है जहां 16 से 22 दिसंबर तक आयोजित इस सप्ताह के तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं।इसी कड़ी में मंगलवार को नगर के पीएम श्री एक्सीलेंस पीजी कॉलेज के हॉल में 20 में रामानुजन सप्ताह की शुरुवात की गई। जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता और वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिंसमे स्कुली विघार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

विशेषज्ञों ने दिए गणित के टिप्स

आयोजन के दौरान गणित के विशेषज्ञों ने गणित विषय पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारी देने के साथ ही सालों से गणित को लेकर अपनाई जा रही पध्दतियों से भी अवगत कराया है। साथ ही अपने ज्ञान से छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इसके अलावा उन्होंने हर जगह पर गणित की उपयोगिता व उपयोग पर जानकारी देने का कार्य किया। बताया गया कि आयोजित इस सप्ताह के दौरान 20 प्रकार की प्रतियोगिताओ के साथ साथ 2 दिवसीय सेमिनार भी आयोजित किया जाएगा।उसमे देश के विभिन्न जगहों से विषय विशेषज्ञों का आगमन पीजी कॉलेज होगा।जहां छात्र-छात्राओं को गणित की उपयोगिता व उपयोग को लेकर जानकारी दी जाएगी।इसके अलावा भारती ज्ञान परंपरा में गणित का महत्व, भारतीय गणितज्ञ की महानताओं के बारे में भी बताया जाएगा साथ ही विषय से संबंधित विभिन्न जानकारियां से अवगत कराकर पीजी कॉलेज में आयोजित इस नेशनल सेमिनार का 22 दिसंबर को समापन किया जाएगा।

भारत के महान गणितज्ञ है रामानुज

कार्यक्रम में बताया गया कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज का जन्म 22 दिसंबर 1887 को हुआ था और 26 अप्रैल 1920 को उनकी मृत्यु हो गई थी। इन्हें आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है।इन्हें गणित में कोई विशेष प्रशिक्षण नहीं मिला फिर इन्होंने विश्नैषण एंव संख्या के सिद्धांत के क्षेत्रों में गहन योगदान दिए है। इन्होंने अपने प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्भुत अविष्कार किए वरन भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया हैं।भारत के महान गणितज्ञ रामानुजन अल्प आयु(38 वर्ष) में ही इस दुनिया को छोड़कर चले गए थे ।लेकिन अल्पआयु में ही उन्होंने गणित के जो बड़े-बड़े कार्य कर गए है।उन्हें दुनिया आज भी सिद्ध नहीं कर पाई है। इसलिए उन्हें भारत का महान गणितज्ञ भी कहा जाता है।

गणित से विद्यार्थी डरे नहीं, उसे समझे

पीजी कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं छायाचित्र समीप दीप प्रवजलन के साथ की गई।जहां सरस्वती वंदना कर उपस्थित अतिथियों का शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ से स्वागत कर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में गणित विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार विजयवार द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई। जिसमें उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में गणित के महत्व के बारे में बताया।इसी तरह कार्यक्रम में उपस्थित आई.क्यू.ए.सी प्रभारी डॉ. सीमा श्रीवास्तव, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ. कंचन मसराम, विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपरत्ना मसूलकर और प्रोफेसर चित्रमाला भीमटे ने भी कार्यक्रम में विचार रखे।जिन्होंने गणितज्ञ वराहमिहिर मैजिक स्क्वायर ,नागार्जुन के मैजिक स्क्वायर, नारायण मैजिक स्क्वायर, रामानुज मैजिक स्क्वायर आदि की जानकारी दी। वही इनका विस्तार पूर्वक विश्लेषण किया।वही बक्ताओ ने मध्य ज्ञान के बारे में विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से जानकारी दी। इसके अलावा अन्य गणित विशेषज्ञों ने भी गणित विषय को लेकर आवश्यक जानकारी दी। जिसमें उन्होंने गणित से डरने की जगह समझने की बात कही है।

मेहंदी और वाद विवाद प्रतियोगिता में इन्होंने पाया स्थान

आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय गणितज्ञों का ज्ञान ही संपूर्ण विश्व गणितज्ञों के ज्ञान का मूल्य है विषय पर वाद विवाद और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वाद विवाद प्रतियोगिता में पक्ष टीम में उपस्थित प्राची गेढ़ाम ने प्रथम, दिशा रामटेकर ने द्वितीय, तो वही आयुष घोड़ेश्वर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह विपक्ष में रीना यादव ने प्रथम, श्रेया बोपचे ने द्वतीय तो वही हर्ष मण्डलेकर ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी तरह मेहंदी प्रतियोगिता में पायल एकडे ने प्रथम, दीपिका शेंडे ने द्वितीय तो वही दशा रामटेकर ने तृतीय स्थान हासिल किया है।

करीब 20 तरह की होगी प्रतियोगिता, 2 दिवसीय सेमिनार भी- विजेवार

चर्चा के के दौरान सहायक प्राध्यापक डॉ योगेश कुमार विजेवार ने बताया कि रामानुजन सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। जिसमें आज वाद विवाद और मेहंदी प्रतियोगिता संपन्न कराई गई है। इसके अलावा प्रश्न मंच, लिखित प्रश्न मंच, मौखिक प्रश्न मंच, स्व.रचित, कविता पाठ, रंगोली प्रतियोगिता, तत्कालीन भाषण प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता सहित 20 प्रकार की प्रतियोगिताएं आगामी दिनों में होगी वही 20 से 21 दिसंबर तक दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया है जिसमें देश के विभिन्न कोनो से विषय विशेषज्ञ बालाघाट आकर विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी देंगे। इसके उपरांत 22 दिसंबर को रामानुजन सप्ताह का समापन किया जाएगा।

बालाघाट
बुधवार 17 दिसंबर 2025
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

उकवा मॉयल परिसर में तेंदुआ घुसा, मचा हड़कंप

तेंदुए की दहशत के बीच कार्य कर रहे मजदूर, विभाग ने जारी किया एलर्ट

पद्मेश न्यूज उकवा। खनिज नगरी उकवा के खनन क्षेत्र में इन दिनों हिंसक जीव तेंदुए की दस्तक से लोगों में भय व्याप्त है, और लोग डर के साए में रहकर कार्य करने मजबूर है,ज्ञात हो कि उकवा मॉयल में प्रतिदिन हजारों की संख्या में मंजदूर कार्य करते है,जहां तीन पारी में

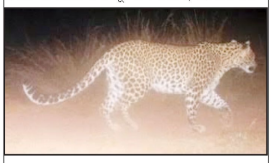

पूरे चौबीस घंटे कार्य चलता रहता है,अभी कुछ दिनों से लगातार वन्य प्राणी तेंदुआ लोगों को किसी भी समय दिन में रात में दिखाई दे रहा है,जो लोगो के बहुत निकट से गुजरा रहा है,जिस कारण लोगों में अत्यन्त भय व्याप्त हो गया है,जिसकी सूचना मॉयल में कार्य करने वाले लोगों ने संबंधित विभाग को भी बताया है, प्रबंधन द्वारा तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को प्रदान की ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न घट सके।

विभाग ने जारी किया अलर्ट, कहा- बरते सावधानी

उधर मॉयल और स्थानीय लोगो से सूचना पाकर मंगलवार को रेंजर प्रियंका मरकाम , वनपाल अरविंद कड़ूकर, वनरक्षक कमलेश मरकाम,एवं वन्य जीव संरक्षण के लिय निरन्तर कार्य वाले वन रक्षक सचिन पधाम ,सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स बारीक, खान प्रबंधक निषाद निकोसे, मुख्य कार्मिक अधिकारी समीर बैनर्जी,नीरज पसीने प्रबंधक सर्वे,एवं अन्य वन विभाग के अधिकारियों ने उक्त स्थल का अवलोकन किया,खदान क्षेत्र के कुछ खुले क्षेत्रों को पूरी तरह से बंद किया ताकि कोई भी वन जीव वहां प्रवेश न कर सके,लोगो को सावधानी बरतने एवं अकेले या पैदल इस मार्ग से खास कर रात में गुजरने हेतु मना किया, तथा सुरक्षा में लगे सुरक्षा कर्मियों को अपने निकट आग जला कर बैठने हेतु कहा,ग्रामीणों को आगाह करने आज वन विभाग उकवा द्वारा गली गली में जाकर माइक के माध्यम से सूचना प्रसारित कर सचेत रहने हेतु आवाहन किया गया है।

बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर धान से भरा ट्रक पलटा

पद्मेश न्यूज बालाघाट। बालाघाट नैनपुर मुख्य मार्ग पर आज एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 11 बजे चेरगांव और टिटवा गांव के बीच नहरा नदी के पास एक धान से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक चांगोटोला खरीदी केंद्र से धान लेकर बालाघाट की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि चलते समय अचानक ट्रक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रक

पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई और कोई जनहानि नहीं हुई। चालक पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस व संबंधित विभाग को जानकारी दी गई। बाद में ट्रक को सड़क से हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके बाद आवागमन धीरे-धीरे सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। गनीमत रही कि इस बार कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, अन्यथा गंभीर हादसा हो सकता था। प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण वाहन का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है।

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।

वेतन-योग्यतानुसार

सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghate&press@gmail.com

नक्सल प्रभावित वनांचल ग्राम कावेली में अब तक शुरू नहीं हो पाई धान खरीदी, किसान आक्रोशित

धान खरीदी शुरू न होने से किसानों में आक्रोश, केंद्र को यथावत रखने की मांग, गाँव मे नही मिला केंद्र तो बिचौलियों को बेचेंगे धान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

किसानों को उनकी फसल का वाजिब दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचाने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी उनके निकटतम केंद्र में की जाती है ताकि निकटतम केंद्र में किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचकर समय पर उसका वाजिब दाम पा सके। लेकिन कुछ केंद्र ऐसे है जहा पिछले वर्ष तक तो धान खरीदी के लिए केंद्र बनाया गया लेकिन इस वर्ष उस गांव को केंद्र नही बनाया गया है। जिसमें परसवाड़ा का कावेली केंद्र भी शामिल है। जिसे इस वर्ष धान खरीदी केंद्र ना बनाने पर स्थानीय किसान आक्रोशित है।जिन्होंने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपकर पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी कावेली केंद्र को यथावत धान खरीदी केंद्र बनाए रखने की मांग की है। जिन्होंने मांग पूरी न होने पर सरकार की जगह बिचौलियों को अपना उपार्जन बेचने की चेतावनी दी है।

18 नवंबर से पत्र देकर केंद्र को यथावत करने की करी जा रही मांग

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कावेली में धान खरीदी की व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्राम कावेली सहित 12 गांवो से कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन सौंपने पहुंचे किसानों की मानें तो इस वर्ष दूसरे गांव में धान उपार्जन केंद्र बनाया गया है। जहां समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए ले जाने में उन्हें अधिक परिवहन भाड़ा लगेगा, वही समय पर धान ना बिकने से उन्हें आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान होना पड़ेगा। जिसके चलते वे पूर्व की भांति कावेली सोसाइटी को ही धान खरीदी केंद्र बनाए जाने की मांग कर रहे हैं। बताया गया कि इस संबंध में समस्त कृषकों द्वारा पूर्व में 18 नवंबर 2025 को पत्र देकर ग्राम कावेली में धान क्रय केंद्र संचालित किए जाने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर वे पुन: जनसुनवाई में ज्ञापन सौपने आए है।

कहते है कि धान बेचने बिठली या सोनगुड्डा जाओ, हम नही जाएंगे

किसानों ने बताया कि उन्होंने धान विक्रय हेतु पंजीयन पहले ही करा लिया है और जिले के अन्य उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी का कार्य शुरू हो चुका है। इसके बावजूद आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कावेली में धान खरीदी प्रारंभ नहीं की गई है। प्रशासन द्वारा किसानों को धान विक्रय के लिए ग्राम बिठली अथवा सोनगुड्डा स्थित उपार्जन केंद्रों पर जाने को कहा जा रहा है, जो कावेली से 20 से 40 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं। इतनी लंबी दूरी तय कर धान ले जाना छोटे और मध्यम किसानों के लिए बेहद कठिन और खर्चीला साबित हो रहा है।

करीब 20 गांवो के ग्रामीण हो रहे परेशान-रमेश

ग्रामीण रमेश पंद्रे ने बताया कि कावेली समिति क्षेत्र में तीन से चार पंचायतों का दायरा आता है,जिसमें करीब 18 से 20 गांव शामिल हैं। धान खरीदी शुरू हुए लगभग 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कावेली में खरीदी नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि बिठली उपार्जन केंद्र 20-25 किलोमीटर दूर पड़ता है, जहां तक धान पहुंचाना व्यावहारिक नहीं है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान की आशंका बनी हुई है।हमारी मांग है कि ग्राम कावेली में शीघ्र धान खरीदी की व्यवस्था की जाए, ताकि आसपास के सभी गांवों के कृषकों को राहत मिल सके और उन्हें अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

तो बिचौलियों को बेचेंगे धान, सरकार का कर्ज भी नहीं देंगे- नत्थूलाल

वही कान्हा टोला से आए ग्रामीण नत्थूलाल राणा ने बताया कि कावेली केंद्र में अब तक धान खरीदी शुरू नहीं हो पाई है ,हमें 30 से 40 किलोमीटर दूर के केंद्र जाकर धान देने के लिए कहा जा रहा है, जो हम नहीं देंगे। उससे बढ़िया तो हम अपनी धान बिचौलियों को भेज देंगे और समिति का ऋण भी अदा नहीं करेंगे उन्होंने बताया कि उनके ऊपर 61000 का ऋण है हर साल वे धान बेचते थे और ऋण अदा कर देते थे लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। यदि कावेली केंद्र में धान खरीदी नहीं हुई तो कोई भी किसान अपना ऋण अदा नहीं करेगा।

भरवेली में फांसी लगाने से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली के वार्ड नंबर 16 से भरवेली पुलिस ने एक व्यक्ति का फांसी पर लटका शव बरामद किया है।मृतक का नाम भरवेली वार्ड नंबर 16 पटेलवा ?। निवासी 35 वर्षीय राजकुमार पिता बुधराम कोहरे बताया गया है।जिसके फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि राजकुमार ने यह कदम क्यों उठाया फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है,लेकिन पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाने से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है।जिसके शव का मंगलवार की सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वहीं भरवेली पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

15 - 20 दिनों से पत्नी रह रही थी मायके

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भरवेली पटेलवाड़ा निवासी राजकुमार पेशे से ड्राइवर था, जो वाहन चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। जिसकी पत्नी और दो बच्चे हैं, जानकारी के मुताबिक पारिवारिक कलह के चलते उसकी पत्नी करीब 15 20 दिनों से बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। जबकि राजकुमार घर पर अकेला रहता था। बताया गया की राजकुमार ने बीती रात घर पर नायलॉन की रस्सी से फंदा बनाकर, फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि उसने यह कदम क्यों उठाया फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है लेकिन मौत की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

बताया गया कि मंगलवार की सुबह जब परिजन सोकर उठे तो राजकुमार उन्हें दिखाई नहीं दिया।कमरे में आवाज देने पर जब भीतर से कोई जवाब नहीं आई तो परिजनों ने घर के भीतर झांक कर देखा ,जिस पर परिजनों को राजकुमार का शव फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत मायके में मौजूद उसकी पत्नी को दी, वहीं भरवेली पुलिस को जानकारी से अवगत कराया।जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर ,पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वही शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया जहां शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है तो वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है ।

BALAGHAT'S MOST TRUSTED FIBER TO HOME NETWORK
PADMESH XFIBERNET
UNLIMITED, yet AFFORDABLE
high speed internet from PADMESH XFibernet

for purchase inquiries
GIVE A MISSED CALL NOW 08045777666

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों। हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट